जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 12 अक्टूबर, 2025

कोठी के साथ 60 करोड़ की 60 एमेनिटीज बिल्कुल फ्री

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

कोठी	फ्लैट
सिर्फ ₹4700/- Sq Ft	सिर्फ ₹4000/- Sq Ft

पजेशन पर ₹10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

79 दिनों में हैंडओवर शुरू

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

T&C Apply.

बुक करने के लिए:

1800 120 2323

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

इस दिवाली पवित्र रिश्तों के लिए पवित्र गिफ्ट हैंपर

₹1100

जो आपके लिए डिलीवर करेंगे हम (राजस्थान में कहीं भी)

आटा । सूजी । दलिया । बेसन । दाल । चावल
गेहूँ । मसाले । कुकिंग ऑयल । ड्राई फ्रूट्स । चाय

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON APP | ORDER ON WHATSAPP

T&C Apply.

बुक करने के लिए:

1800 120 2727

विचार बिन्दु

शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान नहीं, कर्म है। –हर्बर्ट स्पेन्सर

जराजीर्णता प्रतिषेध एवं प्रबंध

कल्पना कीजिए एक 75 वर्षीय दादी, जो कुछ साल पहले तक सक्रिय थीं, अपने पोते-पोतियों के साथ खेलती थीं, और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेती थीं, अब सीढ़ियाँ चढ़ने में कठिनाई महसूस कर रही हैं, अक्सर संतुलन खो देती हैं, और पहले से कहीं अधिक थकान महसूस करती हैं। यह कहानी अनोखी नहीं है। दुनिया भर में, जराजीर्णता-एक जटिल नैदानिक स्थिति, जिसमें शक्ति, सहनशक्ति और शारीरिक कार्यों में कमी होती है-वृद्धों की जनसंख्या के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती प्रस्तुत करती है। 2019 के एक वैश्विक विश्लेषण के अनुसार, जराजीर्णता का प्रभाव 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लगभग 10 प्रतिशत लोगों पर होता है, और उम्र के साथ इसकी व्यापकता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। तेजी से वृद्ध होती जनसंख्या के कारण भारत में जराजीर्णता और आयु से संबंधित स्वास्थ्य गिरावट सामान्य बात होती जा रही है। जहां 112 मिलियन से अधिक बुजुर्ग लोग शारीरिक, मानसिक,सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

बुढ़ापे में किसी की मदद के बिना चलने-फिरने, पहनने-ओढ़ने और मल त्याग में सक्षम रहना है तो यह आलेख आपके लिए है।

जराजीर्णता, या फ्रैलटीका आधुनिक विज्ञान और आयुर्वेद दोनों में व्यापक रूप से विमर्श किया गया है। समकालीन शोध ऑक्सीडेटिवस्ट्रेस, इन्फ्लेमेशन, और फ्री रेडिकल क्षति के कारण शारीरिक गिरावट पर केंद्रित है। इसके विपरीत आयुर्वेद उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जराजीर्णता की एक समग्र दृष्टि प्रदान करता है। आयुर्वेद के अनुसार, जराजीर्णता तीन दोषों-वात, पित्त और कफ-के असंतुलन और शरीर के ऊतकों (धातु), पाचकाग्नि और मल प्रबंधन प्रणालियों के क्षय के कारण उत्पन्न होती है। वस्तुतः समय के परिणाम से बुढ़ापा और मृत्यु हर व्यक्ति के जीवन में अंततः आते हैं, और बुढ़ापे में होने वाली समस्यायें स्वाभाविक हैं। इनकी चिकित्सा नहीं होती (कालस्य परिणामेन जरामृत्युनिमित्तजाः। रोगाः स्वाभाविका दृष्टाः स्वभावो निष्प्रतिक्रियः॥ च.शा.1.115)। स्वाभाविक जरावस्था को नहीं टाला जा सकता, पर अकाल-जरा या असमय बुढ़ापे की समस्याओं से निपटने के लिये आयुर्वेद में पर्याप्त, प्रभावी और प्रमाण-आधारित उपाय हैं।

आयुर्वेद उम्र बढ़ने (जरावस्था) को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के रूप में मान्यता देता है जो शरीर, इंद्रियों, मन और आत्मा को प्रभावित करती है। जीवन के विभिन्न चरणों में वात, पित्त, और कफ की परस्पर क्रियाशीलता के कारण विशिष्ट शारीरिक परिवर्तन होते हैं। बचपन मेंकफ दोष का प्रभुत्व होता है, जो वृद्धि और विकास (अनाबॉलिज्म) को बढ़ावा देता है। वयस्कता में पित्त का प्रभुत्व होता है, जो चयापचय और शरीर की कार्यक्षमता को बनाए रखता है। वृद्धावस्था में वात का प्रभुत्व होता है, जो शरीर के गिरावट (कैटाबॉलिज्म) की ओर ले जाता है। कफ के क्षय के कारण बल में कमी होना, वात की वृद्धि के कारण शरीर में दर्द और कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट और पित्त की विषमता से अग्नि-वैषम्य बुढ़ापे के मुख्य लक्षण हैं जो जराजीर्णता लाते हैं।

आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उनका आयुर्वेद से मेलअब बहुत स्पष्टता से देखा जा सकता है। वर्ष 2019 के विश्लेषण में उद्धृत आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययन पुष्टि करते हैं कि जराजीर्णता कई कारकों, जैसे कि आनुवंशिक प्रवृत्ति, जीवनशैली विकल्प और पर्यावरणीय जोखिमों से प्रभावित होती है। जराजीर्णता के मुख्य कारणों में मांसपेशियों के द्रव्यमान और शक्ति का ह्रास (सार्कपेनिया), संज्ञानात्मक गिरावट, कुपोषण और गतिशीलता में कमी शामिल हैं। ये स्थितियाँ ऑक्सीडेटिव तनाव और इन्फ्लेमेशन में वृद्धि से जुड़ी होती हैं, जो आगे कोशिका क्षति और उम्र बढ़ने को तेज करती हैं।

रोचक बात यह है कि जराजीर्णता के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद की सलाह और आधुनिक वैज्ञानिक रणनीतियों के मध्य बड़ी निकटता है। उदाहरण के लिए, आयुर्वेद उम्र से संबंधित शारीरिक गिरावट को रोकने के लिए संतुलित अग्नि (पाचनशक्ति) और वात दोष के प्रबंधन पर जोर देता है। यह दृष्टिकोण ऑक्सीडेटिव तनाव और इन्फ्लेमेशन को कम करने के लिए आधुनिक हस्तक्षेपों के साथ सुसंगत है ताकि उम्र-आधारित रोगजनन की गति को धीमा किया जा सके।

जराजीर्णता की रोकथाम की रणनीतियाँ: जराजीर्णता की रोकथाम और प्रबंधन के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जिसमें जीवनशैली में परिवर्तन, आहार संबंधी हस्तक्षेप और उपचारात्मक अभ्यास शामिल होते हैं। यहाँ आज तक अद्यतन, प्रमाण-आधारित और सर्वाधिक प्रभावी रणनीतियाँ दी गई हैं: बहुयुक्त व्यायाम वनानुभव समाजोन्मुखता विवाहकर्तव्यनिष्ठा सत्यनिष्ठा शुद्धान्तः करणोत्तम प्रज्ञाध्यात्म ज्ञानसुखायु हितायु सहाग्निसाम्यं फलशाक विविधाशनम द्यत्यागोदरस्थौल्य मुक्ततासहितं नित्यसेवनीयै रामलक्याद्यैः रसायनैश्च जराजीर्णतायाः प्रतिषेधंकरोति, तत्रसर्वेषुव्यायामर सायनयोः सर्वरसाभ्यासस्य च श्रेष्ठतमत्वम्। (यजुर्विदतन्त्र)। इस सूत्र को विस्तार से समझने के पूर्व इसका अर्थ समझना आवश्यक है। विविध प्रकार के व्यायाम, वनानुभव, समाज से मेल-मिलाप, वैवाहिक और पारिवारिक स्थिति, कर्तव्यनिष्ठा,सत्यनिष्ठा, शुद्ध अंतःकरण, उत्तम प्रज्ञा, अध्यात्मज्ञान, सुखायु (सुखी जीवन) और हितायु (हितकारी जीवन) के साथ-साथ अग्नि का साम्य (पाचनाग्नि का संतुलन), फल और सब्जियों का विविध आहार, मद्य का त्याग, उदरस्थौल्य (तोंद के रूप में पेट की चर्बी) का अभाव, आंवला, द्राक्षा, अनार आदि जैसे नित्य सेवन योग्य रसायन – ये सब मिलकर जराजीर्णता का प्रतिषेध (बचाव, प्रिवेंशन) करते हैं। इनमें से,व्यायाम, रसायन सेवन, और सभी रसोंसे युक्त नियमित आहार की विविधता बचाव के सर्वोत्तम कारक हैं।

ध्यान दीजिये, यजुर्विदतन्त्र कोई संकलन नहीं बल्कि आयुर्वेद की एक मौलिक संहिता है जो ज्ञान की त्रिवेणी-शास्त्र, साइंस, अनुभव-पर आधारित है व युगानुरूप लिपिबद्ध की जा रही है। उपरोक्त सूत्र जराजीर्णता प्रबंधन एवं प्रतिषेध पर उपलब्ध ज्ञान को एकीकृत कर लिखा गया है। प्राचीन संहिताओं और समकालीन वैज्ञानिक शोध पर प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ 422 मेटा-एनालिसिस, और अनुभवजन्य ज्ञान समाहित हैं। इस सूत्र में प्रदत्त उपयोग-योग्य जानकारी आगे प्रस्तुत है।

आयुर्वेद का सुझाव है कि खाने की आदतों के प्रति सचेत रहना और भारी, तैलीय या प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की अत्यधिक खपत से बचना पेट के मोटापे और उससे जुड़े जोखिमों को रोक सकता है। आधुनिक शोध से पता चलता है कि उदर-मोटापा कई क्लिनिकल समस्याओं, जैसे कि मेटाबोलिक सिंड्रोम, मधुमेह और हृदय रोगों से जुड़ा हुआ है। ये सभी रोगजराजीर्णता में योगदान करते हैं।

1. बहु-घटक व्यायामः जराजीर्णता की रोकथाम और प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। आयुर्वेद के अनुसार,बल के आधे तक नियमित व्यायाम दोषों को संतुलित करता है, विशेष रूप से वात,जो गतिशीलता से जुड़ा होता है। यह मांसपेशियों को मजबूत करता है, सहनशक्ति को बढ़ाता है, और जोड़ों का लचीलापन बनाए रखता है। वैज्ञानिक अनुसंधान से पता चलता है कि बहु-घटक व्यायाम (एरोबिक, प्रतिरोध, संतुलन, और लचीलापन प्रशिक्षण का संयोजन) मांसपेशियों के द्रव्यमान, हड्डियों का घनत्व, और समग्र शारीरिक कार्य को सुधारकर जराजीर्णता के जोखिम को काफी कम कर सकता है।

2. आहार विविधता और पौष्टिक भोजनः दोषों को संतुलित करने और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद सभी छह रसों (षड रस) से समृद्ध आहार पर जोर देता है। आधुनिक पोषण विज्ञान भी इस सिद्धांत का समर्थन करता है, जो फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, फलियां, मेवे और बीजों जैसे खाद्य पदार्थों से समृद्ध विविध आहार का परामर्शदेता है। ये खाद्य पदार्थ एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, और खनिजों से भरपूर होते हैं, जो जराजीर्णता की रोकथाम, ऑक्सीडेटिव तनाव और दर्द व सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

3. रसायनः आयुर्वेद के रसायन उम्र बढ़ने को रोकने और दीर्घायु को बढ़ावा देने के लिए निर्धारित की गई है। इसमें आंवला, द्राक्षा, अनार, अश्वगंधा, और ब्राह्मी जैसी जड़ी-बूटियों का उपयोग शामिल है,जो एंटीऑक्सीडेंट गुणों और संज्ञानात्मक और शारीरिक कार्य को बढ़ाने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं। आधुनिक शोध इन लाभों की पुष्टि करता है, जिससे पता चलता है कि इस तरह की जड़ी-बूटियाँ ऑक्सीडेटिव क्षति को कम करके और कोशिका कार्य में सुधार करके उम्र बढ़ने के प्रभावों में कमी ला सकती हैं।

4. सामाजिक सहभागिता और मानसिक कल्याणःजराजीर्णता केवल एक शारीरिक स्थिति नहीं है; इसका एक महत्वपूर्ण मानसिक घटक भी होता है। आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य (सत्त्व) पर जोर देता है और ध्यान, आध्यात्मिक गतिविधियाँ (आध्यात्मिक आहार) और सामाजिक सहभागिता जैसी बातों पर सुझाव देता है ताकि मन को संतुलित रखा जा सके। आधुनिक अध्ययन बताते हैं कि सामाजिक सहभागिता और संज्ञानात्मक गतिविधियाँ, संज्ञानात्मक गिरावट को रोकने और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने में मदद कर सकती हैं, जिससे जराजीर्णता का जोखिम कम हो जाता है।

5. पाचनशक्ति का प्रबंधन और दोष संतुलनः आयुर्वेद के अनुसार, पोषक तत्वों के अवशोषण और आत्मसात करने के लिए संतुलित पाचक अग्निआवश्यक है। वृद्धावस्था में, पाचन दक्षता अक्सर कम हो जाती है, जिससे कुपोषण और जराजीर्णता होती है। इसका प्रबंधन करने के लिए, आयुर्वेद पाचक जड़ी-बूटियों के उपयोग, सावधानीपूर्वक खाने के अभ्यास और उचित पाचन और चयापचय कार्य सुनिश्चित करने के लिए नियमित मलत्याग की सिफारिश करता है। वैज्ञानिक अध्ययन भी जराजीर्णता की रोकथाम के लिए आंत के स्वास्थ्य और पोषक तत्वों के अवशोषण को बनाए रखने पर जोर देते हैं।

6. शारीरिक-भार और उदर-स्वास्थ्य का रखरखावः जराजीर्णता की रोकथाम में इष्टतम शरीर भार बनाए रखना और उदर मोटापा (सेंट्रल ओबेसिटी) से बचना आवश्यक है। आयुर्वेद का सुझाव है कि खाने की आदतों के प्रति सचेत रहना और भारी, तैलीय या प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की अत्यधिक खपत से बचना पेट के मोटापे और उससे जुड़े जोखिमों को रोक सकता है। आधुनिक शोध से पता चलता है कि उदर-मोटापा कई क्लिनिकल समस्याओं, जैसे कि मेटाबोलिक सिंड्रोम, मधुमेह और हृदय रोगों से जुड़ा हुआ है। ये सभी रोग जराजीर्णता में योगदान करते हैं।

7. अत्यधिक निष्क्रिय व्यवहार से बचनाः आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों इस बात से सहमत हैं कि अत्यधिक निष्क्रिय व्यवहार (सदासन या सीडेंटरीबिहैवियर) स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। चेष्टाद्वेषी व्यक्ति बहुत जल्दी जराजीर्णता में फंस जाते हैं। स्वास्थ्य और जीवन-शक्ति को बनाए रखने के लिए आयुर्वेद शारीरिक निष्क्रियता से बचने और नियमित शारीरिक व्यायाम को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने परामर्श देता है। वैज्ञानिक अध्ययन भी पुष्टि करते हैं कि नियमित व्यायाम, यहां तक कि छोटे अंतराल में भी, मांसपेशियों की शोष को रोक सकता है, हृदय स्वास्थ्य को बनाए रख सकता है, और जराजीर्णता के जोखिम को कम कर सकता है।

8. नित्य-सेवनीय रसायनों का दैनिक उपयोगः आयुर्वेद आंवला (आमलकी), अनार (दाडिम),द्राक्षा (मुनक्का), गाय का दूध और घी जैसे नित्य सेवनीय रसायनों के दैनिक उपयोग की सलाह देता है। इससे स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है और उम्र-आधारित रोगजनन की गति बहुत कम हो जाती है। आधुनिक पोषण विज्ञान यह मानता है कि ये पदार्थ, एंटीऑक्सीडेंट और स्वस्थ वसा से भरपूर होते हैं,जो ऑक्सीडेटिव तनाव से लड़ सकते हैं, व्याधिक्षमत्व (प्रतिरक्षा) को बढ़ा सकते हैं, और रोगरहित दीर्घायु (हेल्थ-स्पान) दे सकते हैं, जिससे जराजीर्णता की रोकथाम हो सकती है। यदि स्वस्थ व्यक्ति के भोजन में प्रतिदिन अनार, आमलकी और द्राक्षा हो तो उस व्यक्ति के स्वस्थ रहेने की प्रबल संभावना है।

आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान मिलकर जराजीर्णता के प्रबंधन के लिए एक व्यापक रणनीति प्रदान करते हैं। जीवनशैली में संशोधन,आहार हस्तक्षेप, व्यायाम, सामाजिक सहभागिता, और रसायन चिकित्सा को एकीकृत करके, हम स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा दे सकते हैं और जराजीर्णता के जोखिम को कम कर सकते हैं, जिससे उन्नत आयु में भी एक अधिक जीवंत, स्वतंत्र और संतोषजनक जीवन जीने में सक्षम हो सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

जब उच्चतम कोर्ट भी पेंशन दिलवाने में असफल रहे तो क्या पेंशनर इंटरनेशनल कोर्ट में फ़रियाद करे?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

राजस्थान सरकार की हठधर्मिता की पराकाष्ठा ही कहें कि विश्व विद्यालयी पेंशनर अब आंदोलन करते थक चुके हैं विडम्बना ये है कि लगभग 18 वर्षों से चली आ रही समस्या को राज्यमुख्यमंत्री ने एक बार भी सदन में राज्य से निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से चर्चा करना तो दूर सदन को कभी समस्या से अवगत तक नहीं कराया। मैं इतिहासकारों से यह अपील करता हूँ कि इस मामले की विवेचना इतिहास लिखते समय अवश्य कर दें ताकि भविष्य की पीढ़ीओं को मार्गदर्शन मिल सके यह जानने का कि पूर्व की प्रदेश सरकारों ने क्यों और कैसे जनता के एक सबसे शिक्षित वर्ग के अधिकारों को कैसे बिना सदन में संवाद के नकार दिया।

प्रजातंत्र में एक बड़ी त्रासदी घटित होती है उनके साथ जो पूरे जीवन कार्यशील रहते अपनी सेवायें निष्ठापूर्वक देते हैं और सेवानिवृत पश्चात अपने ही वरिष्ठ और कनिष्ठ सरकारी अधिकारिओं के हाथों उपेक्षा के शिकार बनते हैं। राजस्थान प्रदेश में ऐसा ही एक वर्ग है सेवानिवृत कृषि विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत कृषि अध्यापकों, कृषि वैज्ञानिकों व् अनुसन्धान कर्ताओं और कृषि तकनीकों कोप्रसार शिक्षा के माध्यम से किसानों व् उनके खेतों तक ले जाने तथा लगभग समान संख्या में सहायक और सहयोगी कर्मचारिओं का।

जनता की सूचना के लिए बता दें कि राजस्थान सरकार ने बिना कर्मचारिओं की मांग के अपनी तरफ और विवेक से वर्ष 1990 से सेवानिवृति पर पैंशन का प्रावधान किया था यह प्रावधान प्रदेश के सभी अन्य विश्वविद्यालयों में भी लागू किया गया। पैंशन प्रावधान को लागू करने राजस्थान तब कोई अकेला प्रदेश नहीं था वल्कि उसी समय निकटवर्ती सभी प्रदेशों में यह व्यवस्था उनकी सरकारों ने आगे पीछे लागू कर दी थी।

उत्तरप्रदेश एक ऐसा राज्य है जहाँ कतिपय राजकीय संस्थानों व् कुछ इने गिने संस्थानों को छोड़कर अधिकाँश शिक्षा प्राइवेट सेक्टर में है। वहां प्राइमरी से लेकर सभी तरह की उच्च शिक्षा प्राइवेट रहते प्रदेश सरकार ने पहले तो सरकारी संस्थानों के समान वेतनमान लागू किये (यह काम श्री हेमवती नंदन बहुगुणा तब के मुख्यमंत्री ने किया था) और बाद में सभी को पेंशन भी सरकारी मापदंडों के समान प्रदान कर दी। वर्तमान में वहां सभी प्राइवेट संस्थानों से रिटायर कर्मचारी पैंशन सीधे सरकार से प्राप्त कर रहे हैं। अभी तक वहां किसी भी वर्ग के सेवानिवृत पेंशनर की कोई शिकायत आजतक कभी सुनने को नहीं मिली। अन्य प्रदेशों में भी सभी को पेंशन बिना किसी कठिनाई वर्तमान में मिल रही है।

राजस्थान प्रदेश में जहाँ सेवानिवृत पैंशन पानेवालों की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम है वहीँ कृषि विश्वविद्यालयों की तो अपेक्षाकृत बहुत ही कम है क्योंकि ये सब औरों से बहुत बाद में स्थापित किये गए। ऐसे में सरकार इन संस्थानों के रिटायर सेवानिवृत लोगों को पेन्शन नहीं देना चाहती और निर्देश करती है कि पेंशन विश्व विद्यालय दे। जब सभी विश्वविद्यालय सरकार के हैं उनके सम्पूर्ण व्यय वेतन और लेबोरेटरी लाइब्रेरी आदि के खर्चे सरकार ही देती है तो फिर पेंशन क्यों नहीं ?यह बात एकदम स्पष्ट है कि विश्वविद्यालयों की इतनी आय नहीं होती कि उससे पेंशन दी जा सके। विभिन्न विषयों में प्रवेश के लिए सीटों की संख्या और फीस निर्धारण सरकार करती है इसलिए रेवेन्यू नगण्य रहता है। इस सब के ऊपर सरकार विश्व विद्यालयों को काट-छाँट कर नए विश्वविद्यालय स्थापित कर देती है और उनके स्थाई संचालन के लिए उनका इस्टैब्लिशमेंट खर्च ही अनाप सनाप बढ़ा लेती है क्योंकि कुलपति, कुलसचिव, वित्तनियन्त्रक, निदेशक प्लानिंग, निदेशक अनुसन्धान, निदेशक प्रसार शिक्षा, एस्टेट अफसर, अधिष्ठाता पोस्ट ग्रेजुएट व् परीक्षा नियंत्रक और इन सबके लिए एक एक उचित पर्सनल सहायक यानी लगभग 16 से 18 व्यक्तिओं के कर्मचारिओं में वृद्धि कर लेती है। और सरकार मानती है कि इन पर कोई खर्चा नहीं होता ? और फिर रोती है कि सरकार के पास धन की कमी है। यह कैसा चरित्र है सरकार का सभी को मूर्ख बनाने का ,क्या सरकार की फ़िज़ूलख़र्ची को कोई समझता नहीं ?

राज्य सरकार जब विश्व विद्यालयों के सेवानिवृत कर्मचारिओं को पैंशन देने से मना कर रही हो तो क्या राजस्थान प्रदेश का वेलफेयर स्टेट का दर्जा समाप्त हो चुका है? और हो भी गया हो तो सरकार मना किस आधार और नियम के अंतर्गत ऐसा कर सकती है ? क्या राज्य के विश्वविद्यालयों के पेंशनर विदेशी हैं, या घुसपैठिये जिनके साथ ग़ैर -नागरिक जैसा वर्ताव सरकार कर रही है। सेवानिवृति पर इन कर्मचारिओं का प्रोविडेंट फण्ड का आधा हिस्सा मय अर्जित ब्याज के सरकार नें रोक लिया था और पेन्शन देना शुरू कर दिया था। वर्ष 1990 से लगभग 2005 तक पेंशन निर्बाध मिलती भी रही। विश्वविद्यालय में पेंशन फण्ड का प्रवन्ध सरकार से प्रति -नियुक्ति पर पदस्थापित वित्त नियंत्रक ही करते हैं। लेखक ने अपने कुलपति कार्यकाल में तत्कालीन वित्त नियंत्रक से प्रोविडेंट फण्ड और पेंशन के बारे में वार्तालाप किया था उस समय के वित्त नियंत्रक ने ये कहा था कि पेंशन में कोई व्यवधान नहीं आएगा। वेतन की ही भांति पेंशन भी सरकार से मिलती रहेगी।

लेकिन ऐसा हुआ नहीं उनके पद से हटने के उपरान्त ही वर्ष 2006 - 2007 से पेंशन देने की समस्या खड़ी हो गई क्योंकि सरकार और उसके वित्त नियंत्रक पेंशन फण्ड का प्रबंध करने में असफल रहे और फण्ड कम पड़ने लगा। सरकार और उसके वित्त नियंत्रक ने फण्ड को सुद्रण बनाये रखने के लिए कोई उपाय नहीं किये। फलस्वरूप पेंशन न मिलती देख पेंशनरों ने लिखित में प्रार्थनायें, स्मरणपत्रों आदि से हल न होते देख आंदोलन का रास्ता अपनाया। जिसकी खबर मीडिया में आने पर उच्च न्यायलय जयपुर ने स्वतः संज्ञान लेकर परिवाद रजिस्टर कर कार्यवाही शुरू कर दी और व्यवस्था दी कि सरकार तुरंत समस्या को हल कर पेंशन चालू रखे। फिर भी राज्य सरकार ने इस समस्या पर कोई गंभीर कदम नहीं उठाया और 17-18 वर्ष लड़ते भिड़ते पेंशनर आज यहाँ तक पहुँचे। मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया लेकिन ढाक के तीन पात। आश्चर्य प्रशासनिक सचिवों के आगे कोर्ट भी निष्फल और लाचार। फिर पेंशनर क्या अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट जाएँ ?सरकार के सचिवों की करतूतों के पेंशनरों के पास पर्याप्त सबूत हैं यह बात सरकार को विदित रहना चाहिए इस बाबत किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर कोई भी कदम रखना सरकार की निष्फलता की कहानी और बदनामी ही चहुंओर सुनाई देगी, सचिवों का न कभी कुछ बिगड़ा और न बिगड़ेगा।

अभी तक पेंशनर इस बाबत अनेक मंत्री, एमपी और एमएलए से समय समय गुहार लगा चुके हैं लेकिन किसी ने भी बात तक नहीं सुनी। यह सब पॉलिटी में बकवास है कि डबल इंजन की सरकार से देश और प्रदेश में सभी लोग खुशहाल और योजनाएं सुचारु चलती हैं।

लेखक का मानना है डबल इंजन की सरकार से केंद्र की सरकार को भले ही शासन में सुगमता होती हो क्योंकि विरोध की संभावना नगण्य हो जाती है। लेकिन डेमोक्रेसी में इससे उदासीनता पनपती है और प्रदेश के नेता हमेशा अपनी उच्च लीडरशिप की तरफ निहारते तो हैं परतु उनसे अपनी गुहार नहीं लगा पाते। इससे प्रदेश की जनता के किसी समूह और पेंशन जैसी कठिनाई बिना किसी हल के स्थाई बनी रहती हैं। मेरा विचार भी अभी ऐसा बना है जब मैंने देखा कि कोई भी जनप्रतिनिधि समस्या सुनने को भी तैयार नहीं। डेमोक्रेसी में क्या ऐसी उपेक्षा होनी चाहिए? प्रदेश और केंद्र सरकारें इस पर पेंशन भोगिओं को कोई तो विकल्प उपलब्ध करवाएं ? दूसरा कौन करेगा ? क्या इसकी गुहार पाकिस्तान, रूस या अमेरिका आदि से करनी पड़ेगी ? अथवा इसी प्रकार उत्पन्न आर्थिक विपन्नता से वरिष्ठ लोग देवलोक सिधार जायेंगे ?

प्रदेश के सभी विश्व विद्यालय और विशेष रूप से कृषि शिक्षा व् अनुसन्धान के, सर्वाधिक पीड़ित हैं। इसी माह जयपुर में सभी विश्व विद्यालयों के पेंशन संघों का प्रदर्शन भी हुआ। मुझे नहीं लगता उसका भी कोई प्रभाव सरकार पर पड़ा हो ? अपेक्षाकृत कम संख्या और सामान्य तरीके से आंदोलन को कोई तब्जो नहीं देता। फिर पीड़ित वर्ग के पास क्या विकल्प और तरीका है कि उन्हें पेंशन मिलती रहे?

इस पूरे प्रकरण में सम्पूर्ण दोष सरकारों का रहा है जिसके लिए चाहे मंत्री जिम्मेदार हों या सचिव अथवा दोनों। पहले तो सरकार ने संस्थानों में वर्षों से स्वीकृत पदों में कमी इस सीमा तक कर दी कि वेतनभोगिओं की तन्खा से प्रोविडेंट फण्ड और पेंशन अंशदान नगण्य हो गया। इसलिए यह भूल जाइये कि राज्य के विश्वविद्यालय कभी सक्षम होंगे सेवानिवृत कर्मचारिओं को पेंशन देने में ? आज नहीं तो भविष्य में सरकार को पेंशन फण्ड सरकार के स्तर

अथवा विश्वविद्यालय स्तर पर बनाकर सुद्रण करना ही पड़ेगा यदि पेंशन प्रावधान आगे बनाये रखना है तो।

वैसे भी सरकार जनता से वसूले टैक्स से अर्जित धन को अपने वोट की खातिर मुफ्त बाँटती है वो संविधान सम्मत है अथवा लूट? एक जानकारी के अनुसार राजस्थान सरकार पर 2023 में 537013 करोड़ का कर्जा था क्या मुफ्त बाटने के लिए सरकार कर्जा भी लेती है केंद्र सरकार का इस पर कोई अंकुश नहीं लेकिन वहां फण्ड की कोई कमी नहीं ? जब कर्जा चुकाना ही नहीं है तो पेंशन देनें के लिए भी सरकार कर्जा ले ले। भले ही चाहे प्रदेश बेचना पड़े यदि कर्जा चुकाने में असमर्थ हो जाएँ।

समस्या हल का कोई चारा नहीं दिखता सिवाय इसके कि सरकार तत्काल प्रभाव से विश्व विद्यालय कर्मचारिओं के लिए पेंशन व्यवस्था निरस्त कर दे। इससे जो जीवित हैं वे शीघ्र देवलोक चले जायेंगे और आगे सेवानिवृत होने वाले कुछ समय जीवित रहने के लिए अपने स्तर पर कोई प्रकल्प शुरू कर दें। समस्या बुजुर्ग बिधवा महिलाओं, तरुण बालिकायों और रोगग्रस्त वरिष्ठ को आएँगी, तो वे ईश्वर का नाम लेते भुगतेंगे और फिर अपना रास्ता वे भी पकड़ लेंगे। इससे सरकार को बड़ी राहत मिलेगी। कहीं से कोई फिर मांग नहीं उठेगी, और पूरी शिक्षा विशेषरूप से उच्च कृषि शिक्षा और अनुसन्धान सर्वोत्तम शिखर को छू लेगा। कृषि पंडितों को करने के लिए फिर कुछ बचेगा भी नहीं।क्योंकि विभिन्न विषयों की कक्षाओं में पढ़ाई सड़क से बटोरे व्यक्ति प्रति कालांश भुगतान पर कर देते हैं भले ही वे पढ़ाने केलिये अधिकृत न हों (पढ़ाने के लिए केवल डिग्री होना काफी नहीं है।)

इसको पढ़िए और संतोष से ध्यान में बैठिये, शान्ति मिलेगी प्रार्थना करिये ईश्वर सरकार को सद्बुद्धि दे। अन्यथा कुछ शक्ति आने पर फिर भीख के लिए प्रयत्न शुरू कर दीजिये। एक समय न आप रहेंगे कुछ कहने के लिए और न आपके लिए कोई कहनें को बचेगा। द्वतीय विश्व युद्ध में भी ऐसे ही हालात बन गए थे। राम भली करें, इति।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
कृषि शिक्षाविद सेवा निवृत,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर, राजस्थान

मां, मातृभाषा एवं मातृभूमि का कोई विकल्प नहीं: प्रो. बाबूराम

भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय चेतना विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में हुए दो तकनीकी सत्र

जोधपुर, (कांस)। मां, मातृभाषा एवं मातृभूमि का कोई विकल्प नहीं है। भारत की सभी भाषाओं का साहित्य ही भारतीय साहित्य है। ये विचार बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक हरियाणा के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. बाबूराम ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकी सत्र में व्यक्त किए। सत्र की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि देश की प्रगति के लिए राष्ट्रीय चेतना पर निरंतर लेखन एवं साहित्य सृजन जरूरी है। वर्तमान परिपेक्ष में भारतीय साहित्य को ही विश्व साहित्य की श्रेणी में रखा जा सकता है। भारतीय साहित्य की जड़े लोक साहित्य से जुड़ी हुई है। इसी कारण इसकी संप्रेषिता अधिक है। सभी भारतीय भाषाओं को जोड़ने में हिंदी साहित्य की प्रभावी भूमिका रही है। भारतीय साहित्य लोक कल्याणकारी एवं राष्ट्र हितकारी हैं। यह ज्ञान का संचित कोष है।

■ 'देश की प्रगति के लिए राष्ट्रीय चेतना पर निरंतर लेखन एवं साहित्य सृजन जरूरी है'

जानकारी के अनुसार पीएम उषा योजना के तहत जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के तत्वावधान में भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय चेतना विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शनिवार को द्वितीय एवं तृतीय तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र में मणिपुर विश्वविद्यालय के प्रो. यशवंत सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि मणिपुर के लोगों में राष्ट्रीय चेतना पहले सामाजिक विषय था। फिर इसने साहित्य में प्रवेश किया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से मणिपुर के लोगों में मातृभूमि और मातृभाषा के भाव को अभिव्यक्त किया। सत्र में डॉ. ज्ञान सिंह शेखावत, डॉ. हीराराम बराड़, डॉ. गोविंद सिंह, डॉ. दिनेश गहलोत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. प्रेमसिंह राजपुरोहित ने धन्यवाद ज्ञापित किया एवं सत्र संयोजन डॉ. कीर्ति माहेश्वरी ने किया। संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. श्रवण कुमार ने की। सत्र में प्रो. चंद्रकांत सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में अपना उद्बोधन दिया। इस सत्र में डॉ. भगवान सिंह शेखावत, प्रो. शैलेंद्र स्वामी, डॉ. ईश्वर शर्मा और डॉ. अक्षय सुराणा ने बतौर वक्ता अपने विचार व्यक्त किए। तृतीय सत्र का संयोजन डॉ. विनीता चौहान ने किया।

संगोष्ठी सचिव डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया कि हाइब्रिड मोड पर हो रही इस सेमिनार में भारत के सभी राज्यों से शिक्षक व शोधार्थी ऑनलाइन जुड़े हुए हैं। संगोष्ठी के दूसरे दिन कई शोधार्थियों ने शोध पत्रों का वाचन किया। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतिम दिन रविवार को चतुर्थ तकनीकी सत्र के बाद समापन सत्र का आयोजन किया जाएगा।

ग्रामीण सेवा शिविर में वर्षों पुराना विवाद सुलझा

पांच भाइयों के बीच जमीन बंटवारे का हुआ आपसी समाधान

नागौर, (निसं)। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत खेड़ार में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में एक प्रेरणादायक उदाहरण देखने को मिला, जब ग्राम निमोड़ा के पांच भाइयों के बीच लंबे समय से चल रहा कृषि भूमि के बंटवारे का विवाद मौके पर ही सुलझा लिया गया।

ग्राम निमोड़ा निवासी पांच भाई अमरदान, हेमाराम, भगराम, भीमाराम व नेहरूराम पुत्र विसाराम जाट के बीच खसरा नंबर 241, 242, 147, 223, 226, 228 और 230 की कुल 135 बीघा कृषि भूमि को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति नहीं बन पाने के कारण मामला वर्षों से लंबित था। 11 अक्टूबर को खेड़ार में लगे ग्रामीण सेवा शिविर में जब इन भाइयों ने अपनी समस्या रखी तो उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों ने तुरंत सुनवाई की। तहसीलदार डीडवाना तेजपाल पारीक, उपखंड अधिकारी मुमुक्षु कोठारी, पंचायत समिति फतेहपुरा के विकास अधिकारी एवं विभागीय अधिकारियों ने दोनों पक्षों की बात ध्यानपूर्वक सुनी। राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर ही पंचनामा तैयार कर बंटवारे का प्रस्ताव तैयार किया। तहसीलदार द्वारा तैयार बंटवारे के प्रस्ताव को सभी भाइयों ने आपसी सहमति से स्वीकार कर लिया। मौके पर ही खसरा नंबरवार भूमि का बंटवारा सुनिश्चित कर संबंधित दस्तावेज भाइयों को सौंपे गए। इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने राहत और प्रसन्नता व्यक्त की। उनका कहना था कि वर्षों से चली आ रही पारिवारिक समस्या का समाधान प्रशासन की पहल से कुछ ही घंटों में हो गया, जिससे परिवार के बीच सद्भाव और सहयोग की भावना फिर से स्थापित हुई।

शिविर में राजस्व विभाग, महिला अधिकारिता, कृषि, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। यह प्रकरण ग्राम निमोड़ा के लिए एक उदाहरण बन गया है कि जब प्रशासन जनता के द्वार तक पहुंचता है, तो न्याय, सहमति और समाधान एक साथ संभव हो जाते हैं।

राशिफल रविवार 12 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र दिन 1:37 तक, वारियान योग दिन 10:55 तक, वणिज करण दिन 2:17 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 1:37 से आरम्भ होगा। भद्रा दिन 2:17 से रात्रि 1:21 तक रहेगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:55 से 9:21 तक, लाभ अमृत 9:21 से 12:13 तक, शुभ 1:40 से 3:06 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 5:58

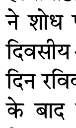

मेष
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा।

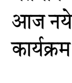

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

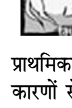

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव और भय बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

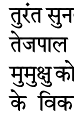

सिंह
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि और संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

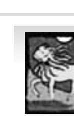

कन्या
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

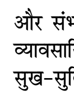

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

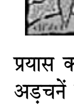

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक एवं बनते कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज यात्रा में परेशानी हो सकती है।

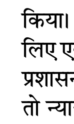

धनु
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

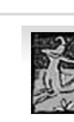

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

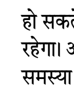

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

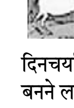

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति, सुख-सुविधा बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 12 अक्टूबर, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

नव विधान – न्याय की नई पहचान

नए आपराधिक कानूनों पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन

श्री अमित शाह

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

द्वारा

सोमवार, 13 अक्टूबर, 2025 | प्रात: 10:00 बजे | जेईसीसी, जयपुर

कानूनों की नई संरचना की डिजिटल व इंटरएक्टिव प्रस्तुति

"समय पर न्याय - सभी के लिए न्याय" ध्येय पर आधारित

न्याय प्रणाली में पारदर्शिता, तीव्रता और जनसुलभता पर संवाद

विशेष सत्र

13 अक्टूबर
टेक्नोलॉजी पर सत्र
पुलिस कार्य में टेक्नोलॉजी के उपयोग पर परिचर्चा

14 अक्टूबर
फॉरेंसिक विज्ञान पर सत्र
नवीन कानूनों में भूमिका, अनुसंधान में गुणवत्ता व सजा प्रतिशत बढ़ाने की कार्य योजना पर परिचर्चा

16 अक्टूबर
कानूनविज्ञों के साथ सत्र
नए आपराधिक कानून का बेहतर क्रियान्वयन, सजा प्रतिशत में अभिवृद्धि, अधिवक्तागण एवं न्यायपालिका की भूमिका पर परिचर्चा

15 अक्टूबर
जेल सम्बन्धी विषयों पर सत्र
जेलों से संचालित अपराध पर नियंत्रण, बंदियों का पुनर्वास, जेल प्रशासन में नवाचार

17 अक्टूबर
स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ सत्र
महिलाओं, बच्चों के अपराध की रोकथाम, पुलिस एवं समाज के संबंध, नए कानूनों की जागरूकता

18 अक्टूबर
समापन समारोह

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 72 प्रभात जयपुर, रविवार 12 अक्टूबर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

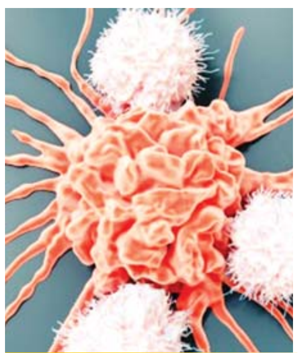

The Magical T-reg cells

The discovery of peripheral immune tolerance is of major clinical importance, it will be a great boon for millions of patients

Karat And Carat

A Dog's Earth Connect

The Mystery, of why Dogs circle before Pooping, has been solved

यूक्रेन युद्ध के बाद से केवल चीन की उड़ानों को रूस की एयर स्पेस लांघने का अधिकार था

इस सुविधा से चीन की व्यावसायिक उड़ानें पाश्चात्य देशों की उड़ानों से लगातार सस्ती होती जा रही थीं

- चीन की एयरलाइन्स को मिल रहे इस अनुचित लाभ को खत्म करने के लिए पाश्चात्य देशों की एयरलाइन्स ने ट्रंप को आगे किया है।
- ट्रंप अब चीन की उन उड़ानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की तैयारी में हैं जो रूस की एयर स्पेस को लाँघकर अमेरिका में उतरती हैं।
- उधर चीन ने वहाँ से अमेरिका को निर्यात होने वाले रेयर अर्थ के खनिज एक्सोर्ट पर प्रतिबंध और कड़े किये। अमेरिका ने इसके प्रत्युत्तर में चीन से अमेरिका निर्यात होने वाले सामान पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी। यह व्यावसायिक प्रतिद्वंदिता कहाँ जाकर रूकेगी, क्या देर सवेर सशस्त्र युद्ध में परिवर्तित होगी?

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। जहाँ एक ओर डॉनल्ड ट्रंप गाज़ा और यूक्रेन में युद्ध की आग को शांत करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं वे वैश्विक व्यापार में नए टकराव के मोर्चे खोल रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने अब रूसी हवाई क्षेत्र से होकर उड़ने वाली एयरलाइनों पर प्रतिबंध की चेतावनी दी है, और साथ ही चीन पर नए टैरिफ़ (शुल्क) लगाने की धमकी से वैश्विक बाजारों में हलचल मच गई है।

ट्रंप ने अपने चीन विरोधी अभियान को एक नई दिशा देते हुए घोषणा की है कि रूसी हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने वाली सभी चीनी एयरलाइन्स के अमेरिका आने पर रोक लगाई जाएगी। यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय विमानन जगत को गहराई से प्रभावित कर सकता है, क्योंकि रूस का हवाई मार्ग एशिया और पश्चिमी देशों - विशेषकर उत्तर अमेरिका के बीच सबसे छोटा रास्ता है।

चीन ने इस कदम पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, क्योंकि इस प्रतिबंध से सबसे अधिक प्रभावित चीन की एयरलाइंस ही होंगी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या एयर इंडिया और अन्य भारतीय एयरलाइंस भी इस अमेरिकी कदम से प्रभावित होंगी।

अमेरिका के परिवहन विभाग को कुछ समय से शिकायत है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद, रूस ने पश्चिमी देशों के विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगा दिया था।

इसके परिणामस्वरूप यूरोपीय और अमेरिकी एयरलाइनों को अपने महाद्वीपीय मार्गों पर रूसी एयरस्पेस को दरकिनार करते हुए लंबे और महंगे रास्ते अपनाने पड़े। जिससे इनका लागत व टिकट दर बढ़ गई।

चीनी एयरलाइन्स ने इस स्थिति का लाभ उठाया, क्योंकि उन्हें अब भी रूसी हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने की अनुमति थी। रूस का विशाल क्षेत्र - जो पश्चिमी यूरोप से लेकर जापान के पूर्वी तट तक फैला है - वैश्विक विमानन यातायात के लिए अत्यंत रणनीतिक माना जाता है।

पिछले दो वर्षों में चीनी एयरलाइनों ने यूरोप और एशिया के बीच मुख्य मार्गों पर अपनी हिस्सेदारी बढ़ा ली है, जबकि अमेरिकी और यूरोपीय एयरलाइनों की हिस्सेदारी घट गई है। अब ट्रंप प्रशासन ने इस पर जवाबी हमला शुरू कर दिया है।

ट्रंप ने चीन के खिलाफ एक और मोर्चा भी खोल दिया है। हाल ही में चीन ने दुर्लभ पृथ्वी खनिजों और मैग्नेट्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए हैं। उदाहरण के लिए, भारत को यह आश्वासन भी देना पड़ा कि चीन से आयातित दुर्लभ पृथ्वी मैग्नेट्स को किसी भी रूप में अमेरिका को नहीं दिया जाएगा।

इसी के जवाब में, ट्रंप ने घोषणा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अहमदाबाद की तीन फर्मों पर ईडी की रेड

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अहमदाबाद जोनल कार्यालय ने धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत आठ और नौ अक्टूबर को अहमदाबाद में छह स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई 10.95 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले से जुड़ी है।

ईडी ने जांच की शुरुआत सीबीआई की एफआईआर के आधार पर की थी, जो ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की शिकायत पर दर्ज की गई थी। शिकायत में तीन फर्मों-ओम फैब, बाबा टैक्सटाइल्स और लक्ष्मी फैब-का नाम शामिल है। ये सभी फर्में रंजीत कुमार जे. लूनिया की हैं और ग्रे क्लॉथ के व्यापार में जुड़ी थीं।

- अहमदाबाद की इन तीन फर्मों के खिलाफ ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स ने 10.95 करोड़ रूपए के घोटाले की शिकायत की थी।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिये बैंक से कैश क्रेडिट सुविधाएं हासिल कीं और स्वीकृत धनराशि का इस्तेमाल मकानों के ऋण चुकाने, अचल संपत्ति खरीदने, सोना-चांदी के बुलियन खरीदने और नकद निकासी जैसे निजी कार्यों में किया गया। जिसमें बैंक को कुल 10.95 करोड़ रुपये की हानि हुई है।

रविवार को राबड़ी देवी व लालू यादव के साथ तेजस्वी दिल्ली पहुँचे

तेरह अक्टूबर को तीनों को एक मुकदमे में हाजरी दर्ज करानी है, पर, तेजस्वी के एजेंडा में राहुल गांधी से मुलाकात भी बड़ी प्राथमिकता रखती है

- तेजस्वी गठबंधन की सीटों पर राहुल का अंतिम निर्णय चाहते हैं, जो बातचीत के बाद भी फंसी हुई हैं।
- तेजस्वी यादव को इंडिया गठबंधन की ओर से मु.मंत्री का उम्मीदवार घोषित करने का निर्णय भी अभी लटका हुआ है।
- तेजस्वी इन बातों पर राहुल का निर्णय, राहुल की प्रस्तावित रायबरेली व हरियाणा की यात्रा से पहले फाइनल करवाना चाहते हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11, अक्टूबर। राजद नेता तेजस्वी यादव अपने पिता लालू प्रसाद यादव और माता राबड़ी देवी के साथ कल दिल्ली पहुँचेंगे। यह यात्रा सोमवार, 13 अक्टूबर को अदालत में पेशी के सिलसिले में हो रही है।

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली प्रवास के दौरान तेजस्वी यादव की राहुल गांधी से मुलाकात होने की संभावना है। दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे से जुड़ी कुछ विवादित सीटों पर सहमति बनाने की कोशिश की जाएगी।

यह भी समझा जा रहा है कि महागठबंधन की ओर से तेजस्वी यादव का नाम मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी के लिए मुख्य चेहरे के तौर पर औपचारिक रूप से कब घोषित किया जाए, इस पर भी चर्चा होगी। यह तय माना जा रहा है कि यह घोषणा जल्द होगी, हालांकि आज इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की गई, जबकि इसकी उम्मीद थी।

इस बीच, राहुल गांधी की यात्रा का कार्यक्रम भी तय है, वे रायबरेली के दौरे के बाद हरियाणा जाएंगे। हरियाणा में एक आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या ने वहाँ की भाजपा सरकार को संकट में डाल दिया है, क्योंकि मृत अधिकारी द्वारा अपने सुसाइड नोट में जिन वरिष्ठ अधिकारियों के नाम लिखे गए थे, उनके खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

मृतक अधिकारी की पत्नी आरोपित अधिकारियों की गिरफ्तारी की माँग कर रही है, जबकि फिलहाल केवल एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का स्थानांतरण किया गया है। इस मामले में सोनिया गांधी ने भी मृतक अधिकारी के प्रति सहानुभूति जताते हुए पत्र लिखा है, और अब राहुल गांधी स्वयं हरियाणा जाकर परिवार से मुलाकात करेंगे।

कांग्रेस और राजद दोनों ही दलों के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि इस समय प्राथमिकतता महागठबंधन की एकजुटता बनाए रखना, सीट बंटवारे की सभी अड़चनों को दूर करना और उचित उम्मीदवारों का चयन सुनिश्चित करना है, ताकि आगामी चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन को मजबूत चुनौती दी जा सके।

बड़े पैमाने पर दल बदल हो रहा है बिहार में

यह स्पष्ट संकेत है, बिहार में भारी राजनैतिक अनिश्चितता है

- राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि दल बदल बिहार की राजनीति में नया नहीं है, पर, इस बार बड़े पैमाने पर दल बदल इसलिए हो रहा है, क्योंकि अधिकतर नेताओं में अपने राजनैतिक भविष्य को लेकर भारी आशंकाएं हैं, इसलिए टिकट नहीं मिलने की संभावना भांपकर भी कई नेता दल बदल कर रहे हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11, अक्टूबर। जैसे-जैसे बिहार विधानसभा चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, राज्य की राजनीति में अभूतपूर्व उथल-पुथल देखी जा रही है। सत्तारूढ़ नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) और विपक्षी महागठबंधन दोनों रविवार शाम तक अपने अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी करने की तैयारी में हैं। इसी बीच टिकट की दौड़ में असंतुष्ट नेता बड़ी संख्या में दल बदल कर रहे हैं और बेहतर संभावनाओं की तलाश में अपनी मूल पार्टियों को छोड़ रहे हैं।

हालाँकि अभी तक किसी दल ने औपचारिक नामांकन दाखिल नहीं किया है, लेकिन "निर्वाचन आयोग" ने शुक्रवार को 121 सीटों के लिए पहले चरण के नामांकन शुरू कर दिए हैं, जबकि दूसरे चरण के नामांकन 13 अक्टूबर से शुरू होंगे।

बिहार की राजनीतिक संस्कृति में दलबदल कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार इसका पैमाना और रफ़्तार असामान्य रूप से तेज़ है। दर्जनों पूर्व विधायक, पूर्व सांसद और यहाँ तक कि मौजूदा विधायक भी अपने दलों को छोड़कर दूसरे खेमों में शामिल हो रहे हैं, कभी टिकट वितरण में असंतोष के कारण, तो कभी आंतरिक गुटबाज़ी या राजनीतिक अस्तित्व बचाने की कोशिश में।

एक प्रमुख उदाहरण में, संतोष कुशवाहा, जो पूर्णिया से जद (यू) के पूर्व सांसद हैं, टिकट न मिलने पर राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए। अजय कुमार निषाद, जो मुज़फ्फरपुर से भाजपा के दो बार के सांसद रह चुके हैं और तीसरी बार टिकट न मिलने पर कांग्रेस में चले गए थे, अब वापस भाजपा में लौट आए हैं। निषाद की वापसी यह दर्शाती है कि इस चुनावी माहौल में राजनीतिक निष्ठाएँ कितनी लचीली हो चुकी हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, टिकट वितरण की प्रक्रिया ने लगभग सभी दलों में असंतोष फैला दिया है। कई पुराने कार्यकर्ता और स्थानीय नेता शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें नज़रअंदाज़ कर नए चेहरों या धनबल वाले उम्मीदवारों को तरजीह दी जा रही है।

आरजेडी-कांग्रेस नेतृत्व वाले महागठबंधन में भी बगावत की स्थिति बनी हुई है। कुछ असंतुष्ट प्रत्याशी छोटे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में सीट बंटवारे पर एनडीए की बैठकें बेनतीजा

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) दलों के बीच शनिवार को पूरे दिन चली बैठकें देर शाम तक बेनतीजा रही।

- भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जीतन राम मांझी व उपेन्द्र कुशवाहा से अलग-अलग लम्बी बैठकें की थी पर नतीजा नहीं निकला।

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने राजग गठबंधन में सीट बंटवारे की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दी है। भाजपा राजग के सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे के लिए सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास कर रहा है लेकिन सभी दल अधिक सीट मांग रहे हैं जिसके कारण इसको लेकर अंतिम राय नहीं बन सकी है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर दिन में हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सभी बोइंग 787 वायुयानों को ग्राउण्ड करें, जाँच-पड़ताल के लिए'

फैडरेशन ऑफ इण्डियन पायलट्स ने कहा कि उड्डयन तकनीकी मामलों में कॉम्प्रोमाइज़ की गुंजाइश नहीं है

- फैडरेशन ने गत दिनों में ही दो घटनाओं में, फ्लाइट एआई-117 और एआई-154 में बाल-बाल बचने का विवरण दिया।
- इसी संदर्भ में फैडरेशन ने कहा, अहमदाबाद में हुए एआई-171 क्रैश के बाद इन दो संभावित दुर्घटनाओं का मतलब है कि मैन्टेनैन्स प्रणाली में दोष है। ये दुर्घटनाएं आकस्मिक दुर्भाग्य के कारण नहीं हुई हैं।
- अति आधुनिक बोइंग 787 वायुयान में इलैक्ट्रिकल सिस्टम में थोड़ी सी त्रुटि होना घातक साबित होता है। अतः सभी 787 विमानों को ग्राउण्ड करके गहराई से तकनीकी जाँच करनी चाहिए जिससे जाना जा सके कि त्रुटि कहाँ है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11, अक्टूबर। एयर इंडिया के बोइंग 787 विमानों पर एक बार फिर सवाल उठे हैं, फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफ.आई.पी.) ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से तुरंत इन विमानों को ग्राउंड (उड़ान रोकने) करने की मांग की है। यह चेतावनी लगातार सामने आ रही तकनीकी खराबियों और डी.जी.सी.ए. (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) की विशेष ऑडिट रिपोर्ट के बाद आई है, जिससे रखरखाव में लापरवाही और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर आशंकाएँ पैदा हुई हैं।

10 अक्टूबर 2025 को जारी एक कड़े शब्दों वाले पत्र में, एफ.आई.पी. के अध्यक्ष कैप्टन सी.एस. रंधावा ने एक ही हफ्ते में हुई दो गंभीर घटनाओं, एआई-117 और एआई-154 का हवाला दिया। उन्होंने लिखा, "देश में बी-787 विमानों में हो रही खराबियों की जांच न करने से हवाई यात्रा की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बार-बार होने वाली ये खराबियाँ किसी एक तकनीकी समस्या का परिणाम नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम में खामी का संकेत हैं।

पायलट संघ ने चेतावनी दी कि एआई-171 हादसे के बाद ये नई खराबियाँ एयर इडिया के रखरखाव तंत्र में गहरे स्तर की समस्याओं को उजागर करती हैं, खासकर तब से, जब एयरलाइन ने रखरखाव की जिम्मेदारी एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज़ लिमिटेड (ए.आई ई.एस.एल.) से लेकर नए भर्ती किए गए इंजीनियरों को सौंप दी। पत्र में कहा गया, "बार-बार आने वाली तकनीकी खराबियां प्रशिक्षण, अनुभव और निगरानी में कमियों को दर्शाती हैं यह मामूली बात नहीं है, ये यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को सीधे खतरे में डालती हैं।"

बोइंग 787 जैसे बड़े विमान में विद्युत प्रणाली की खराबी के गंभीर परिणाम हो सकते हें, ये नेविगेशन, उड़ान नियंत्रण और ऑनबोर्ड निगरानी प्रणालियों को प्रभावित कर सकती हैं। एक इन्डिपेन्डेंट एविएशन सेफ्टी एनालिस्ट मीरा जोशी ने कहा, "एक छोटा-सा विद्युत दोष भी उड़ान के दौरान गंभीर आपात स्थिति में बदल सकता है। नियमित जाँच और रखरखाव के सख्त नियमों का पालन ही यात्रियों की सुरक्षा का एकमात्र तरीका है।"

एफ.आई.पी. ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से तात्कालिक कदम उठाने की सिफारिश की है:

बोइंग 787 विमानों को तब तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कैनडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद आज भारत में

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। भारत और कनाड़ा के संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कवायद के बीच कनाड़ा की विदेश मंत्री अनिता आनंद रविवार शाम तीन दिन की भारत यात्रा पर यहां पहुंचेंगी। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि अनिता आनंद सोमवार दोपहर को विदेश मंत्री डा.एस जयशंकर के साथ वार्ता करेंगी।

- वे तीन दिन की यात्रा पर भारत आ रही हैं। यात्रा का लक्ष्य दोनों देशों के संबंध मजबूत बनाना है।

बाद में शाम को वह वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मिलेंगी। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच मुख्य रूप से परस्पर व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी।

नोबेल प्राइज़ विजेता युगल डुफलो और अभिजीत बनर्जी एमआईटी छोड़ेंगे और युनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख जायेंगे

युनिवर्सिटी ऑफ ज़्यूरिख के प्रैसिडैंट माइकल शैपमैन ने कहा, हम गौरवान्वित हैं कि विश्व में इस समय सबसे प्रतिष्ठित व प्रभावशाली इकॉनमिस्ट हमारी युनिवर्सिटी से जुड़ रहे हैं

- यह हमारी युनिवर्सिटी के लिए वाकई में एक क्वांटम छलांग है।
- एमआईटी इस प्रकार अमेरिका की पहली प्रीमियम युनिवर्सिटी है, जिसने ट्रंप की सरकार की फंडिंग को अस्वीकार कर दिया है।
- इस लब्ध प्रतिष्ठित इकोनॉमिक युगल को विदेशी युनिवर्सिटी से जुड़ने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी तथा एमआईटी में पार्ट टाइम पोज़ीशन बरकरार रखने की इजाज़त भी दी है, जिससे उनके रिसर्च प्रोजैक्ट एमआईटी में जारी रहें।
- एमआईटी की प्रैसिडैंट सैली कॉर्नब्लूथ ने इस मौके पर कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा भेजे गये शर्त दस्तावेज उन्हें स्वीकार नहीं हैं, क्योंकि एमआईटी के सिद्धांतों के अनुसार, साइंटिफिक फंडिंग का निर्णय साइंटिफिक मैरिट ही होना चाहिए और कुछ नहीं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के विश्वविद्यालयों पर जारी हमलों के बीच, नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री एस्टर डूफलो और अभिजीत बनर्जी अगले वर्ष मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) छोड़कर अगले वर्ष तक स्विट्ज़रलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ़ ज्यूरिक (यूज़ैडएच) जॉइन कर लेंगे।

यह कदम अमेरिका का नुकसान और स्विट्ज़रलैंड का लाभ साबित होगा। क्योंकि ये दोनों प्रतिष्ठित अर्थशास्त्र ज़्यूरिक युनिवर्सिटी में डवलपमेन्ट इकॉनॉमिक्स के लिए एक नया केन्द्र स्थापित कर सकते हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब अमेरिकी विश्वविद्यालय वाइट हाउस से संघीय अनुसंधान फंडिंग पर लगाई जा रही नई शर्तों को लेकर टकराव की स्थिति में हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख ने शुक्रवार को घोषणा की कि ये दम्पति जिन्हें 2019 में, माइकल क्रेमर के साथ, "अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी कम करने के लिए प्रायोगिक दृष्टिकोण" के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला था। वे एक जुलाई 2026 से विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में "लेमन फाउंडेशन प्रोफेसर ऑफ इकॉनॉमिक्स" के रूप में शामिल होंगे।

फ्लोरियन शॉयर, जो यूबीएस प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष हैं, ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि नोबेल विजेता एस्टर डूफलो और अभिजीत बनर्जी 1 जुलाई 2026 से ज्यूरिख विश्वविद्यालय के हमारे अर्थशास्त्र विभाग में लेमन फाउंडेशन प्रोफेसर के रूप में शामिल होंगे। यह हमारी युनिवर्सिटी के लिए क्वांटम छलाँग होगी।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में ओवैसी 32 सीटों पर प्रत्याशी उतारेंगे

किशनगंज,11 अक्तूबर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान और राष्ट्रीय प्रवक्ता आदिल हुसैन ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की व कहा कि उनकी पार्टी बिहार के 16 जिलों की 32 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी।

- ये बत्तीस सीटे सोलह जिलों में हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि उनकी पार्टी किशनगंज की चार सीटों केअलावा , पूर्णिया की तीन, कटिहार की पांच, अररिया की दो, गया की दो, पूर्वी चंपारण की दो, नवादा की एक, जमुई की एक, भागलपुर की दो, सिवान की एक, दरभंगा की चार, समस्तीपुर की एक, सीतामढ़ी की एक, मधुबनी की एक, बैशाली की एक और गोपालगंज की एक सीट से चुनाव लड़ने जा रही है।

गहलोत ने जहां-जहां प्रचार का झंडा थामा, वहां-वहां कांग्रेस धराशायी : मदन राठौड़

गुजरात, महाराष्ट्र के बाद अब बिहार में भी चुनाव हारेगी कांग्रेस : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर कटाक्ष करते हुए कहा कि"जहां-जहां अशोक गहलोत ने चुनावों में प्रचार का झंडा थामा, वहां-वहां कांग्रेस का झंडा नीचे गिरा और कांग्रेस की बुरी तरह पराजय हुई। अशोक गहलोत गुजरात गए, वहां हार गए, वे महाराष्ट्र गए वहां हार गए और अब बिहार में अपनी पार्टी के प्रचार के लिए जा रहे है तो वहां भी हार निश्चित ही है।"

राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत की छिद्रान्वेषण की आदत है, यही कारण है कि अब उनका असली मुकाबला कांग्रेस के ही नेताओं से हो रहा है। पहले उन्होंने अपने ही सहयोगी सचिन पायलट को हाशिए पर डाला और अब पार्टी के भीतर ही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से सीधी प्रतिस्पर्धा हो रही है। इससे यह साफ हो गया है

- **गहलोत की छिद्रान्वेषण की आदत, अपने ही नेताओं को पहुंचा रहे है हाशिए पर, पायलट के बाद अब टारगेट जूली : मदन राठौड़**

कि कांग्रेस अब आंतरिक कलह, गुटबाजी और नेतृत्वहीनता के भंवर में फंस चुकी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि गहलोत जनता को गुमराह करने के बजाय आत्ममंथन करें कि आखिर उसके वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी भी अब पार्टी की हार का कारण क्यों बन रही है। अशोक गहलोत आज भी केवल सत्ता के समीकरण बनाने में लगे हैं, जबकि जनता विकास, कानून-व्यवस्था और पारदर्शिता चाहती है , यह केवल भारतीय जनता पार्टी दे रही है।

अंता विधानसभा उपचुनाव पर राठौड़ ने कहा कि जिस दिन उनके उम्मीदवार चुनाव हारे, उसी दिन से वे इस प्रयास में जुट गए कि कैसे बिल्ली के भाग का छीका टूटे और मलाई उन्हें मिल जाए। कांग्रेस नेताओं की पूरी राजनीति केवल सत्ता की मलाई के इर्द-गिर्द घूमती है, जनसेवा उनके एजेंडे में कहीं नहीं है। कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है, वहां डिक्टेटरशिप चलती है, कोई भी स्वयं को उम्मीदवार घोषित कर देता है और पार्टी केवल मजबूरी में नाम पर मुहर लगाती है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी में जनअपेक्षाओं के अनुरूप, सर्वेक्षणों एवं विचार-मंथन के बाद ही उम्मीदवार तय किए जाते हैं। हमारी कोर कमेटी व्यापक विचार-विमर्श कर जनता के हित में निर्णय लेती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था चाक-चौबंद है, अपराधियों पर तुरंत कार्रवाई होती है, महिला पुलिस को साधन-सुविधा प्रदान की जा रही है और थानों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया है। जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासनकाल में अपराधियों को थानों से छुड़ाया जाता था, पुलिस पर हमले होते थे, वहीं भाजपा सरकार में पारदर्शिता, सुशासन और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन की नीति लागू की गई है। महंगाई के मुद्दे पर राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस काल में महंगाई दर 9.8 प्रतिशत थी, जो भाजपा शासन में घटकर 1.9 प्रतिशत पर आ गई है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य उनकी उपज से दोगुना दिया जा रहा है, पर कांग्रेस को इसमें कोई अच्छाई नहीं दिखती।

बदमाशों ने की युवक पर फायरिंग

जयपुर। खोह-नागोरियान थाना क्षेत्र में शनिवार रात उस समय सनसनी फैल गई जब आधा दर्जन बदमाशों ने एक युवक पर फायरिंग कर दी। कार से आए बदमाशों ने डंडे से युवक को पीटने के बाद फायर किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस ने हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी करवाई, लेकिन कार सवार बदमाशों का सुराग नहीं लगा। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि करौली के रहने वाले बृजराज मीना (30) के पैर में गोली मारी गई है। जो शनिवार की देर शाम को अपने दो दोस्तों के साथ रिद्धी-सिद्धी एसबीआई के पास सोया चाप खाना आया था। सोयाचाप दुकान के बाहर खड़े होने के कारण चार-पांच लड़कों ने उस पर हमला कर दिया। डंडे से मारपीट कर उसके रोड पर गिरा दिया। उसके बाद देसी कट्टे से बृजराज मीणा के पैर में गोली मार दी। खून से लथपथ हालत में चिल्लाने पर लोगों को इकट्ठा होते देखकर बदमाश भागे। हमलावर थोड़ी दूर पर खड़ी कार में बैठकर फरार हो गए।

सुमंगल दीपावली मेला बना आकर्षण का केन्द्र

पारंपरिक शिल्प, परिधान, उपहार हैम्पर्स और स्थानीय व्यंजनों का संगम है यह मेला

जयपुर (कासं)। ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) तथा राज्य सरकार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित "सुमंगल-दीपावली मेला 2025" में इस वर्ष राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए पारंपरिक उत्पाद, शिल्प, परिधान, त्योहारी उपहार और खाद्य सामग्री विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए है। जयपुर के जे.एल.एन. रोड स्थित इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में यह मेला 1 अक्टूबर से शुरू हुआ था, जो कि 12 अक्टूबर तक जारी रहेगा। इसमें राजीविका के स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्य 70 से अधिक स्टॉलों पर अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रही हैं।

मेले में पर्यावरण अनुकूल एवं सतत उत्पादों की समृद्ध विविधता प्रदर्शित की जा रही है। गोबर से निर्मित फूलदान, दीये, वॉल हैंगिंग, राधा-कृष्ण पेंटिंग जैसी कलाकृतियाँ, अपशिष्ट कपडों से बनाए गए सॉफ्ट टॉयज़ एवं की-चेन, जूट से बने टिफिन बैग, बॉटल बैग व फोल्डर आगंतुकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ये उत्पाद ग्रामीण नवाचार एवं पर्यावरण संरक्षण के उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

राजस्थान की समृद्ध वस्त्र एवं परिधान परंपरा भी मेले का मुख्य आकर्षण है। कॉटन से बने राजपूती सेट, एप्लिक (कटवर्क) सूट, बांधणी और अज्रक प्रिंट के सूट-दुपट्टे, राजपूती पोशाकें, ऊन से बने शॉल व जैकेट, पारंपरिक पट्टू और बर्दी शॉल, बच्चों के परिधान, संगानेरी व बगरू प्रिंट जैसे वस्त्र न केवल परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, बल्कि ग्रामीण महिला उद्यिमता की सशक्त झलक भी दिखा रहे हैं।

मेले में ब्लू पॉटरी, टेराकोटा और ब्लैक पॉटरी जैसे पारंपरिक मिट्टी शिल्प भी विशेष रूप से प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इनमें फ्लॉवर पॉट्स, वासेज़, दिया स्टैंड, गणेश वॉल हैंगिंग, फाउंटेन, हांडी, कॉफी-टी कप, टेप मटका और बोतलें जैसी वस्तुएँ शामिल हैं, जो राजस्थान की लोककला और शिल्पकला की विविधता को एक मंच पर प्रस्तुत करती हैं।

इस वर्ष मेले में त्योहारी उपहार हैम्पर्स भी प्रमुख आकर्षण हैं, जिन्हें स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों द्वारा तैयार किया गया है। 650 से 3000 की मूल्य श्रेणी में उपलब्ध ये हैम्पर्स पारंपरिक कला, आधुनिक साज-सज्जा और ग्रामीण सृजनशीलता का अनूठा संगम हैं, जो कॉर्पोरेट व त्योहारी गिफ्टिंग के लिए एक प्रभावी विकल्प बन रहे हैं।

पारंपरिक लोक कला एवं चित्रकला जैसे मंडला, मंडना, बनी ठनी, पिचवाई और हैंड पेंटिंग की प्रदर्शनी भी मेले में विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जो ग्रामीण महिला कलाकारों की सूक्ष्म कलात्मकता और रचनात्मकता को दर्शाती है। स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजनों से सजा फूड कोर्ट आगंतुकों को ग्रामीण स्वाद का अनूठा अनुभव प्रदान कर रहा है। मेले में प्रतिदिन बडी संख्या में आगंतुक पहुँच रहे हैं और ग्रामीण उत्पादों के प्रति गहरी रुचि एवं उत्साह प्रदर्शित कर रहे हैं।

हैरिटेज नगर निगम के पट्टे निरस्त करने वाले आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगाई

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर शहर के बस्सी सीतारामपुरा में हैरिटेज नगर निगम की ओर से कई सालों से रह रहे प्रार्थियों को पूर्व में जारी किए भूखंडों के पट्टों को निरस्त करने वाले 13 सितंबर के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। वहीं मामले में प्रार्थियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के लिए कहा है। जस्टिस संजीत पुरोहित ने यह आदेश अरुण शुक्ला व अन्य की याचिका पर दिए। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार और हेरिटेज नगर निगम से छह सप्ताह में जवाब मांगा है।

मामले से जुडे अधिवक्ता राजेश महर्षि ने बताया कि प्रार्थी कई सालों से बस्सी सीतारामपुरा में रह रहे थे। इस दौरान पिछली कांग्रेस सरकार ने प्रार्थियों को पट्टे जारी कर दिए, लेकिन इस साल हेरिटेज नगर निगम में शिकायत दर्ज हुई कि प्रार्थियों के पक्ष में जारी किए पट्टों में अनियमितताएं हुई हैं। इस आधार पर नगर निगम ने 7 अगस्त 2025 को एक पब्लिक नोटिस निकाला और इन पर आपत्तियां मांगी। बाद में आदेश जारी कर याचिकाकर्ताओं के पक्ष में जारी किए पट्टों को निरस्त कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि नगर निगम ने पट्टा निरस्त करने में तय प्रक्रिया नहीं अपनाई है और नगर पालिका अधिनियम की धारा 73 बी के तहत उन्हें सुनवाई का मौका नहीं दिया है। हैरिटेज नगर निगम की यह कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के प्रावधानों के भी खिलाफ है। इसलिए नगर निगम की ओर से उनके भूखंडों के पट्टे निरस्त करने के आदेश को रद्द किया जाए। एकलपीठ ने निगम के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाकर अफसरो से जवाब मांगा।

महर्षि दधीचि से प्रेरणा लेकर अंगदान के लिए लोग स्वयं आगे आएं : राज्यपाल

जयपुर । सीतापुरा में चल रही तीन दिवसीय "आईएसओटी 2025" कॉन्फ्रेंस में 22 देशों के 120 से अधिक विशेषज्ञों के व्याख्यान हो रहे हैं। जबकि करीब 1500 से अधिक ट्रांसप्लांट सर्जन्स और विशेषज्ञ इस कॉफ्रेंस में हिस्सा ले रहे है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सीतापुरा में तीन दिवसीय "आईएसओटी 2025" में शनिवार को कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

- **जयपुर में आयोजित "आईएसओटी-2025" कॉफ्रेंस में जुटे 22 देशों के 120 से अधिक विशेषज्ञ और 1500 से ज्यादा ट्रांसप्लांट सर्जन्स**

कार्यक्रम अध्यक्ष राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि हर साल देश में लाखों रोगियों को अंगों की आवश्यकता होने और उनकी अनुपलब्धता की वजह के मृत्यु का शिकार हो जाते है। हमें "महर्षि दधीचि" के देहदान के उदाहरण से प्रेरणा लेते हुए समाज में अपनों की जान बचाने के लिए अंगदान करने में आगे आना होगा।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. स्वर्णकार ने स्वागत संबोधन में कहा कि अंग प्रत्यारोपण में नीतिगत प्रयोग करने की अपील की।आयोजन सचिव डॉ. सूरज गोदारा ने बताया कि देश में हर साल 5 लाख रोगी अंगदान तथा अंग प्रत्यारोपण के अभाव में मौत का शिकार हो जाते हैं, यह संख्या बढ़ रही है। हजारों की संख्या में दुर्घटनाओं में ब्रेन डेथ होने के बाद परिजनो द्वारा उनके गुर्दा, फेफड़े, आंत, लिवर, हृदय, त्वचा का दान किया जा सकता है। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रसन्ना वराले ने कहा कि सोटो कानून व्यवस्था के जरिए अंगदान और प्राप्त करने में अपराध की भूमिका पर अंकुश लगा है। उन्होंने बताया कि कानून में मानवीय संवेदनाओं और आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा गया है। रक्त संबंधी अंगदाता की अनुपलब्धता होने पर अन्य रिश्तेदार भी विशेष मामलों में कानून तथा प्रशासन की मदद से अंगदान कर सकते है।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा, भारतीय अंग प्रत्यारोपण सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ.अर्पिता रॉय चौधरी, सचिव डॉ.मनीष बलवानी तथा डॉ.सूरज गोदारा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में डॉ.संजय कोल्टे, डॉ.वत्सला त्रिवेदी, डॉ.राकेश जोशी, डॉ.विवेक कुटे, डॉ.विनियेंद्र पामेचा, डॉ.चिराग दोशी, डॉ.संदीप अट्टावर, डॉ.आशीष शर्मा, डॉ.सुब्रह्मण्यम अय्यर, डॉ.दिलीप दादा को अंग प्रत्यारोपण में उल्लेखनीय सेवा सम्मान मिला। डॉ.जॉर्जी अब्राहम, डॉ.रविंद्र सबनिस, डॉ.नारायण प्रसाद तथा डॉ.प्रीति मीना को ऑरेशन अवॉर्ड से नवाजा।

गोदाम निर्माण के लिए बड़े स्तर पर हो रहा भूमि का चिह्नीकरण

जयपुर (कासं)। राज्य में 2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत अन्य गतिविधियों के साथ ही भूमिविहीन सहकारी समितियों के लिए गोदाम निर्माण हेतु भूमि का चिह्नीकरण कर आवंटन करवाने की कार्यवाही भी एक प्रमुख गतिविधि के रूप में की जा रही है। अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में समितियों द्वारा भूमि चिह्नीकरण की कार्यवाही कर आवंटन के लिए आवेदन किया जा चुका है। भूमि आवंटन हो जाने से इन समितियों में गोदाम के निर्माण की राह प्रशस्त होगी, जिससे राज्य की भण्डारण क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी।

राज्य में ऐसी 1975 पैक्स एवं 42 केवीएसएस हैं, जो या तो भूमिविहीन हैं या फिर जिनके पास गोदाम निर्माण हेतु पर्याप्त भूमि नहीं है। अभियान के अंतर्गत पूरे मनोयोग से प्रयास कर अधिक से अधिक समितियों हेतु गोदाम निर्माण के लिए भूमि चिह्नीकरण कर आवंटन करवाने की कार्यवाही की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक 1,145 पैक्स एवं 22 केवीएसएस द्वारा भूमि चिह्नीकरण की कार्यवाही सम्पन्न की जा चुकी है। वहीं, 1,112 पैक्स एवं 26 केवीएसएस द्वारा भूमि का आवंटन करवाने के लिए आवेदन किया गया है। इन समितियों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया भी तेज गति से सम्पन्न करवाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही विश्व की वृहत् अन्न भण्डारण योजना के तहत देश में भण्डारण क्षमता में वृद्धि पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है जहां गोदाम निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा शत प्रतिशत अनुदान उपलब्ध करवाया जा रहा है। राज्य सरकार की इस नीति के चलते प्रदेश में सहकारी क्षेत्र में बड़े स्तर पर गोदामों का निर्माण हो रहा है। चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक राज्य की भण्डारण क्षमता में 1 लाख 61 हजार 500 मीट्रिक टन की वृद्धि का लक्ष्य है। अब अभियान के अंतर्गत भूमिविहीन समितियों को भी भूमि का आवंटन हो जाने से अधिक संख्या में गोदामों का निर्माण हो सकेगा, जिससे राज्य की भण्डारण क्षमता में तेजी से वृद्धि होगी।

हरमाड़ा क्षेत्र में 35 लाख रु. के गहने लूटकर फरार हुए बदमाश

जयपुर । हरमाड़ा इलाके में कमीशन पर काम करने वाले एजेंट से 35 लाख रुपए के गहने लूटने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एजेंट सोने के 5 हार लेकर ग्राहक बने लुटेरों को दिखाने गया था। बदमाशों ने पीड़ित को बातों में फंसाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने घटना के बाद पुलिस और मालिक को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और नाकेबंदी लगा दी गई है। बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रहे है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि हरमाड़ा थाना इलाके में शनिवार की शाम को पीड़ित रितेश वर्मा निवासी हरमाड़ा ने कंट्रोल रूम को सूचना दी कि वह हरमाड़ा इलाके में ज्वैलरी लेकर गया था। जहां उसके साथ लूट की वारदात हुई। सूचना मिलने पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और पीड़ित रितेश वर्मा से घटना को लेकर जानकारी ली, जिसके बाद पीड़ित द्वारा बताए गए घर की तलाशी ली और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। थानाधिकारी उदयसिंह यादव ने बताया कि पीड़ित रितेश वर्मा ने मामला दर्ज करवाया है कि पिछले कुछ दिनों से अमित जांगिड़ नाम का व्यक्ति उसे सोने के हार दिखाने के लिए बोल रहा था। जिस पर शनिवार को बाजार में अधिक काम नहीं होने के कारण वह सुबह ज्वेलर्स के यहां गया और 5 सोने के हार लेकर आरोपित द्वारा बताए गए पते बालाजी कॉलोनी में पहुंचा।

मौके पर अमित जांगिड़ मिला और वह उसे लेकर एक मकान में गया। जहां पर अमित और कुछ और लोग भी पहले से मौजूद थे। इन बदमाशों ने हार दिखाने के लिए कहा, जिसके बाद पीड़ित ने बैग में रखे हुए पांच हार निकाले और आरोपियों को दिखाना शुरू किया। इस दौरान आरोपित ने एक-एक हार की कीमत पूछी और पर्ची पर लिखना शुरू किया। कुछ देर में आरोपियों ने उससे कहा कि वह बैग छोड़कर यहां से चला जा। जिस पर पीड़ित ने उन्हें समझाया कि वह कमीशन पर काम करता है। लेकिन बदमाशों ने उसकी एक न सुनी और उसके साथ मारपीट करने लगे। जहां शोर-शराबा होने पर कॉलोनी के लोग एकत्रित हो गए। लोगों को एकत्रित होता देख कर बदमाश मौके से भाग निकले।

गांधी पथ पर 80 फीट रोड से हटाए अतिक्रमण

जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना में शनिवार को वैशाली नगर इलाके में गांधीपथ पश्चिम से लालरपुरा की ओर जा रही 80 फीट सेक्टर रोड सीमा में आ रहे स्थायी-अस्थायी अतिक्रमण ध्वस्त किए। उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देश पर जेडीए प्रशासन ने शनिवार को पृथ्वीराज नगर उत्तर क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। गांधीपथ पश्चिम, लालरपुरा 80 फीट सेक्टर रोड सीमा में आ रहे स्थाई-अस्थाई अतिक्रमणों जैसे दुकाने, मकान, चबूतरे, टीनशेड, बालकनी, बाउण्ड्रीवाल, गेट, जालियां तथा सीढ़ियों को जेसीबी मशीन और मजदूरों की मदद से हटाया गया। कुछ भू-स्वामियों और व्यापारियों ने स्वयं के स्तर पर अतिक्रमण हटा लिए। फोटो-राष्ट्रदूत

सार-समाचार

डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग 21 नवंबर से

जयपुर । डॉक्टर्स व उनके परिवारजनों के बीच लोकप्रिय डॉक्टर्स प्रीमियर लीग के सातवें सीजन का आगाज़ आगामी 21 नवंबर को होगा। यह लीग मैच स्पोफिट अकेडमी में 30 नवंबर तक खेले जाएंगे। डीबीएल संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि प्रतियोगिता का प्रारूप तैयार किया गया है, जिसमें पुरुष, महिला, किड्स वर्ग टीम इवेंट, दबंग और मलंग डबल्स, ट्रायो चैंपियन, बैडमिंटन जोडी ऑफ ईयर आयोजित की जायेगी। डीबीएल के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि पुरुष वर्ग के कॉर्डिनेटर डॉ. दिलीप गुप्ता, डॉ. श्रवण और डॉ. मनीष जैन होंगे व महिला वर्ग के कॉर्डिनेटर प्रेम चौधरी, डॉ. रश्मि डॉ.सतपाल यादव होंगे। बच्चों की प्रतियोगिता के कॉर्डिनेटर डॉ. निधि पुनिया व डॉ. नफीस होंगे। बॉयज़ केटेगरी के कॉर्डिनेटर डॉ. गजेंद्र सिंह और शंकर होंगे। आयोजन सचिव डॉ. हनुमान खोजा ने बताया कि इस बार नवाचार के रूप में प्रथम बार डीबीएल फ़न गेम्स का आयोजन किया जाएगा। साथ ही ट्रायो चैंपियनशिप व डीबीएल कपल ऑफ़ दि ईयर भी आयोजित की जाएगी। मोनिका शर्मा व डॉ अजित जैन इसके कॉर्डिनेटर होंगे । लीग के जॉइंट ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. सुधांशु शर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट के फॉर्मेट के अनुसार इसमें सीनियर टीम इवेन्ट जूनियर्स टीम इवेंट, किड्स टीम इवेंट हर साल की तरह आयोजित की जाएंगी । लीग कोर्डिनेटर डॉ. रवींद्र गोठवाल ने बताया कि ओपन इवेंट में डबल्स के दबंग, मलंग और लीजेंड्स कैटेगरी की प्रतियोगिता होगी । टूर्नामेंट के लिए प्रतियोगियों की प्रविष्टियां आमंत्रित कर ली गई हैं तथा 12 अक्टूबर को इस प्रतियोगिता के खिलाड़ियों के ट्रायल होंगे।

समारोह में किया वरिष्ठजनों का सम्मान

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के दिशा-निर्देश में वार्ड 25 के पार्षद सुरेश जांगिड़ द्वारा वरिष्ठ जन सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वार्ड के सभी वरिष्ठ नागरिकों एवं बड़े-बुजुर्गों का जय श्रीराम के दुपट्टे और भगवान श्रीराम के चित्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वरिष्ठजनों ने पार्षद सुरेश जांगिड़ को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके जनसेवा कार्यों की सराहना की। समारोह में सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश जे.पी.शर्मा, सेवानिवृत्त एडीपी के.के.जोशी, सुरेंद्र सिंह (सेवानिवृत्त डी.एस.ओ.), कल्याण दत्त शर्मा, देवकीनंदन, सज्जन सिंह, जगदीश कुमावत, वैद्य सत्यनारायण त्रिवेदी, बनवारी लाल, एस.एन. सोनी, रामगोपाल जांगिड़, सीताराम शर्मा (सेवानिवृत्त ए.ए.ओ.), जे.पी. अग्रवाल, कैलाश लता, सुरेश कुमार, बालचंद सैनी, कैलाश शर्मा एवं राजेंद्र पालीवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम में हरिओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने वरिष्ठजनों के सम्मान को समाज की सच्ची संस्कृति बताया और पार्षद सुरेश जांगिड़ के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की।

मंदिर लूटकांड के बदमाशों की परेड निकाली

जयपुर। माणकचौक थाना पुलिस ने बड़ी चौपड़ स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में हुई लूट के प्रयास की वारदात का खुलासा करने के बाद शनिवार को आरोपियों की पैदल परेड कराई। थानाधिकारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों को माणक चौक थाना से लेकर बड़ी चौपड़ स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर तक पैदल जुलूस के रूप में ले जाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। यह वही स्थान था, जहां 1 अक्टूबर को बदमाशों ने चोरी और लूट का प्रयास किया था। पुलिस ने जिन आरोपियों को पकड़ा है, उनके नाम मुईनुद्दीन, इकराम, अफसार उर्फ आधा किलो और अयाज बताए गए हैं। बाजार में जब पुलिस बदमाशों को पैदल लेकर पहुंची तो देखने वालों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस के इस कदम की खुले दिल से सराहना की और कहा कि ऐसे कड़े कदम अपराधियों में कानून का भय बढ़ाते है। थानाधिकारी ख्यालिया ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और उनके अन्य आपराधिक मामलों की भी जांच जारी है।

सीकर रोड पर लाइटिंग आज से

जयपुर । दीपोत्सव के उपलक्ष्य में सीकर रोड व्यापार महासंघ द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य लाइटिंग, सजावट एवं प्रवेश द्वार का सुंदर निर्माण किया गया है। इस विशेष आयोजन का शुभारंभ रविवार शाम 6:30 बजे उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा किया जाएगा। महासंघ के अध्यक्ष दिनेश मित्तल ने बताया कि इस बार दीपावली को लेकर सीकर रोड को विशेष रूप से सजाया गया है। चोमू पुलिया से लेकर 14 नंबर तक पूरी सड़क को रंग-बिरंगी आकर्षक लाइटों, झिलमिल सजावटों और पारंपरिक दीपों की श्रृंखलाओं से रोशन किया गया है। जगह-जगह आकर्षक सेल्फी पॉइंट्स, पारंपरिक स्वागत द्वार और झिलमिलाती झालरों से पूरा मार्ग एक उत्सवमय दृश्य प्रस्तुत कर रहा है।

टांक महिला क्लब में करवा चौथ का उत्सव

जयपुर । टांक महिला क्लब की ओर से करवा चौथ का त्योहार जवाहर सर्किल के पास गोकुल वाटिका मनाया गया। सभी महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों से पूजा-अर्चना कर चौथ माता की कथा सुनी। सभी महिलाएं सज सवर कर शाम को चांद देख पूजा की। चांद देख पानी का अग्र देकर पूजा संपन्न की इसी के साथ पति की लंबी उम्र की कामना की। महिलाओं ने गेम्स खेले, कैटवॉक किया और एक-दूसरे को बधाइयां दीं। क्लब के सदस्य मंजुला,अंजना ,ममता, आस्था, मुस्कान टाक ने बताया कि करवा चौथ का व्रत सिर्फ धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार, आस्था और विश्वास का प्रतीक है। क्लब की सभी महिलाओं ने बताया कि वे हर त्योहार को इसी तरह एक साथ मनाती हैं।

परिचय सम्मेलन 16 नवम्बर को

जयपुर, (कासं)। राजस्थान ब्राह्मण महासभा का प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन 16 नवम्बर 2025 को ब्रज किरण कन्या छात्रावास सेक्टर-3, मालवीय नगर जयपुर में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जायेगा। परिचय सम्मेलन को लेकर मोती डूंगरी गणेशजी को निमंत्रित किया गया। इस दौरान प्रदेश एवं जयपुर महानगर पदाधिकारियों सहित जयपुर शहर के सभी इकाई अध्यक्ष मौजूद रहे। परिचय सम्मेलन के संयोजक हनुमान सहाय शर्मा ने बताया कि पंजीयन फार्म प्रदेश फदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्षों सहित जयपुर में म.न. 106 प्रेमनगर आगरा रोड जयपुर में सुबह 8 से 11 बजे तक तथा ब्रज किरण कन्या छात्रावास सेक्टर-3, मालवीय नगर जयपुर में सायं 2 से 5 बजे तक फार्म प्राप्त किये जा सकते हैं। परिचय सम्मेलन में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन फार्म 5 नवम्बर तक भरकर कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य है।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
SUNDAY
12 October 2025
A-B

Celebrate the Power of Saving

National Savings Day, observed on October 12, is dedicated to promoting financial awareness and responsible money management. The day emphasizes the importance of cultivating a habit of saving, making informed investments, and planning for both short-term goals and long-term security. From encouraging children to understand the value of money to guiding adults in retirement planning, National Savings Day highlights that even small, consistent savings can grow into substantial financial stability. Banks and financial institutions often run campaigns and special schemes to inspire people, reminding everyone that disciplined saving is key to a secure and prosperous future.

#MEASURES

Karat And Carat

The Origins and Evolution of the Word 'Karat'

The word 'karat' is widely recognized today as a measure of the purity of gold or, alternatively, the weight of gemstones (spelled 'carat' in that context). While the term is commonly used in the jewelry and precious metals industries, its history is rich and steeped in ancient trade, linguistic evolution, and practical measurement systems.

The Ancient Roots: Carob Seeds as a Natural Measure

The origin of the word *karat* can be traced back to the ancient Mediterranean world. It derives from the Greek word kerátion, which means 'carob seed.' The carob tree produces small, hard seeds that were prized for their remarkable consistency in size and weight. Because of this uniformity, carob seeds became an ideal natural standard for weighing small quantities, especially precious materials like gold and gemstones. Ancient traders and merchants needed reliable ways to measure tiny amounts accurately, especially when dealing with valuable commodities. The use of carob seeds as a reference unit made it easier to establish fair and consistent trade practices. The concept of using a seed as a weight standard was practical and ingenious, nature providing a ready-made 'weight' that was fairly uniform worldwide.

Transition Through Languages: From Greek to Arabic

As trade routes expanded, especially during the medieval period, the concept and term spread beyond Greek-speaking regions. Arabic merchants, who were pivotal players in global trade networks spanning Europe, Africa, and Asia, adopted the term as qirat. In the Arabic language, qirat not only continued to denote a unit of weight but also became intricately linked with the measurement of precious metals and stones.

The Arabic influence is crucial because it helped transmit the term to European traders and jewelers through the Silk Road and Mediterranean trading hubs. This linguistic journey reflects how interconnected ancient civilizations were, sharing knowledge and commerce.

Modern Usage: *Karat* as a Measure of Gold Purity

Today, the term *karat* is predominantly used to describe the purity of gold. Pure gold is defined as 24 karats, indicating that all 24 parts out of 24 are pure gold, essentially 100% gold content. Gold that is less than 24 karats contains alloys mixed in to enhance its hardness and durability, since pure gold is soft and malleable.

For example, 18-karat gold consists of 18 parts gold and 6 parts other metals (usually copper or silver), making it 75% pure gold. Similarly, 14-karat gold is 14 parts gold and 10 parts other metals, about 58.3% pure. This system allows jewellers and consumers to easily understand and compare the quality and value of gold items.

Karat vs. Carat: Two Sides of the Same Coin

Though related, the words *karat* and *carat* have evolved to represent different concepts in the jewelry industry. While 'karat' is used to measure gold purity, 'carat' is the international unit for weighing gemstones. One carat equals 200 milligrams (0.2 grams). Despite their slightly different spellings and uses, both terms share the same etymological root and historical background. This dual use highlights the fascinating ways language adapts and specializes in different professional fields.

A Word with a Global Legacy

The word *karat* has journeyed from ancient Greek traders using carob seeds to weigh gold, through Arabic merchants spreading the term across continents, to today's global jewelry markets where it serves as a universal standard of purity. This evolution mirrors the history of trade, cultural exchange, and scientific standardization. Understanding the origins of 'karat' enriches our appreciation not only of language but also of the intricate systems developed to measure and value precious materials. Whether you are buying gold jewelry or gemstones, the term 'karat' carries with it centuries of human ingenuity and cross-cultural connection.

The Magical T-reg cells

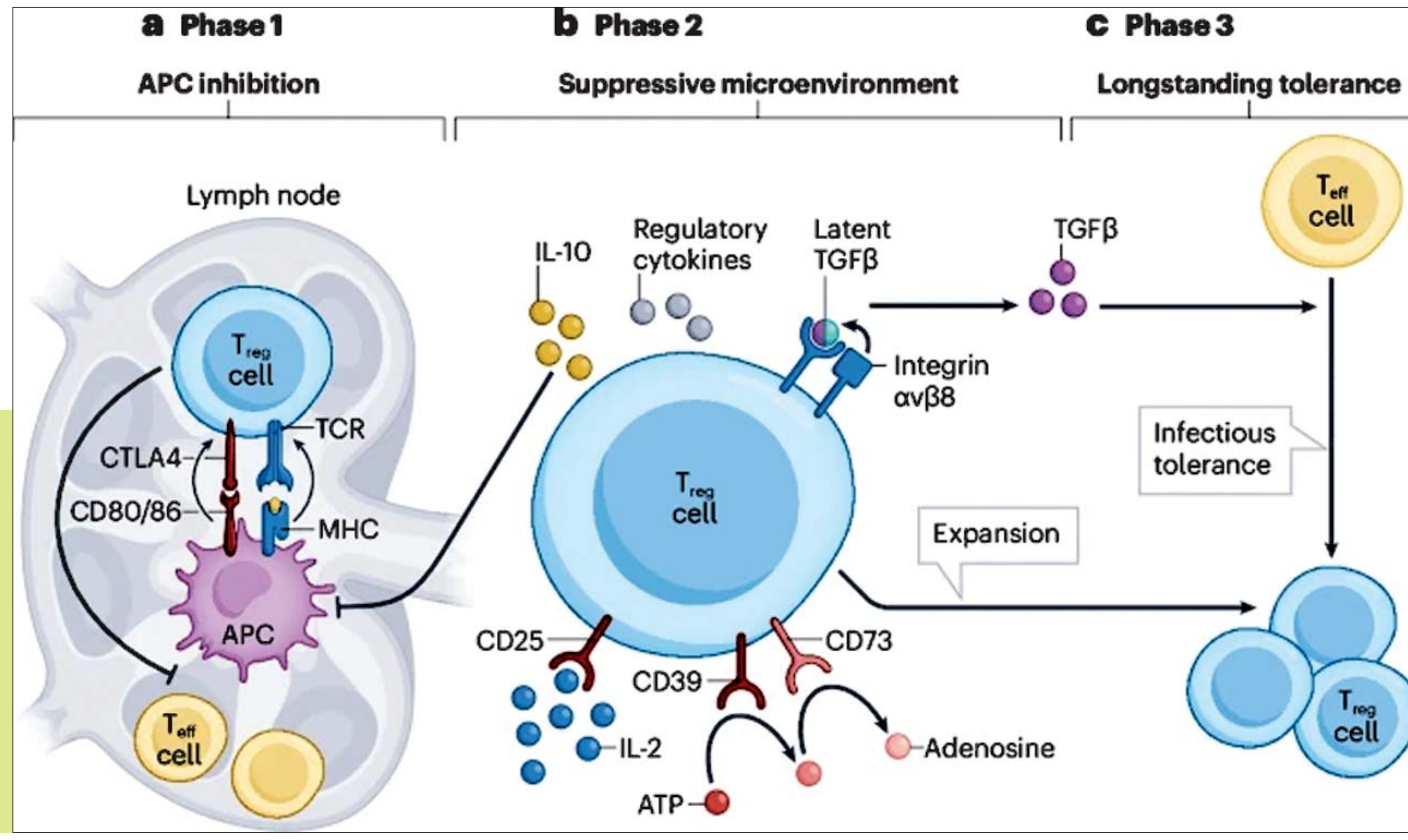

If successful, these therapies could be a game-changer. Instead of broadly suppressing the entire immune system (which current drugs do, leaving autoimmune patients vulnerable to infections), this approach offers a highly targeted way to restore the immune balance, potentially leading to a long-term cure or remission. Imagine how all these patients either will not require any medicines or an immensely reduced medication load (No insulin, oral anti-diabetic agents). For cancer, the goal is the opposite of what it is for autoimmunity: researchers want to temporarily deactivate or remove the T-regs near the tumor. Thus, by moving the 'security guards' out of the way, the immune system's main 'fighting' T cells (which destroy the cancer) are unleashed, making immunotherapy much more effective.

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

I always look forward to the Nobel Prize Awards that are usually announced in the first week of October. They are an insight on some of the amazing works that is being done in different fields of science and literature. The Nobel Peace Prize, on the other hand, is mostly a political decision and often controversial and not acceptable to the people at large, the lesser said about it the better!

The Nobel Prize given in Physiology and Medicine is of great import. This year (2025), the work by Mary E. Brunkow, Fred Ramsdell, and Shimon Sakaguchi on regulatory T cells (T-regs), the immune system's 'security guards,' is directly relevant to managing patients with both overactive (autoimmune) and underactive (low immunity) immune systems.

Let me try and explain the relevance of this profound piece of research. The discovery of peripheral immune tolerance is of major clinical importance and is actively being translated into treatments. If the transition is successful, it will be a great boon for millions of patients besides reducing the cost of healthcare in a big way.

Let us begin with its use in autoimmune diseases (overactive immunity).

In diseases like Type 1 Diabetes,

Researchers are figuring out how to increase the number or enhance the function of T-regs in patients. In the near future, these regimens will bring forth immense relief to a huge number of patients.This involves taking a patient's own T-regs, multiplying them in a lab, training them to target the specific area under attack (e.g., the pancreas in Type 1 Diabetes, Joints in Rheumatoid arthritis) and then injecting them back into the patient.

Rheumatoid Arthritis and Lupus, the T-reg 'security guards' are either too few or not doing their job properly. As a result, the rest of the immune army attacks the body's healthy tissues. This brings about alarming changes in the body requiring a large armamentarium of drugs.

This Nobel-winning discovery provides a direct target for new drugs by boosting the 'Security Guards.' Researchers are figuring out how to increase the number or enhance the function of T-regs in patients. In the near future, these regimens will bring forth immense relief to a huge number of patients.

This involves taking a patient's own T-regs, multiplying them in a lab, training them to target the specific area under attack (e.g., the pancreas in Type 1 Diabetes, Joints in Rheumatoid arthritis) and then injecting them back into the patient.

If successful, these therapies could be a game-changer. Instead of broadly suppressing the entire immune system (which current

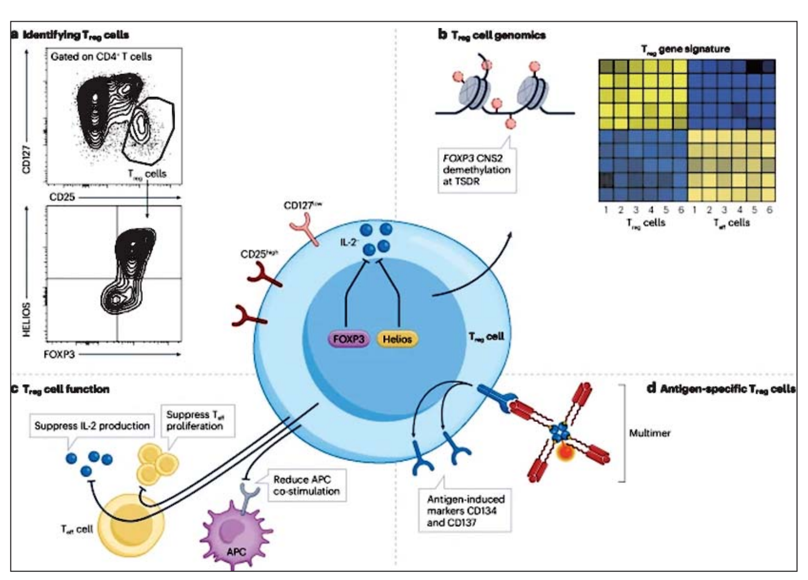

#THE NOBEL

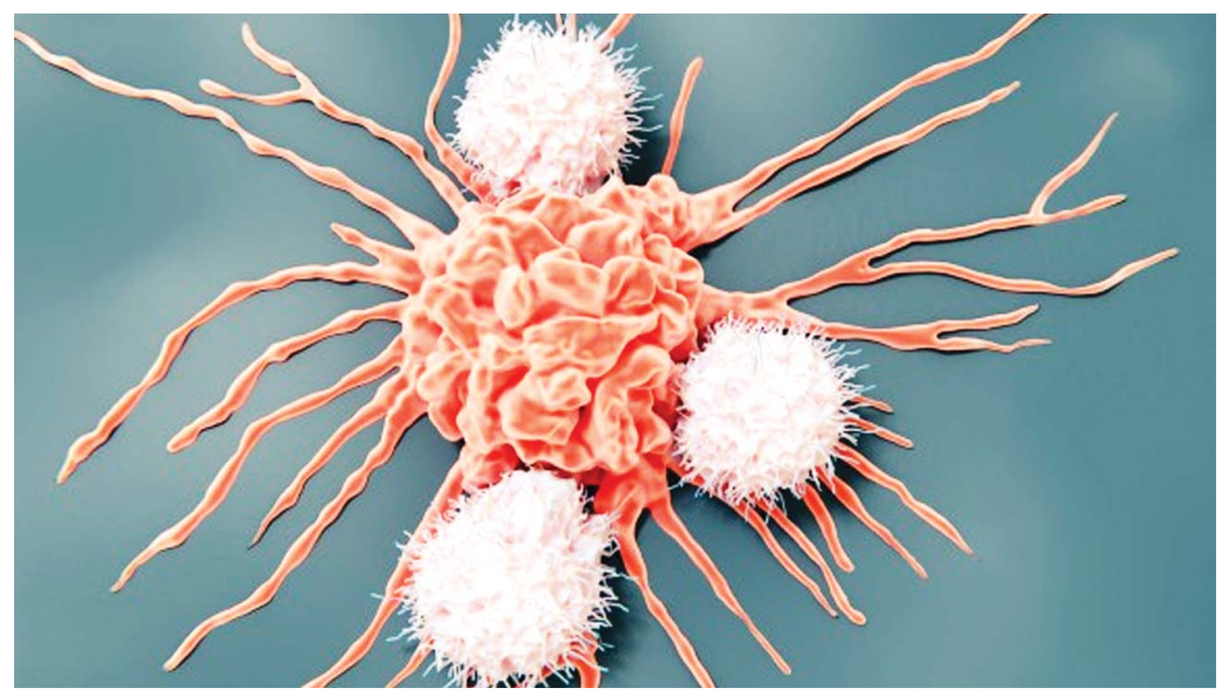

Regulatory T cells in cancer immunosuppression.

drugs do, leaving patients vulnerable to infections), this approach offers a highly targeted way to restore the immune balance, potentially leading to a long-term cure or remission.

Imagine how all these patients either will not require any medicines or an immensely reduced medication load (No insulin, oral anti-diabetic agents).

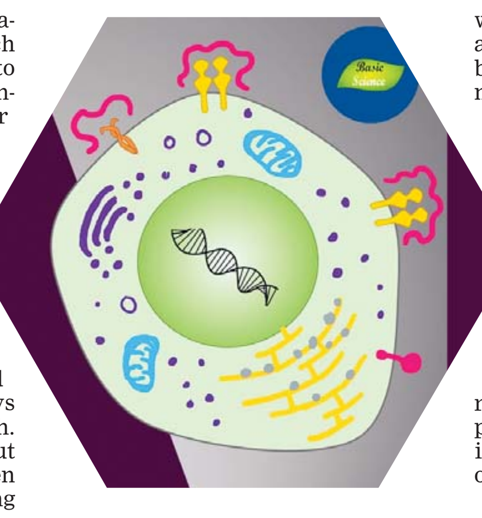

My mother was an extremely healthy lady. She was in her forties when she decided to do a pilgrimage to Kedarnath and Badrinath. It was in those days when the trek began at Rishikesh. She walked all the way doing about fourteen miles in a day. Just ten years later, she began complaining of joint pains. It was diagnosed as Rheumatoid Arthritis (an autoimmune disease). Her treatment began with Aspirin in large doses. Her stomach reacted to it and she would often vomit blood. She was then shifted to more sophisticated drugs like Brufen. Gradually, she had visible joint involvement, and in a period of two painful decades, she was wheelchair bound and later bed-ridden. The number of medicines kept increasing and the condition continued to worsen. If therapeutically lab-produced T-reg cells could have been available, then, the last thirty years of her life would have been different. Most people are aware that Amitabh Bachchan has a number of maladies. Some of them begin with the time when he was treated for his life-threatening abdominal injury while shooting the movie 'Coolie.' One of his conditions, which is extremely debilitating, is Myasthenia Gravis. For this, he is on a strict medical regimen and still has to take many breaks in his work as his muscles begin to sag and even his eyelids droop. It will be possible for patients like him to benefit immensely if the T-Reg cells can give him a targeted therapy. He would then become more active and also get released from a large number of medicines that he takes at the moment.

Organ transplantation is now becoming common. The major problem of rejection is essentially a form of severe autoimmune attack on the new organ.

The clinical solution would require T-regs being developed to help the recipient's body accept the new organ.

The approach is similar to treating autoimmune disease. T-regs can be given to the transplant patient to specifically calm the immune response against the donor organ.

The hope is that it will then reduce or eliminate the need for powerful immuno-suppressive drugs (this is an extremely expensive and debilitating situation), which all transplant patients currently take for life. These drugs have severe side effects, including increased risk of cancer and infection. T-reg therapy could allow patients to keep their new organ while maintaining a healthy, functional immune system elsewhere in the body. In the long run, it has huge economic angles, the number of hospital visits and stay will reduce considerably. Large number of bed space will be freed to take on greater

Low immunity (Chemotherapy/Bone marrow disease) is an area where the discovery is least directly applied right now. T-regs are peacekeepers, they don't boost a weakened immune system. The discovery helps us understand the entire T cell family. For patients with a weak immune system (like after intensive chemotherapy or in bone marrow failure), the primary goal is to rebuild the total number of immune cells.

number of patients waiting for admission.

While T-regs are good for preventing autoimmunity, their effect on cancer and low immunity is more nuanced.

Cancer cells exploit the T-regs! Tumors often recruit lots of T-regs to their location, creating an 'immune-privileged' zone where the security guards prevent the rest of the immune army from attacking the cancer.

So, for cancer, the goal is the opposite of what it is for autoimmunity: researchers want to temporarily deactivate or remove the T-regs near the tumor. Thus, by moving the 'security guards' out of the way, the immune system's main 'fighting' T cells (which destroy the cancer) are unleashed, making immunotherapy much more effective.

Those of us who have seen cancer patients during their chemotherapy and radiation will have seen the utter breakdown of their systems. They lose their appetite and energy. Loss of hair and generally debilitating condition is easy to see. In medical parlance, the treatment aims to bring the patient to 'the brink of death' and then bring them back to good health. This is the only way all cancer can be destroyed at the cost of destroying a huge amount of normal tissue!

Low immunity (Chemotherapy/Bone marrow disease) is an area where the discovery is least directly applied right now. T-regs are peacekeepers, they don't boost a weakened immune system. The discovery helps us understand the entire T cell family. For patients with a weak immune system (like after intensive chemotherapy or in bone marrow failure), the primary goal is to rebuild the total number of immune cells. Understanding how the FOXP3 gene controls T-reg development contributes to the overall knowledge base that helps scientists successfully grow and manage all immune cells in the lab for therapies like stem cell transplants, which is the main aim today.

In summary, this Nobel Prize is not just recognising a piece of esoteric basic science, it's highlighting the discovery of a master control mechanism in the immune system. This will provide direct, practical targets for a new generation of sophisticated, highly specific therapies for many of humanity's most debilitating diseases.

Of course, the clinical applications are going to be difficult. But the generation of targeted T-reg cells in the laboratory is certainly a possibility. It would then be possible to have miraculous changes in the management of many conditions.

Utopia is not far away!

rajeshsharma1049@gmail.com

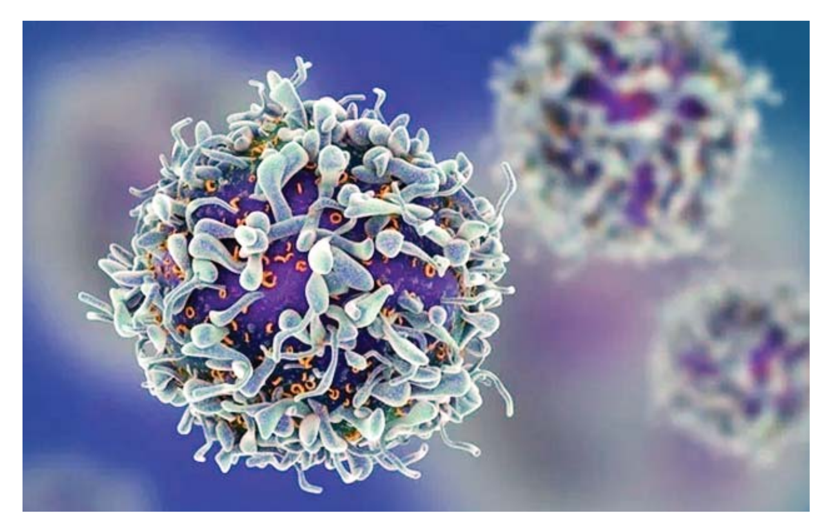

Regulatory T cells exist as large, mobile population that travels through body to repair damaged tissue.

#CHOICE

A Dog's Earth Connect

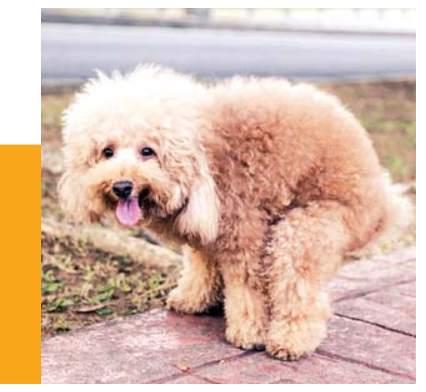

The Mystery, of why Dogs circle before Pooping, has been solved

If you've ever owned or spent time with a dog, you've likely noticed a curious behavior: before pooping, dogs often spin around in circles, sometimes multiple times, before finally settling down. This quirky habit has baffled pet owners and animal lovers for generations. Why do dogs feel the need to circle? Is it just a random behavior, or is there a deeper, instinctual reason behind it? For many years, dog owners have offered theories, ranging from dogs trying to flatten the grass or dirt to them simply being picky about where they relieve themselves. However, until recently, there wasn't a clear scientific explanation for this behavior. That mystery has now been cracked, thanks to fascinating new research revealing that dogs may be using the Earth's magnetic field to guide them during their bathroom routine.

Dogs and Earth's Magnetic Field: A Surprising Connection

A study published by researchers, who observed a number of dogs in natural settings over an extended period, discovered something remarkable. They found that dogs tend to align their bodies along the north-south axis when they poop, avoiding an east-west alignment. In other words, dogs prefer to face either north or south while relieving themselves.

Before settling down to poop, dogs walk in circles, likely as a way to find the perfect magnetic alignment. This behavior isn't just random pacing but a precise and deliberate search for the right direction.

This discovery suggests that dogs are sensitive to the Earth's magnetic field, a natural compass that many animals use for navigation. Birds, turtles, and even some mammals are known to rely on this magnetic sense to migrate or orient themselves. Dogs, it appears, also have this magnetic sensitivity, which manifests in a subtle but consistent behavior during a vulnerable moment.

Why Does This Magnetic Alignment Matter?

The instinct to align with the Earth's magnetic field likely dates back to dogs' wild ancestors. In the wild, animals are vulnerable when they pause to relieve themselves. Being aligned in a certain way could help them remain alert, maintain better spatial awareness, or avoid facing potential dangers. Additionally, some scientists suggest that this magnetic alignment might help dogs mark their territory more effectively. Since dogs use scent markings to communicate with other animals, the orientation of their body could influence how their scent is dispersed by the wind.

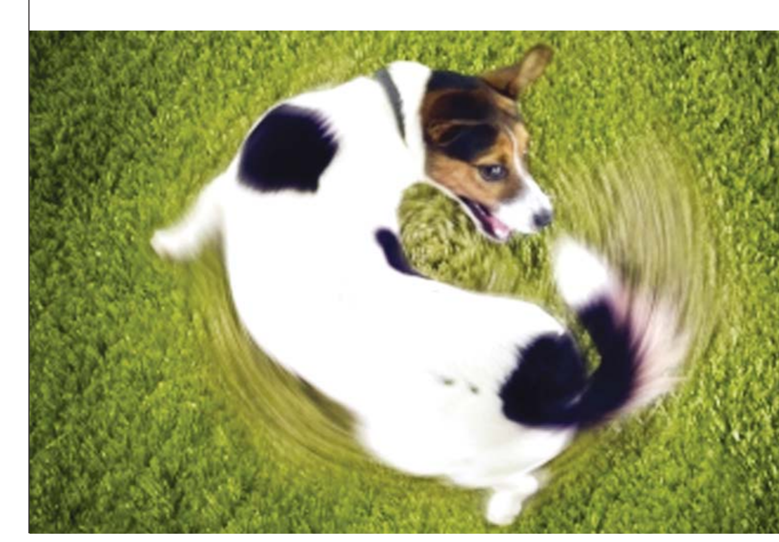

The Role of Circling Beyond Magnetic Alignment

While magnetic alignment explains the direction dogs choose, the act of circling itself may serve several practical purposes. Before pooping, dogs often turn in circles to trample down tall grass or vegetation, creating a comfortable, clean spot. Circling also allows them to scan their surroundings to ensure safety from predators or threats.

This instinctual behavior is thought to be inherited from their wild ancestors, such as wolves, who needed to be cautious during moments of vulnerability. Even though domestic dogs live in much safer environments, many of these natural instincts remain embedded in their behavior.

What This Means for Dog Owners

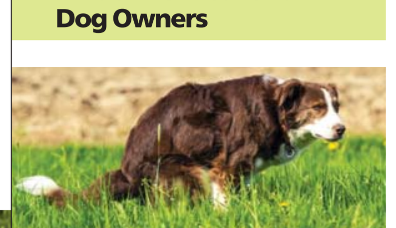

For dog owners, understanding why dogs circle before pooping helps appreciate how deeply connected dogs are to nature, even today. The next time your dog starts circling in what seems like an endless loop, remember they're not just being quirky, they're following an ancient instinct rooted in the natural world. This newfound understanding also reminds us how much dogs rely on senses humans don't fully experience, such as magnetic sensitivity. It's a fascinating glimpse into the complexity of animal behavior and the subtle ways animals interact with their environment.

THE WALL

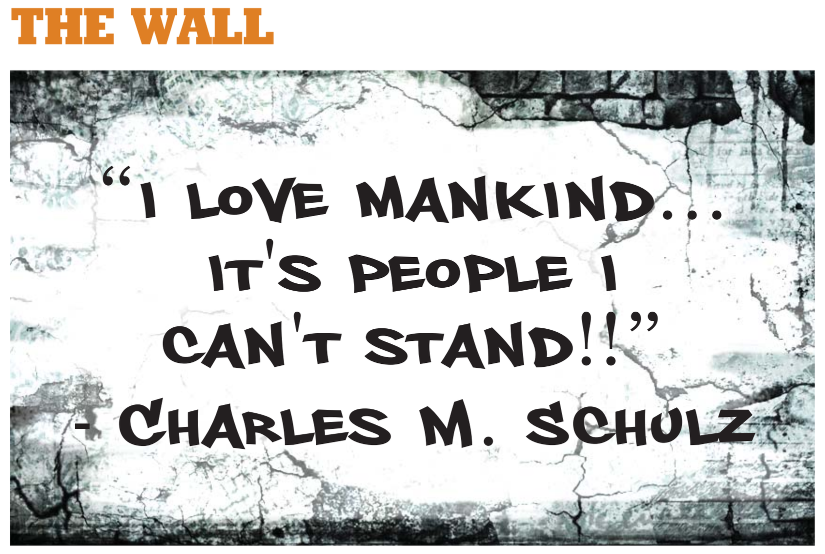

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

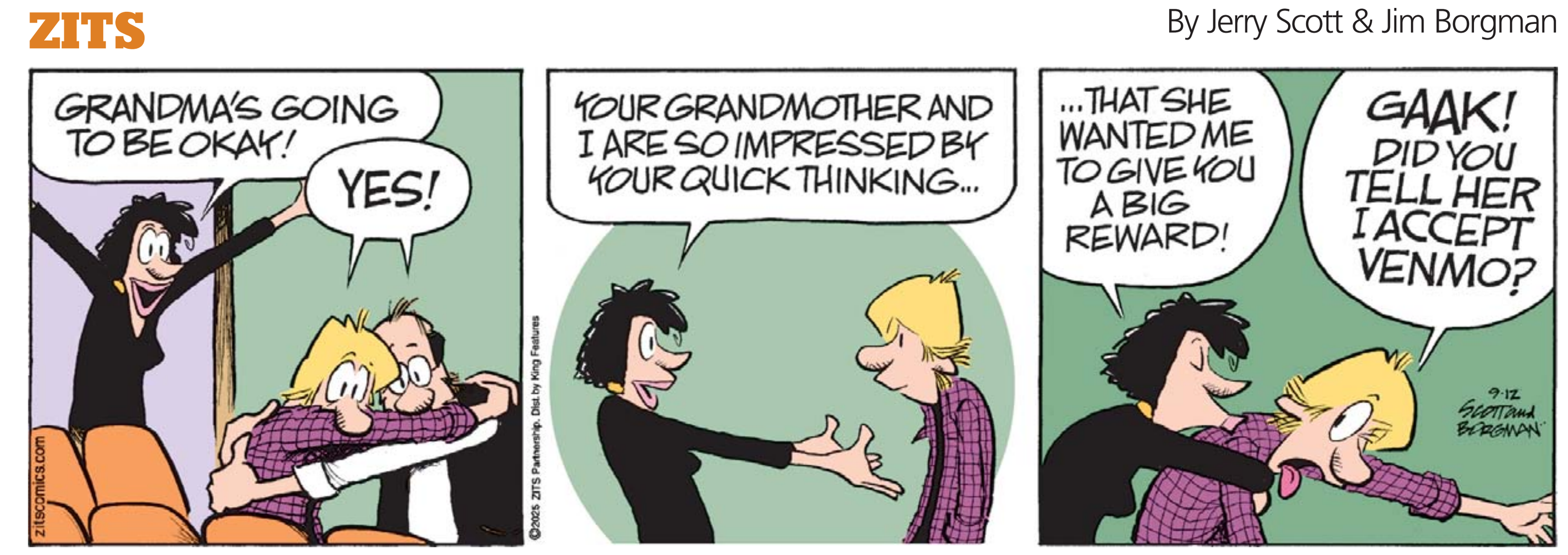

संक्षिप्त

शिविर में 250 लोगों की जांच

भरतपुर (निस)। लायंस क्लब भरतपुर द्वारा बिहारी जी मंदिर किला भरतपुर में साप्ताहिक सेवा के तहत डायविटीज चौकअप कैम्प लगाया जिसमें 250 व्यक्तियों की डायविटीज चौक की गई। सं्योजक लोकेश सिंघल, क्लब अध्यक्ष भारत अठावाल, सेक्रेटरी सत्यदेव आर्य, कोषाध्यक्ष धवल व्यास द्वारा डायविटीज से बचने के टिप्स दिये व बतलाया कि नियमित सुबह घूमना व मण्डूक आसन 30 मिनट करने से इससे छुटकारा पाया जा सकता है एवं तीन चीज सफेद मैदा, चीनी, नमक का सेवन नहीं करने की सलाह दी। कार्यक्रम में महेन्द्र गोठी, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, मनोज झालानी, गोपाल सिंघल, हरीशंकर गोयल, लोकेश सिंघल, विनोद मंगल, सीमा मंगल, भारत अठावाल, सत्यदेव आर्य, धवल व्यास, राजकुमार तिलकधारी, विनोद गर्ग, शिवदत्त तेनगुरिया आदि मौजूद रहे।

ट्यूबवेल के करंट से युवक की मौत

टोंक। मेहंदवास थाना क्षेत्र के ग्राम लवादर में ट्यूबवेल ठीक करते समय एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई तथा उसका साथी गंभीर रूप से झुलस गया। मेहंदवास क्षेत्र के लवादर गांव में सार्वजनिक ट्यूबवेल गत दिनों खराब हो गई थी, जिसे दुरुस्त करने के लिए शनिवार दोपहर को टेक्नीशियन रेहान पुत्र आबिद उम्र 25 साल निवासी अजीमुल्ल बजाज का कुआं काली पलटन टोंक एवं करीमुद्दीन पुत्र अजीमुद्दीन उम्र 20 साल निवासी मालपुरा गेट पुरानी टोंक ठीक करने गांव गए थे। इस दौरान ठीक करते समय दोनों करंट की चपेट में आ गए, जिससे रेहान पुत्र आबिद की मौके पर ही मौत हो गई तथा उसका साथी करीमुद्दीन भी करन्ट से झुलस गया। बाद में मौके पर आये ग्रामीणो ने उन्हे निजी वाहन से सआदत अस्पताल टोंक लेकर आए, जहां डॉक्टर ने रेहान को मृत घोषित कर दिया, जबकि करीमुद्दीन को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर के दिया।

दीवाली से पहले जगमग हुई सड़कें

पावटा। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में शनिवार को सीसी रोड निर्माण कार्यों व स्ट्रीट लाइटों का शिलान्यास विधायक कुलदीप धनकड ने किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों की उपस्थिति में विधिवत पूजन-अर्चन कर व फीता काटकर निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। विधायक कुलदीप धनकड ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और विकास की रफ्तार तेज़ी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हर पंचायत में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने का कार्य प्राथमिकता पर किया जा रहा है। वही विधायक धनकड़ व प्रतिनिधि आशीष धनकड़ ने पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र व विराटनगर क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों का उद्घाटन किया गया। इस दौरान विधायक कुलदीप धनकड व प्रतिनिधि आशीष धनकड ने कहा कि क्षेत्र में इन स्ट्रीट लाइटों को लगाने का उद्देश्य न केवल शहरों को रोशन करना है, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा, ऊर्जा की बचत और यातायात व्यवस्था को भी बेहतर बनाना है। अच्छी स्ट्रीट लाइटिंग रात के समय होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने में भी मदद करती है। सड़कों पर पर्याप्त रोशनी होने से पैदल चलने वाले और वाहन चालक दोनों ही खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं।

टोंक में सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते 6 आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह भाटी के निर्देशन में पुलिस उप-अधीक्षक निवाई मृत्युन्जय मिश्रा व निवाई थानाधिकारी द्वारा गठित टीम ने अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं लॉकल एवं माईनर एक्ट अभियान के दौरान कार्यवाही करते हुए निवाई क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर जुआं एवं सट्टा खेलते आरोपी राजु लाल पुत्र नरेन्द्र कुमार जैन उम 30 साल, सुरेश मीणा पुत्र रतनलाल मीणा उम्र 27 साल, रामनिवास मीणा पुत्र लक्ष्मण मीणा उम्र 25 साल, बजरंगलाल पुत्र फेलीराम मीणा उम्र 25 साल, शकील खान पुत्र रमजान खां उम्र 40 साल व नाथूलाल पुत्र रामप्रसाद रेगर उम्र 34 साल को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नगद 6 हजार रूपये की जुआ राशि जप्त कर प्रकरण दर्ज किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह भाटी के निर्देशन में पुलिस उप-अधीक्षक निवाई मृत्युन्जय मिश्रा व निवाई थानाधिकारी द्वारा गठित टीम ने कार्रवाई की।

■ पुलिस ने छह हजार रुपये जुआ की राशि बरामद की

भतीजे की हत्या : देवली उपखंड के घाड़ थाना क्षेत्र के बेलहडी गांव में शुक्रवार रात को हुई हत्याकाण्ड के बाद क्षैत्र में सनसनी फैल गई, घटना में चाचा ने अपने ही भतीजे की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसके बाद चाचा ने भतीजे सुरेश कुमार गुर्जर उम्र 30 साल को खुद के घर पर चाय पीने के बहाने बुलाया और कुल्हाड़ी से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे सुरेश की हत्या हो गई। मृतक के भाई मनराज गुर्जर ने बताया कि उनका अपने चाचा से खेत की मेड़बंदी को लेकर 8-10 दिन पहले विवाद चल रहा था, बाद में जिसे सुलझा लिया गया था। इसी मामले को लेकर मंगलवार को चाची लक्ष्मी ने सुरेश और मनराज के खिलाफ घाड़ थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी। जिस पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता करवा दिया था। बाद में सन्तुष्ट ना होने पर चाचा रामेश्वर ने शुक्रवार को सुरेश को चाय पिलाने के लिए घर पर बुला लिया तथा इस दौरान घर में उनके परिवार के बाबूलाल, छोटू, महाराज, सोनू और उसकी पत्नी लक्ष्मी घर पर मौजूद थे।

सार-समाचार

महिलाओं ने व्रत रखा

पावटा। शुक्रवार को करवा चौथ व्रत के माध्यम से धरती के चांद ने निराजली व्रत रहकर आसमान के चांद का दीदार किया और फिर अपने पति रूपी सूर्य की सलामती के लिए मंगलकामनाएं की। सुहागिनों का बहुप्रतीक्षित निर्जला करवा चौथ का व्रत रखकर पति की सलामती एवं उन्नित की कामना की। शाम को चांद निकलने से पहले पूजन-अर्चन किया और चंद्र दर्शन के बाद सुहागिनों ने व्रत तोड़ा और पति व अपने बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त किया। बुधवार को जब तक गंगा-जमुना में पानी रहे, तब तक मेरे सजना की जिंदगानी रहें कि कामना के साथ सुहागिनों ने अपने सुहाग की लम्बी उम्र के लिए व्रत रखा। करवा चौथ पर सुहागिनों ने रंग-बिरंगे परिधान पहन, आभूषण पहनकर तथा विविध प्रकार के श्रृंगार कर जोड़े में करवा की पूजा की। चौथ के दिन करवा की पूजा सुहागिनें अकेली नहीं कर सकती हैं। दो सुहागिनें आपस में करवा बदलती हैं और देवी से अपने अखंड सुहाग की रक्षा के लिए उनका पूजन अर्चन करती हैं। करवा चौथ का व्रत रख रही महिलाओं का मानना है कि करवा चौथ पर चंद्रमा उदय होने के बाद सुहागिनें इनकी विधि विधान से पूजा अर्चना करती हैं तथा छलनी से चांद का दीदार करती हैं। उनका कहना है कि इसके बाद व्रत तोड़ते हुए पति के हाथों से ही जल और फल ठाहण करती हैं। बाद में करवा चौथ के अवसर पर तैयार विविध व्यंजन खाती हैं। करवा चौथ पर महिलाओं ने परंपरा के अनुसार सुबह श्री गणेश भगवान, शिवजी एवं मां पार्वती की पूजा की। महिलाओं का मानना है कि इससे अखंड सौभाग्य, यश एवं कीर्ति की प्राप्ति होती है। सुहागिनों ने चंद्रमा की पूजा के बाद पति को प्रणाम किया, जिस के बदले पति ने अपनी पत्नी को आशीर्वाद दिया। पतियों ने पत्नी को जल पिलाकर व मिष्ठान खिलाकर आशीर्वाद देने के साथ उपहार भी दिये।

एनएसयूआई ने विरोध मार्च निकाला

सांभरझील, (निसं)। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ की गिरफ्तारी को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं ने पृथ्वीराज सर्किल से तहसील कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। कार्यकर्ताओं ने उनकी गिरफ्तारी को कानूनी संवत नहीं बताते हुए तुरंत रिहा किए जाने की मांग रखी। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा छात्र नेता विनोद जाखड़ जी और उनके साथियों को राजनीतिक द्वेषता के चलते जेल में बंद रखा गया है, जो पूरी तरह से लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। सभी ने सामूहिकता के साथ राज्यपाल के नाम तहसीदार को ज्ञापन दिया। युवाओं की बुलंद आवाज़ विनोद जाखड़ की न्यायपूर्ण रिहाई की मांग को लेकर पूरे जोश और अनुशासन के साथ रखी गई। हालांकि कार्यकर्ताओं ने चेताया कि यदि जल्द ही उनकी रिहाई नहीं होगी तो एनएसयूआई प्रदेशभर में जनआंदोलन छेड़ेगी। इस मौके पर प्रदेश महासचिव भवनेश गुर्जर, मुकेश नारानिया, रामेश्वर चौधरी, रमेश चौधरी, असलम खान, सुनील वर्मा, जिशान खान, शाबीर खान, अल्ताफ़ खान सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

400 मीटर दौड़ में पंकज सिंह प्रथम

डीग भरतपुर (निस)। डीग के गांव गिरसै के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल प्रांगण में शनिवार को मेरा भारत केंद्र भरतपुर और राजीव गांधी यूथ क्लब संस्थान गिरसै के संयुक्त तत्वाधान में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानाचार्य राजकुमार कर्दम की अध्यक्षता में किया गया जिसमें 400 मीटर की दौड में पंकज सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक शिक्षा अधिकारी तारा सिंह सिनसिनवार ने इस अवसर पर खेलों को बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक बताते हुए कहा कि खेलों से बच्चों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भावना और अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स के ठााम विकास के संभाग संयोजक हरिशंकर सनातनी ने कहा कि बच्चों के जीवन में शिक्षा के साथ-साथ खेलों का अपना महत्व है इसलिए ठाामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं को निखारने के लिए अधिक से अधिक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी चाहिए। इस अवसर पर दौड़ 400/मी पुरुष वर्ग में पंकज सिंह बंधा चौथ प्रथम, पुष्पेंद्र बहताना द्वितीय, निखिल गिरसे तृतीय स्थान पर रहे , 100 मीटर की बालिका वर्ग में पूनम गिरसै प्रथम ,सीमा द्वितीय , भारती तृतीय , 200/ मी पुरुष वर्ग में विश्वेंद्र प्रथम, जगवीर द्वितीय और रॉकी तृतीय तथा 200 मी महिला वर्ग में मोनिका प्रथम संजना द्वितीय और गायत्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में कठैरा यूथ क्लब की टीम प्रथम तथा गिरसे युवा मंडल की टीम तृतीय स्थान पर रही। महिला वर्ग में कबड्डी में गिरसै की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश गिरसै ने कहा कि खेल भाईचारा और अनुशासन टीम,वर्क करने का माध्यम है। सभी उम्र के व्यक्तियों को अपने-अपने हिसाब से खेल कूद में जरूर हिस्सा लेना चाहिए।

दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ

भरतपुर (निस)। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में आयोजित की जा रही राज्यस्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतिम लीग मैच में भरतपुर की अंडर-16 टीम ने दौसा की टीम को 145 रन से हराते हुए ऐतिहासिक जीत हासिल की तथा राज्यस्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता के अपने ठ्रुप में टॉप पर रही और राजस्थान के प्रीक्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुधन तिवारी ने बताया कि जयपुर के पीएस क्रिकेट मैदान पर खेले गए मुकाबले में भरतपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया निर्धारित 50 ओवर के मैच मे 47.2 ओवर में 219 रन बनाकर पूरी टीम ऑलआउट हो गई भरतपुर की तरफ से हरिदत तिवारी ने 54 रन और हिमाशु सोगरवाल ने 37 रन व आशीष प्रजापत ने 24 रन बनाए भरतपुर की तरफ से गेदवाजी करते हुए कुनाल फ़ौजदार ने 5.1 ओवर में 4 ओवर मेडन के साथ मात्र एक रन देकर 6 विकेट ली और घातक गेंदबजी करते हुए दौसा की पूरी टीम को मात्र 74 रन पर ऑल आउट कर दी तथा आशीष ने 2 और हिमाशु व कार्तिक ने एक-एक विकेट लिया भरतपुर ने यह मैच 145 रन से जीत लिया मैच का मैन ऑफ दा मैच कुनाल फ़ौज़दार को घोषित किया गया भरतपुर की टीम अब राजस्थान के प्रीक्वार्टर फाइनल में बाड़मेर की टीम से 13 को जयपुर के पीएस क्रिकेट मैदान पर एक दिवसीय मैच खेलेगी।

200 किलो कलाकंद नष्ट कराया

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में दीपावली के त्यौहार पर खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए जिले में चलाए जा रहे "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत के जिले के विभिन्न स्थानों पर जांच हेतु खाद्य पदार्थों के नमूने लेने एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों को जब्त करने व नष्ट करने की कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर डॉ. योगेंद्र शर्मा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा ग्राम डाढा खेड़ली सैयद स्थित कलाकंद एवं अन्य मिठाई निर्माण एवं विक्रय इकाई खालिद स्वीट्स से एक कलाकंद का एवं एक मिश्री मावे का नमूना जांच हेतु लिया गया तथा फर्म के विक्रेता द्वारा उक्त मिठाइयां क्रीम निकले हुए दूध में तेल मिलाकर बनाए जाने पर मिठाइयां अवमानक होने के कारण करीब 200 किलो कलाकंद एवं 90 किलो मिश्री मावा मौके पर ही नष्ट कराया गया। साथ ही करीब 350 लीटर दूध कलाकंद एवं मिश्री मावा दूषित एवं खट्टा होने के कारण उसको भी मौके पर ही नष्ट कराया गया। इस दौरान संबंधित इकाई के मालिक के पास कोई खाद्य अनुज्ञा पत्र नहीं पाए जाने पर भट्टी पर सील लगाई।

कबड्डी प्रतियोगिता में युवाओं में जोश दिखा

रुदावल भरतपुर (निस)। नेहरू युवा केन्द्र संगठन की ओर से हिट इंडिया फिट इंडिया मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से खेलो इंडिया कार्यक्रम में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन रूपवास ब्लॉक के कस्बा रूदावल में किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि समाजसेवी मुकेश टाइगर एवं विशिष्ट अतिथि ठाकुर बिजेन्द्र सिंह, मनोज लोधा जरीला, अजय परमार रहे। खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, रस्साकशी, दौड, लम्बी कूद, बॉलीवाल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेडाठाकुर के शारीरिक शिक्षक अरविन्द कुमार, मनोज शर्मा रूदावल ने निभाई।

कार्यक्रम प्रभारी रामकुमार उपाध्याय ने बताया कि माय युवा भारत की ओर से आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी सहित अन्य खेलों को लेकर युवाओं में जोश देखने को मिला। प्रतियोगिता में रूदावल, खेडाठाकुर, जरीला, गूजर बलाई, निभेरा, रसीलपुर सहित कई गांव के युवाओं की टीम भाग ले रही है। माय युवा भारत खेलकूद मंत्रालय भारत सरकार की खेलकूद के प्रति यह पहल युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह बढाने और स्वस्थ्य जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर अनिल सिकरवार, नितिन परमार, अनिल परमार, सोनू सिकरवार, बीओम परमार, देवो शर्मा, राजू राजावत, हुकमा ठाकुर, गौरव सहित काफी संख्या में ग्रामीण एवं युवा उपस्थित रहे।

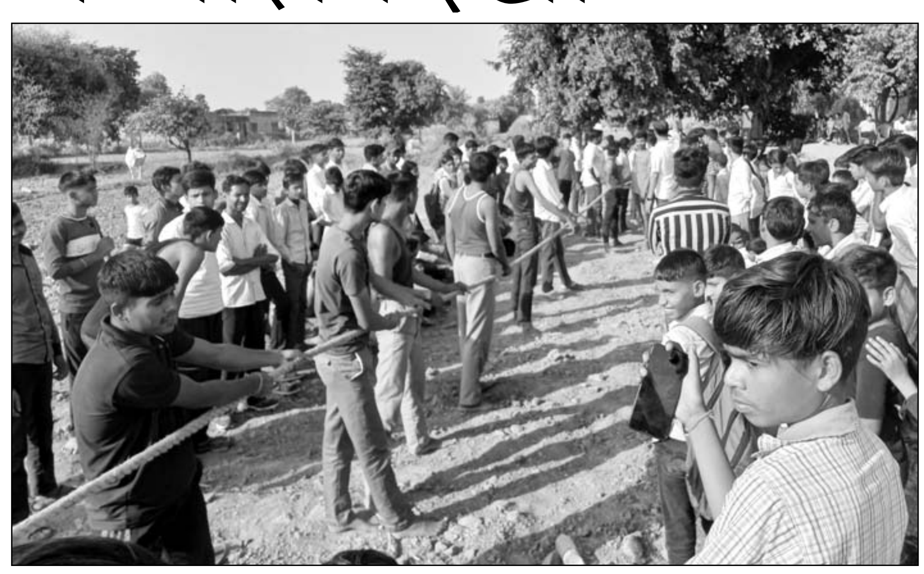

खेलो इंडिया कार्यक्रम में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कस्बा रूदावल में किया ।

भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक के बाद रामलीला का भव्य समापन

पावटा। कस्बे के चतुर्भुज मंदिर स्थित रामलीला परिसर में शुक्रवार रात्रि श्री आदर्श रामलीला मंडल कमेटी के तत्वावधान में आयोजित मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की रामलीला का भव्य समापन राज्याभिषेक की पावन लीला के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरे परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल छाया रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल ने भगवान श्रीराम का राजतिलक कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि समाज में आपसी एकता, भाईचारा, प्रेम, शांति और सद्भावना के साथ जीवनयापन करना ही वास्तविक राम राज्य है। भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाकर हम एक समरस और सशक्त समाज की स्थापना कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आठाह किया कि वे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन सिद्धांतों – सत्य, धर्म, निष्ठा और करुणा को अपने जीवन में अपनाएं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमोद शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि रामलीला भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपरा है, जो नई पीढी को अपने गौरवशाली इतिहास और संस्कारों से जोड़ती है। मिंटू शर्मा, अजय पारीक और अरुण शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्रीराम का विधिवत राज्याभिषेक किया गया। इस दौरान भगवान श्रीगणेश, श्रीराम दरबार और श्रीरामायण जी की पूजा-अर्चना के साथ भव्य आरती का आयोजन हुआ। राजतिलक समारोह में अतिथियों ने भगवान श्रीराम को राजमुकुट पहनाया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास की कामना की। मां आशापुरा ट्रांसपोर्ट कंपनी के संचालक मन्नालाल सैनी और सुभाष यादव ने कलाकारों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया, जबकि राजेंद्र बराला ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान आदर्श रामलीला मंडल पावटा कलाकार जितेंद्र कुमावत को भी सम्मानित किया गया। रामलीला कमेटी अध्यक्ष राजेंद्र सोनी व संरक्षक राधेश्याम जांगिड़, अध्यक्ष राजेन्द्र सोनी, डायरेक्टर अनिल शर्मा, व्यवस्थापक शक्तिसिंह शेखावत ने दशहरा कमेटी के सदस्यों में शामिल राजेश गोयल, अंजनी शर्मा, प्रदीप गोयल, पप्पू स्वामी, इंद्राज जांगिड़ और श्याम सुंदर शर्मा को दुपट्टा और श्रीराम दरबार का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर अध्यक्ष राजेंद्र सोनी ने कहा कि रामलीला भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को जीवंत करती है। भगवान श्रीराम के जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि बुराई चाहे कितनी भी प्रबल क्यों न हो, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है। समारोह के संरक्षक राधेश्याम जांगिड़ और अनिल शर्मा ने कहा कि आज विश्व के 60 से अधिक देशों में रामलीला का मंचन किया जाता है, जो भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहचान का प्रतीक है।

■ रामलीला भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपरा है, जो नई पीढी को अपने गौरवशाली इतिहास और संस्कारों से जोड़ती है

बिजली विभाग पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

नारायणपुर। ग्राम पंचायत चांदपुरी के गाँव राजपुरा सिक्ख में बिजली विभाग की भारी लापरवाही का मामला सामने आया है। गाँव में पिछले कई वर्षों से 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन घरों और आम रास्ते के ऊपर से गुजर रही है, जिससे ठाामीण लगातार खतरे में जी रहे हैं। ठाामीण राजेन्द्र शर्मा के घर के पास से गाँव का मुख्य रास्ता गुजरता है, जिसके ठीक ऊपर यह हाईटेंशन लाइन झूल रही है। ठाामीणों के अनुसार यह लाइन पहले भी कई बार टूट चुकी है और हर बार बड़ी दुर्घटना होते-होते टली है। लेकिन 18 सितम्बर को यह लापरवाही जानलेवा साबित हुई, जब 11 हजार वोल्ट की लाइन टूटकर राजेन्द्र शर्मा की भैंस पर गिर गई, जिससे भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे गाँव में रोष फैल गया। ठाामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना दी और तत्काल कार्रवाई की मांग की। उस समय विभाग की ओर से आश्वासन दिया गया।

2 दिन बाद हुआ विदेशी महिला के शव का पोस्टमॉर्टम, दिल्ली से अमेरिका भेजा जाएगा

भरतपुर (निस)। भरतपुर में 9 अक्टूबर को हुई विदेशी महिला की मौत के बाद उसके शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। जीआरपी थाना पुलिस ने विदेशी महिला के शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। इस दौरान महिला की बेटी मॉच्र्युरी पर मौजूद रही।

विदेशी महिला के शव को उनकी बेटी को सौंप दिया गया है। भरतपुर से शव दिल्ली ले जाया जाएगा और दिल्ली से यूएसए भेजा जाएगा। सीआईडी इंस्पेक्टर मोहन बंसल ने बताया की यूएसए की रहने वाली महिला डोरो थी ली के बारे नै्। एम्बेसी को इन्फॉर्म कर दिया था। वहां से आज उनका जवाब आया है। जिसके बाद डोरो थी ली के शव का पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई गई है। नौरा ब्लू को शव उनकी मां डोरो थी ली का शव सुपुर्द कर दिया गया है।

सारी कार्रवाई नियमानुसार की गई है। जीआरपी थाना अधिकारी हजारी लाल मीणा ने बताया की 9 अक्टूबर को अमेरिकी महिला यात्री डोरो थी ली अपनी बेटी नोएल के साथ भरतपुर से रणथम्भौर घूमने जा रही थी। इस दौरान भरतपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर पर डोरो थी ली की अचानक तबीयत खराब हो गई। उनके साथ गाइड प्रशांत चौधरी मौजूद थे। प्रशांत डोरो थी ली को एक निजी हॉस्पिटल में लेकर गए। जहां से उन्हें आरबीएम अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

डॉक्टर ने उन्हें चेक कर मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला विदेशी नागरिक थी इसलिए दूतावास की सभी कार्रवाई पूरी की गई। जिसके बाद आज मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। डोरो थी ली की बेटी नोएल को उनका शव सुपुर्द कर दिया गया है। दिल्ली से उनका शव नै्। भेज दिया जाएगा। डोरो थी ली अपने बेटी नोएल के साथ इंडिया घूमने के लिए आई थी।

उनके ग्रुप में करीब 20 सदस्य थे। वह 9 अक्टूबर को आगरा से भरतपुर के लिए निकली। वह रास्ते में उत्तर प्रदेश के फतेहपुर सीकरी में भी घूमी। वहां से बस के जरिए वह भरतपुर पहुंची।

■ बेटी के साथ भारत घूमने आई थी

पावटा शहर में नासूर बने जाम, स्थायी समाधान निकाले प्रशासन

पावटा। शुक्रवार शाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा व पुलिस उपाधीक्षक विराटनगर शिप्रा राजावत द्वारा प्रागपुरा थाना पुलिस मय टीम ने पावटा कस्बे में नेशनल हाईवे 48 पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने, हाईवे पर वाहनों को निर्धारित लेन में चलने के लिए प्रेरित करने, अवैध कट्स को बंद करने, पशुपालकों को हाईवे पर अपने पशुओं को छोड़ने से रोकने सहित दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों की जानकारी ली। वही लेन सिस्टम के साथ-साथ हाईवे की सर्विस लेन पर रॉन्ग साइड ड्राइविंग करने वाले वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए और कहा कि रॉन्ग साइड ड्राइविंग न केवल खतरनाक है, बल्कि यह भी दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जुर्माना और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में नगरपालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ पावटा कस्बे प्रमुख चौराहों और मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुगम, सुदृढ़ और व्यवस्थित बनाना है। निरीक्षण के दौरान पावटा सर्विस लेन, सुभाष चौक, घंटाघर चौक जैसे महत्वपूर्ण स्थानों का दौरा किया गया। आगामी त्यौहारों को देखते हुए पावटा कस्बा इन दिनों गंभीर जाम की समस्या से जूझ रहा है। मुख्य सडकों पर हर दिन घंटों तक वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। पावटा कस्बे के मुख्य बाजारों व सर्विस रोड जैसे व्यस्त इलाकों में सुबह और शाम जाम लगना आम बात हो गई है। इस भीषण ट्रैफिक से न केवल आमजन परेशान हैं, बल्कि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ रहा है। जाम की समस्या विकराल होती जा रही समस्या के पीछे के प्रमुख कारण अनेक हैं, जिनका कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाना निराशाजनक है। शहर की सड़कें संकरी हैं, यातायात नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस बल नहीं है, अनियमित पार्किंग से मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं और अतिक्रमण ने सड़कों को संकीर्ण बना दिया है। कस्बे की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, लेकिन सड़क और यातायात का बुनियादी ढांचा वर्षों से वही है। इससे हर दिन स्थिति बदतर होती जा रही है। अस्पताल जाने वाले एंबुलेंस जाम में फंसने से मरीजों के इलाज में देरी होती है, स्कूल बसें समय पर बच्चों को नहीं ला-जा पा रही हैं और व्यापारियों का माल समय पर नहीं पहुंच पा रहा है। कई बार छोटे-छोटे विवाद उत्पन्न हो जाते हैं क्योंकि लोग जल्दीबाजी में वाहनों को जबरन निकालने की कोशिश करते हैं।

लेकिन पालिका प्रशासन की कोशिशें नाकाफी है । आज तक नगरपालिका के अधिकारी ने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया है। पावटा उपखंड व पालिका बने कई साल बीते, कस्बे में आज तक एक भी पार्किंग स्थल नहीं है । मुख्य मार्गों व बाजार में सामान रखकर किए जा रहे अतिक्रमण व पार्किंग की कमी से बिगड़ी यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन व नगर पालिका के पास कोई स्थाई समाधान नहीं है।

■ एएसपी में पशुओं को हाईवे पर छोड़ने से रोकने सहित दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों की जानकारी ली

पावटा प्रागपुरा नगरपालिका के कार्मिकों ने पावटा कस्बे प्रमुख चौराहों और मार्गों का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने की समझाईश की ।

सीकर : मां ने तीन बेटों और एक बेटी के साथ फ्लैट में जहर खाकर आत्महत्या की

घटनास्थल पर जहर के 10 पैकेट मिले, इनमें से 8 का यूज किया गया था

सीकर, (निसं)। सीकर में एक परिवार के पांच लोगों ने सामूहिक सुसाइड कर लिया। मां ने अपने 3 बेटों और 1 बेटी के साथ फ्लैट में जहर खाकर जान दे दी। घटनास्थल पर जहर के 10 पैकेट मिले हैं, इनमें से 8 का यूज किया गया।

जानकारी के अनुसार, पति से अनबन के चलते महिला किरण अपने 3 बेटों सुमित, आयुष, अवनीश और बेटी स्नेहा के साथ पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेजिडेंसी में रह रही थी। पांच लोगों के सुसाइड की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी है। सुसाइड के कारणों का अभी पता नहीं चला है।

सीकर में सामूहिक हत्याकांड के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

- पुलिस के अनुसार इन लोगों ने सुसाइड कुछ दिन पहले ही कर लिया था, शव बुरी तरह से सड़ चुके थे
- फ्लैट से दुर्गंध आने पर बिल्डिंग में रहने वाले दूसरे लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जांच शुरु
- पति से अनबन के चलते महिला अपने 3 बेटों और एक बेटी के साथ पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेजिडेंसी में रह रही थी

सीओ धोद सुरेश शर्मा ने बताया कि फ्लैट काफी दिनों से बंद था और बिल्डिंग से तेज दुर्गंध आ रही थी। इन लोगों ने सुसाइड कुछ दिन पहले ही कर लिया था। शव बुरी तरह से सड़ चुके थे। फ्लैट से दुर्गंध आने पर बिल्डिंग में रहने वाले दूसरे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। स्थिति इतनी गंभीर थी कि अंदर घुसने में भी कठिनाई हो रही थी। दुर्गंध को कम करने के लिए अगरबत्ती और इत्र का उपयोग किया गया, इसके बाद पुलिस टीम अंदर जा पाई। महिला के दूसरे पति का नाम शैलेश है, जो किसी प्राइवेट स्कूल में नौकरी करता है। एक साल से वह भी महिला के कॉन्टैक्ट में नहीं था। शैलेश झुंझुनूं का रहने वाला है। वहीं, महिला के फ्लैट में से शराब की बोतलें बरामद की गई हैं। किरण सीकर के मुंडवाड़ा गांव के रहने वाली थी। गांव के ही नेमीचंद से शादी करने के लिए घर से भाग गई थी। उस समय किरण के नाबालिग होने पर उसे पकड़कर नारी निकेतन में शिफ्ट कर दिया गया था। बालिग होने पर उसने नेमीचंद से लव मैरिज की थी, लेकिन 2019 में दोनों का तलाक हो गया। महिला के पहले पति का नाम नेमीचंद है, जो सीकर के मुंडवाड़ा गांव का रहने वाला है। खेती से जुड़े काम करता है। दोनों के एक लड़का और एक लड़की थी। 5 साल पहले दोनों का तलाक हो गया था। भरण-पोषण का मामला कोर्ट में चल रहा है। किरण उर्फ पिंकी चौधरी मारवाड़ी वीडियो बनाकर यूट्यूब पर पोस्ट करती थी। उसके पेज पर करीब 1 हजार सब्सक्राइबर हैं। शवों को हॉस्पिटल ले जाने के लिए पिकअप मौके पर बुलाई गई है। किरण फेसबुक पर रील बनाकर डालती थी। उसके करीब 7 हजार फॉलोअर्स हैं। आखिरी वीडियो 29 सितंबर को डाला था। जानकारी के अनुसार, किरण उर्फ पिंकी चौधरी का पहले पति से 2019 में तलाक हो गया था। पहले पति से किरण को 2 बच्चे थे। दूसरे पति से भी 2 बच्चे थे। 2 बच्चों की पहचान सुमित और स्नेहा रूप हुई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ में जुटी है। सीओ ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मृत्यु का सही समय और कारण स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर रही है ताकि आत्महत्या के पीछे की असली वजह सामने आ सके।

जयपुर : किराये के मकान में एक परिवार ने सामूहिक आत्महत्या की

बुजुर्ग दम्पती सहित बेटे का शव कमरे में मिला

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में किराये पर रह रहे एक परिवार ने सामूहिक आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह जब कमरा नहीं खुला तो मकान मालिक ने मृतक परिवार के रिश्तेदारों और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गेट तोड़ा तो माता-पिता और एक बेटे का शव कमरों में मिला। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में जानकार पर परेशान करने का आरोप लगाया है।

- पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, सुसाइड नोट में जानकार पर परेशान करने का आरोप लगाया है

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह पुलिस कंट्रोल से सूचना मिली कि एक मकान में रहने वाले किरायेदार कमरा नहीं खोल रहे हैं, जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, गेट को कई बार बजाया लेकिन गेट नहीं खोला तो गेट तोड़ा गया। जाली वाला गेट अंदर से बंद था लेकिन मेन गेट अंदर से बंद नहीं मिला। मेन गेट के पीछे ही युवक का शव मिला और वहीं आगे हॉल में पिता का शव और वहीं कमरे में महिला का शव मिला। मृतकों की पहचान रूपेन्द्र शर्मा (63) पुत्र हरिनारायण शर्मा निवासी सुंदर नगर महाराणा प्रताप रोड, सुशीला शर्मा (58) पत्नी रूपेन्द्र शर्मा और पुलकित शर्मा (32) के रूप में हुई है। पुलिस जानकारी के अनुसार रूपेन्द्र शर्मा राजस्थान बैंक में अकाउंट में थे। समय से पहले वीआरएस लेकर सेवा छोड़ दी थी। सुशीला शर्मा हाउस वाइफ थी। वहीं बेटा रूपेन्द्र एक निजी कंपनी में काम करता था।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि कमरे के टेबल पर एक पन्ने का सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट अंग्रेजी में लिखा था जिसमें एक परिचित पर आरोप लगाये हुए थे। सुसाइड नोट के आधार पर परिजनों ने मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों के शवों को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

महिला ने घर में ही फंदा लगाकर जान दी

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र के पाकरोण गांव में एक महिला का शव घर में ही फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। घटना के बाद परिवार के लोगों ने शव देखा तो चौक गए। वहीं,पीहर पक्ष ने भी मौत के कारणों का पता लगाने की मांग की है।

चौरासी थाना एएसआई बताया कि पाकरोण निवासी हाजू पत्नी बदा ननोमा ने शुक्रवार रात के समय घर में ही फांसी का फंदा लगा लिया। परिवार के लोगों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो होश उड़ गए। घटना के बाद गांव के लोग इकट्ठे हो गए। सूचना पर वेंजा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की जानकारी लेने के बाद मौका पंचनामा बनाकर शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। घटना की सूचना पर पीहर पक्ष के लोग भी पहुंच गए। पीहर पक्ष ने मौत के कारणों की जांच करवाने की मांग करने लगे। वहीं, ससुराल और पीहर पक्ष के बीच विवाद की स्थिति बन गई, जिस पर पुलिस ने दोनों पक्षों से समझाइश के प्रयास किये।

मवेशी को बचाते पांच गाड़ियां भिड़ी, चार लोगों की मौत

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर ऋषभदेव में उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे पर मयूर मिल के समीप शनिवार रात भैंस से बोलेरो टकरा गई, बोलेरो जिसमें छह लोग सवार थे। घटना के बाद सभी डिवाइडर पर उतर गए, लेकिन उसी वक्त वहां से एक कंटेनर गुजरा और वह भी भैंस से टकरा गया और डिवाइडर पर खड़े चार लोगों को चपेट में ले लिया और सड़क के उस पार करीब पांच वाहनों से टकरा गया। हादसे में चार जनों की मौत हो गई, जिसमें दो

- डिवाइडर पर खड़े थे लोग और कंटेनर ने चपेट में ले लिया

पुरूष व दो महिला शामिल है।

घटना में गंभीर घायल ट्रक चालक को उपचार के लिए उदयपुर रेफर किया गया है। वहीं दो घायलों को ऋषभदेव चिकित्सालय में उपचार के लिए पहुंचाया। जानकारी के अनुसार ऋषभदेव में उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे पर मयूर मिल के समीप यह हादसा हुआ। हादसे में चार जनों की मौत हुई है जिनकी शिनाख्त कर ली गई है। हादसे के बाद शव सड़क पर बिखर गए। घटना के बाद पुलिस उपाधीक्षक ऋषभदेव राजीव राहर, एसडीएम ऋषभदेव, थानाधिकारी ऋषभदेव भारत सिंह राजपुरोहित व एएसआई किशोर सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंच वाहनों को सड़क से हटाते हुए यातायात सुचारू कराया और घटना में घायलों व शवों को चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस ने शवों को ऋषभदेव चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया है।

15 लाख की शराब पकड़ी, एक गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस की ओर से चलाये जा रहे अभियान के तहत बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने लगातार तीसरे दिन अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर अवैध शराब से भरा ट्रक जब्त करते हुए चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ट्रक से 15 लाख की शराब जब्त की है।

- ट्रक में प्लास्टिक कैरेट की आड में शराब के 240 कार्टन भरे हुए थे

बिछीवाड़ा थाने के थानाधिकारी कैलाश सोनी ने बताया कि डूंगरपुर जिले में पुलिस की ओर से अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत रतनपुर बोर्डर पर पुलिस की ओर से नाकेबंदी की जा रही थी। इस दौरान मुखबिर के जरिये शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पर उदयपुर की ओर से आ रहे एक ट्रक को रुकवाया गया। पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली तो ट्रक में प्लास्टिक कैरेट की आड में शराब के कार्टन भरे हुए थे। पुलिस ने आबकारी अधिनियम में ट्रक चालक सिरोही निवासी कानाराम देवासी को गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस ने ट्रक से अवैध शराब के 240 कार्टन बरामद किये। थाना अधिकारी कैलाश सोनी ने बताया कि जब्त शराब की कीमत करीब 15 लाख रूपये बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने 9 अक्टूबर को शराब से भरा एक टेम्पो व 10 अक्टूबर को शराब से भरी एक पिकअप को भी जब्त किया था।

राम जलसेतु लिंक परियोजना से लेकर जल संरक्षण के लिए कार्य कर रही है सरकार : भजनलाल शर्मा

झुंझुनूं/जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जल संचय-जन भागीदारी के आव्हान पर दूसरे राज्यों में बसे प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिये आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी भी हर गांव, हर खेत में वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजने का संकल्प लें और आने वाली पीढ़ियों को एक समृद्ध और सुरक्षित भविष्य प्रदान करें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को झुंझुनूं के मंड्रेला में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की उपस्थिति में आयोजित जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय प्रदेश में जलजीवन मिशन में अनियमिताएं हुई, जिन पर हमारी सरकार ने ठोस कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि जेजेएम हुई गड़बड़ियों से संबंधित किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

- झुंझुनूं के मंड्रेला में जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने शिरकत की
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान देशभर में बनेगा जल संचयन की मिसाल : केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार पानी की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए राम जलसेतु लिंक परियोजना से लेकर जल संरक्षण एवं संचयन के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी लाने के लिए पूर्ववर्ती सरकार ने कोई काम नहीं किया, जबकि हमारी सरकार ने गठन के साथ ही हरियाणा सरकार के साथ यमुना जल समझौते का एमओयू किया और इसकी डीपीआर पर काम चल रहा है। इसी तरह हमारी सरकार ने राम जलसेतु लिंक परियोजना के लिए केंद्र एवं मध्यप्रदेश सरकार के साथ एमओयू किया। इस परियोजना से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में सिंचाई एवं पेयजल के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अब तक जितने काम किए हैं,

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने पात्रों को चैक प्रदान किये।

वे काम पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे कार्यकाल में नहीं कर पाई। हमने अब तक जल परियोजनाओं में लगभग 13 हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि हमारे देश में लगभग 4 हजार बीसीएम वर्षा जल उपलब्ध होता है, जबकि हमारी वार्षिक जल आवश्यकता लगभग 1200 बीसीएम है। जल संचयन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान की शुरूआत की गई है।

जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय जल जीवन मिशन के कार्य समय पर नहीं हुए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार कुंभाराम लिफ्ट परियोजना तथा यमुना जल समझौते के माध्यम से शेखावाटी क्षेत्र के घर-घर में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम में शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों के लाभार्थी संतोष देवी (पीएम आवास योजना), आशा देवी (मंगला पशु बीमा योजना), सोनी मिश्रा (पीएम स्वनिधि योजना) को प्रमाण पत्र सौंपे गए। वहीं, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, खेतडी नगर के सहयोग से निक्षय पोषण किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, विधायक विक्रम जाखल, धर्मपाल गुर्जर, राजेंद्र भांबू, गोरधन वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

छात्रा का शव मिला

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में स्थित एक होटल के कमरे में केलवाड़ा निवासी एक छात्रा का शव फंदे पर लटका मिला। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब होटल कर्मचारी चेकआउट के लिये छात्रा के कमरे के बाहर पहुंचा और दरवाजा नहीं खोलने पर होटल वालों ने इसकी सूचना नयापुरा पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस पहुंची। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि सूचना पर टीम मौके पर पहुंची, थानाधिकारी ने बताया कि छात्रा का शव कमरे के अंदर फंदे पर लटका मिला, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतका की पहचान बारां जिले के केलवाड़ा निवासी प्रीतिहेड़ी के रूप में हुई, थानाधिकारी ने बताया कि छात्रा शुक्रवार को घर से अकेली निकली थी और नयापुरा मे एक होटल में रूकी थी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए अंतर जिला वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद कर चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

भीमसिंह पुत्र हेमराज मीणा निवासी सरसिया ने रिपोर्ट दी थी कि उसका ट्रैक्टर-ट्रॉली चौधरी धर्मकांटा के सामने से एक अक्टूबर की रात लगभग एक बजे चोरी हो गया। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित की और देवली, टोंक, सवाईमाधोपुर, दौसा, अलवर में तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति श्यामलाल दरोगा को ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित पकड़ा। पूछताछ में उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली और खुलासा किया कि उसने चोरी किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉलियाँ घमंडी मीणा, मनकेश मीणा और रामभरौसी मीणा को बेचे थे। पुलिस ने तुरंत सवाईमाधोपुर जिले के मित्रपुरा क्षेत्र में दबिश देकर तीनों को डिटेन किया और उनकी निशानदेही पर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली घाटा नैनवाड़ी चौराहा से बरामद कर लिए। श्यामलाल दरोगा , घमंडी मीणा, मनकेश मीणा, रामभरौसी मीणा आरोपी है। ट्रैक्टर को चोरी करने के लिए शातिर तरीका अपनाया करते थे। मुख्य आरोपी श्यामलाल दिन के समय इलाके में रैकी करता था और रात में ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी कर अपने साथियों को बेच देता था।

गोलीकांड के आरोपियों की परेड निकाली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र के प्रतापपुरा गांव में गोली चलाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही उनकी परेड निकाली। जानकारी के अनुसार आसींद के प्रतापपुरा गांव में एक गैराज में युवक पर फायर किया गया था। थाना प्रभारी हंसपाल सिंह ने बताया कि इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान आसींद निवासी देवेंद्र सेन और फुलदेह का बाडिया निवासी प्रताप सिंह रावत के रूप में हुई है। इन्हें पुलिस सुरक्षा के बीच आसींद बस स्टैंड से बड़ा मंदिर होते हुए पंचायत समिति तक परेड निकाली गई।

लाठी-डंडों से पीटकर युवक की हत्या

अलवर, (निसं)। अलवर में युवक पर लाठी-डंडे और साइकिल की रिम से हमला कर हत्या कर दी। हमले में युवक के भाई का भी हाथ टूट गया। आरोप है कि हमलावरों ने सिर तन से जुदा के नारे लगाए। दोनों भाइयों पर नौ अक्टूबर की रात 10 बजे हमला हुआ। 10 अक्टूबर की शाम एक भाई की मौत हो गई थी। हत्या के बाद शनिवार सुबह माहौल तनावपूर्ण हो गया था। अस्पताल में इकट्ठा हुए हिंदू संगठन के लोगों ने हंगामा कर दिया था। दोपहर बाद समझाइश पर धरना खत्म कर दिया गया था।

एमआईए थानाधिकारी मोहन कुमार ने बताया कि हमले में देसूला निवासी करण मल्होत्रा (24) की मौत हो गई। उसका चचेरा भाई चिंटू मल्होत्रा (32) का बायां हाथ टूट गया। चिंटू ने 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दी है। थानाधिकारी ने बताया कि 9 अक्टूबर को चिंटू अपनी पत्नी और बच्चों के साथ स्कॉर्पियो से घर लौट रहा था। बैंक के पास ढाबा चलाने वाला कमला कॉलोनी निवासी मुनफेद खान, अपने साथी दीनू, साहिल उर्फ सांडा, अगरू, इरफान, आशु, यूसुफ, साहिल, हाकम समेत करीब 10 लोगों के साथ घात लगाए बैठा था। आरोपियों ने लाठी-डंडों से गाड़ी में तोड़फोड़ की और हमला कर दिया। इस दौरान उसने चचेरे भाई करण को कॉल किया। कुछ देर बाद उसका करण, अमित और अंगद मौके पर पहुंचे थे। बचाव करने के दौरान अली और मुनफेद ने साइकिल की रिम से करण के सिर पर वार किया था। इससे वह गंभीर घायल होकर गिर पड़ा। वहीं, चिंटू पर लोहे की रॉड से हमला किया, जिससे उसका एक हाथ फ्रेक्चर हो गया था।

आरोप है कि आरोपी पाले खान ने देसी कट्टे से फायर करने की भी कोशिश की, लेकिन गोली नहीं चली थी। हमले के बाद आरोपी फरार हो गए। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी।

एडीएम बीना महावर ने कहा कि आरोपी जल्द अरेस्ट होंगे, मौके पर अस्थाई अतिक्रमण हटा दिया है। बाकी जांच कर आगे की कार्रवाई होगी। एएसपी कांबले ने कहा कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद आरोपियों को आज ही गिरफ्तार करेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है। मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। कमेटी के सुझाव हैं, उनमें जो भी लीगल है, उनके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की 27 सदस्यीय कमेटी तय करेगी कि परिजनों की कौनसी मांग मानी जाती है। पुलिस और प्रशासन लगातार समझाइश के प्रयास कर रहा है। प्रशासन की ओर से आरोपियों के ढाबे पर बुलडोजर चलाया। विधायक सुखवंत सिंह ने कहा है कि कोई भी आरोपी नहीं बचेगा। पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने कहा कि यूपी की तरह आरोपियों के मकानों पर बुलडोजर चलाया जाए। पीड़ित परिवार को सरकारी नौकरी और मुआवजा दिया जाए। घटना से हिंदू समाज में रोष है। यदि आपसी विवाद है तो कानून का सहारा लिया जाता है, हत्या नहीं की जाती है। गोकशी करने वालों को भुगतना पड़ेगा। हम आगे निर्णय करेंगे। संपूर्ण हिंदू समाज एक होकर संघर्ष करेंगे।

50 लाख के सोने का गबन : 500 ग्राम की बजाय 384 ग्राम नकली सोना निकला

जोधपुर, (कांस)। जयपुर से जोधपुर आए एक कोरियर कंपनी के ब्रांच मालिक को नकली सोना थमा दिया गया। पांच सौ ग्राम सोने के बदले में 384 ग्राम गोल्ड दिया गया, जिसे भी बाद में जांच की तो वह भी नकली निकला। यहां स्थानीय सरदारपुरा रेलवे स्टेशन पर ज्वैलरी शॉप पर काम करने वाले दो लोगों के खिलाफ अब धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज कराया गया है। सोने की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये बताई है। सरदारपुरा थाने के एसआई दीपलाल को इसकी जांच सौंपी गई है।

- जयपुर से जोधपुर आए कोरियर कंपनी के ब्रांच मालिक को नकली सोना थमाया
- कंपनी की बेंगलुरु ब्रांच से ज्वैलरी का पार्सल आया, जिसे रूकमणि ज्वैलर्स जोधपुर को डिलीवर करना था

पुलिस के अनुसार मूलतः झुंझूनु के नवलगढ़ हाल माणक चौक जयपुर के रहने वाले सुनील कुमार पुत्र ओमप्रकाश सैनी ने यह रिपोर्ट दी है। इनका कहना है कि वे जयपुर में चौड़ा रास्ता स्थित एक कोरियर कंपनी के ब्रांच मालिक है। उन्हें कंपनी की बेंगलुरु ब्रांच से ज्वैलरी का पार्सल आया, जिसे रूकमणि ज्वैलर्स जोधपुर को डिलीवर करना था। रिपोर्ट में सुनील ने बताया कि वह 2 अक्टूबर को जयपुर से रात 11 बजे बस से रवाना होकर 5.30 बजे जोधपुर पहुंचा। यहां पहुंचने पर रूकमणि ज्वैलर्स के प्रतिनिधि से फोन पर बात की, जिस पर प्रतिनिधि बोला कि उनका कारीगर महेंद्र पार्सल लेने आ रहा है और महेंद्र के नंबर उन्होंने सुनील को वॉट्सऐप पर भेज दिए। फिर वह पार्सल महेंद्र को दे दिया और रूकमणि ज्वैलर्स के प्रतिनिधि से बात करवा दी। इसके बाद पार्सल के बदले 500 ग्राम सोना सुनील को उनसे लेना था। महेंद्र ने सोने का 500 ग्राम बिस्किट उसे दे दिया। इसके बाद वह वापस जयपुर चला गया और 500 ग्राम सोना बेंगलुरु ब्रांच में पहुंचा दिया। बेंगलुरु में पार्सल का वजन चैक किया तो उसमें 500 ग्राम वजन की बजाय 384 ग्राम वजन निकला। इसके बाद उस सोने के बिस्कुट की जांच की गई तो वह भी नकली पाया गया। इसके बाद उन्हें बेंगलुरु से फोन आया और पूरी घटना की पूरे मामले की जानकारी दी गई। इस पर सुनील ने फोन किया तो दोनों नंबर जिन से बात हुई थी वह बंद आ रहे हैं।

रिपोर्ट में बताया कि परिवादी को पार्सल के बदले में 502 ग्राम कुछ मिलीग्राम सोना उनसे वापस लेना था जो कि मुझे 500 ग्राम का बिस्किट 999 का मिल गया और कुछ मिलिग्राम कम था उसका मुझे 27,000 रूपए और कोरियर चार्ज 18 हजार और कुल 45 हजार रूपए प्राप्त किए थे। परिवादी सुनील बाद में जोधपुर से सुबह सात बजे रोडवेज बस के द्वारा जयपुर पहुंच गया। शाम को 500 ग्राम सोना जयपुर से वांया हैदराबाद होते हुए बैंगलोर मेरी ब्रांच में पहुंचा दिया। उसके बाद मेरी बैंगलोर ब्रांच का स्टाफ बैंगलोर वाली पार्टी को पार्सल देने गया तो डेली के हिसाब से बैंगलोर वाली पार्टी ने वजन चैक किया जिसमें जो 500 ग्राम का सोने का बिस्किट था जिस पर छपाई 500 ग्राम की थी, उसका वजन 384 ग्राम और कुछ मि.ली. निकला। इसके बाद सोने की गुणवत्ता जांच में यह नकली मिला।

तस्कर को दस साल की सजा

जोधपुर, (कांस)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने करीब 13 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। सरकार की ओर से पैरवी हेतु नियुक्त विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर गोविन्द जोशी ने बताया कि बीस जुलाई 2012 को ओसियां के तत्कालीन थानाधिकारी राजीव भादू ने पांचला गांव में नाकाबंदी के दौरान हेमनगर जोलियाली निवासी रमेश पुत्र पांचाराम विश्नोई से मोटरसाइकिल के बैग से दो किलो अफीम का दूध बरामद कर गिरफ्तार किया था तथा बाद अनुसंधान आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत की थी। सुनवाई के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक गोविन्द जोशी ने न्यायालय से आरोपी को कठोरतम सजा देने की मांग की।

अस्पताल में आए बुजुर्ग मरीज को महिला रेजिडेंट ने थप्पड़ मारे

अजमेर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में उपचार करवाने आए एक बुजुर्ग को महिला रेजिडेंट ने थप्पड़ मारे। थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वीडियो में बुजुर्ग ने रेजिडेंट से माफी भी मांगी तथा सिक्योरिटी गार्ड ने बुजुर्ग को बचाने का प्रयास किया, लेकिन रेजिडेंट उसे थप्पड़ मारती पीटती रही। थप्पड़ मारने के मामले में जिला प्रशासन द्वारा रिपोर्ट मांगने पर अस्पताल प्रशासन ने जांच टीम गठित कर शनिवार को सीसीटीवी फुटेज की जांच पड़ताल करने के बाद अस्पताल में बुजुर्ग को थप्पड़ मारने के मामले में महिला डॉक्टर को क्लीनचिट दे दी है। जांच कमेटी का कहना है कि बुजुर्ग व्यक्ति ने डॉक्टर को गलत तरीके से छुआ था, जिसके बाद डॉक्टर ने आत्मरक्षा में प्रतिक्रिया दी।

- जेएलएन अस्पताल में बुजुर्ग को थप्पड़ मारने के मामले में महिला डॉक्टर को क्लीन चिट

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो शुक्रवार देर शाम का बताया जा रहा है, जिसमें एक बुजुर्ग आई पोर्च ओपीडी से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही दो महिला रेजिडेंट डॉक्टर में से एक से बुजुर्ग का कंधा टकरा गया था, रेजिडेंट इतनी नाराज हुई कि उसने बुजुर्ग व्यक्ति एक के बाद एक कई थप्पड़ मारने शुरू कर दिए। हालांकि वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड ने बुजुर्ग को बचाने का प्रयास किया, लेकिन रेजिडेंट उसे थप्पड़ मारती रही। जिला कलेक्टर ने घटना की जानकारी मांगने पर अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे, उपाधीक्षक डॉ. अमित यादव कंट्रोल रूम पहुंचे और सीसीटीवी कैमरे की जांच करवाई है।

महिला रेजिडेंट डॉक्टर द्वारा बुजुर्ग को थप्पड़ मारने के मामले की जांच पूरी हो गई है। अस्पताल अधीक्षक द्वारा गठित जांच समिति ने रिपोर्ट सौंपते हुए डॉक्टर को क्लीनचिट दी है। समिति ने पाया कि बुजुर्ग व्यक्ति ने डॉक्टर को गलत तरीके से छुआ था, जिसके बाद डॉक्टर ने आत्मरक्षा में प्रतिक्रिया दी। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि डॉक्टर का उद्देश्य हमला करना नहीं था। घटना के बाद इंटर्न एसोसिएशन ने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य को महिला डॉक्टर्स की सुरक्षा को लेकर ज्ञापन सौंपा।

तकनीक अग्रणी राष्ट्र ही विश्व का नेतृत्व करते हैं : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने एम.एन.आई.टी. दीक्षांत समारोह में 21 विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज का युग तकनीक, नवाचार और ज्ञान का युग है, और जो राष्ट्र इन क्षेत्रों में अग्रणी होते हैं, वही विश्व का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने कहा

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''इस वर्ष संस्थान में 150 से अधिक डॉक्टरेट की उपाधियां प्रदान की गई हैं। 30 से अधिक दिव्यांगों ने स्नातक की डिग्री प्राप्त की तथा 77 अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों ने प्रवेश लिया।''

कि भारत को केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता बनाना होगा और इसके लिए युवा शक्ति को आगे आकर देश की प्रौद्योगिकीय क्षमताओं को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाना होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर के 19वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने बी.टेक, एम.टेक, एम.एससी., एम.बी.ए. तथा आर्किटेक्चर और प्लानिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक पहनाकर डिग्रियां प्रदान कीं। साथ ही हिन्दी भाषा में प्रकाशित टेक्निकल जर्नल का भी विमोचन किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष संस्थान से 150 से अधिक विद्यार्थियों को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई, वहीं 30 से अधिक दिव्यांग विद्यार्थियों ने स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इस वर्ष 77 अंतरराष्ट्रीय छात्रों का भी संस्थान में प्रवेश हुआ है।मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएनआईटी ने अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप सहयोग और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से राजस्थान और देश को गौरवान्वित किया है। संस्थान का उत्तर भारत में शीर्ष एनआईटी के रूप में स्थान प्राप्त करना गर्व की बात है। संस्थान द्वारा 249 परामर्श परियोजनाएं और 13 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से कई अनुसंधान कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने एमएनआईटी द्वारा भारतीय सेना की दक्षिण पश्चिम कमान, रैडॉक्स इंजीनियरिंग और परमाणु ऊर्जा विभाग के न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स के साथ किए गए एमओयू को संस्थान की एक बड़ी उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आई-स्टार्ट कार्यक्रम के तहत 66 लॉन्चपैड नेस्ट बनाए गए हैं। वर्ष 2024-25 में अब तक 2028 स्टार्टअप्स को पंजीकृत किया गया है, जिसमें से 300 स्टार्टअप्स को लगभग 11 करोड़ रुपये की फंडिंग भी प्रदान की गई है।

राज्य में ''लर्न, अर्न एंड प्रोग्रेस'' प्रोग्राम के तहत विफल स्टार्टअप्स को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, ''अर्ली करियर प्रोग्राम (टेकबी)'' शुरू कर 12वीं के तुरंत बाद युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार देने के लिए सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। अब तक लगभग 91 हजार सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और करीब 1.54 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एम.एन.आई.टी. दीक्षांत समारोह में आर्किटेक्चर और प्लानिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा डिग्रियाँ प्रदान कीं।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से राजस्थान के आठ जिले लाभांवित होंगे : मुख्यमंत्री

इन जिलों में सूक्ष्म सिंचाई, बीमा, तकनीकी सहयोग व भंडारण सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रहे : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, सांसद राव राजेन्द्र सिंह और मंजू शर्मा भी मौजूद रहे।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई ''प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन'' केवल योजनाएं नहीं, बल्कि देश की कृषि व्यवस्था में एक नए युग की शुरुआत है। मुख्यमंत्री शनिवार को राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री के विशेष कृषि कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर देशव्यापी पहल का हिस्सा भी बने।

मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत देश के 100 कृषि जिलों को चुना गया है, जिनमें राजस्थान के 8 ज़िले - बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, बीकानेर, पाली, जालोर और चूरू शामिल हैं। इन जिलों का चयन उनकी कम उत्पादकता, औसत से कम फसल ऋण और सिंचाई सुविधाओं के आधार पर किया गया है।

इस योजना के तहत फसल विविधीकरण, सिंचाई का विस्तार, भंडारण क्षमता में वृद्धि, किसानों को आसान ऋण और तकनीकी सलाह की सुविधा दी जाएगी। इस कार्य में कृषि, पशुपालन, मत्स्य, खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण विकास और जल संसाधन जैसे कुल 11 विभाग एक साथ समन्वय में कार्य करेंगे।मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान में अब तक 23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र (ड्रिप और स्प्रिंकलर) लगाए जा चुके हैं, जिससे जल संरक्षण और उत्पादन में सुधार हुआ है। आने वाले वर्षों में राज्य का हर खेत सिंचित करने का लक्ष्य रखा गया है। शर्मा ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य में 7.5 करोड़ से अधिक फसल बीमा पॉलिसी जारी की गई हैं और 1.76 करोड़ पॉलिसीधारक किसानों को 5965 करोड़ का मुआवजा दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए 35 हजार से अधिक फार्म पॉन्ड, 7 हजार 900 डिग्गियां और 98 हजार से अधिक पाइपलाइन यूनिटें बनाई गई हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना, पार्वती और काली सिंध नदी लिंक परियोजनाएं तथा ईस्टर्न राजस्थान केनाल प्रोजेक्ट तेजी से प्रगति पर हैं, जिससे सिंचाई के लिए स्थायी समाधान मिलेगा।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, सांसद राव राजेन्द्र सिंह, मंजू शर्मा, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एन.एस.यू.आई. की रैली आज

जयपुर। एन.एस.यू.आई. राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ व अन्य साथियों की रिहाई की मांग को लेकर 12 अक्टूबर रविवार को जयपुर में जन आक्रोश महारैली का आयोजन किया जायेगा। यह रैली प्रातः 11 बजे 200 फीट बाईपास, हीरापुरा से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक, जयपुर तक जाएगी। इस दौरान हजारों कार्यकर्ता, विद्यार्थी एवं युवा साथी लोकतंत्र की बहाली और छात्र अधिकारों की आवाज बुलंद करेंगे।

खाद्य सुरक्षा टीम ने 1275 किलो मिलावटी मसाले जब्त किए

जयपुर। राज्य सरकार के ''शुद्ध आहार-मिलावट पर वार'' अभियान के तहत शनिवार को जयपुर में खाद्य सुरक्षा दल ने मिलावटी मसालों की एक बड़ी खेप पकड़ी। यह कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के मार्गदर्शन में की गई।

कार्रवाई के क्रम में टीम ने एक लोडिंग ऑटो को पकड़ा, जिसमें हल्दी, मिर्च और धनिया पाउडर से भरे 11 कट्टे मिले। पूछताछ के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल मुरलीपुरा स्थित कर्ती एंटरप्राइजेज फर्म तक पहुंचा। निरीक्षण के दौरान फर्म परिसर में कुल 29 कट्टों में लगभग 1275 किलोग्राम मिलावटी मसाले पाए गए। इस व्यापारी के यहां से पूर्व में भी लिए गए मसालों के नमूने अनसेफ पाए जा चुके हैं। मसालों में मिलावट को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 64 के तहत रिपोर्ट प्राप्त होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने कहा कि मिलावटखोरी के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्रवाई सतत जारी है। नियमित बैठकों के माध्यम से रणनीति बनाकर ऐसे व्यापारियों की पहचान की जा रही है और उनके विरुद्ध सख्त एवं निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा, वीरेंद्र कुमार सिंह, नरेश कुमार चेजारा, विशाल मित्तल, नरेंद्र शर्मा एवं पवन कुमार गुप्ता शामिल रहे।

खाद्य सुरक्षा टीम ने शनिवार को 1275 किलो मिलावटी मसालों की खेप पकड़ी।

सवाई मानसिंह अस्पताल से जब्त किए कई दस्तावेज

■ न्यूरो सर्जरी विभाग के एच.ओ.डी. के रिश्वत का मामला

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जयपुर मुख्यालय की टीम शनिवार को एसएमएस अस्पताल पहुंची। यहां डॉक्टर मनीष अग्रवाल के दोनों कार्यालय में जांच शुरू की।

वहीं एसएमएस प्रशासन की ओर से अतिरिक्त सुपरिटेंडेंट डॉक्टर राजेश शर्मा को एसीबी की मदद करने के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। इस दौरान एसीबी को डॉक्टर मनीष अग्रवाल द्वारा की गई खरीद के सम्बन्ध में कई दस्तावेज मिले। जिन की जांच शुरू कर दी गई हैं।डीजी एसीबी स्मिता श्रीवास्तव के निर्देश पर एएसपी संदीप सारस्वत के नेतृत्व में एसएमएस हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज में डॉ मनीष अग्रवाल के एचओडी न्यूरो सर्जरी और अतिरिक्त प्रिंसिपल एसएमएस मेडिकल कॉलेज के कार्यकाल के दौरान किए गए सभी आइटम्स एवं उपकरणों के प्रिक्योरमेंट, स्टोर से किए गए इंडेंट और उनके हस्ताक्षर से किए गए सभी भुगतानों से संबंधित सभी दस्तावेज जब्त किए गए। बाकी का रिकॉर्ड सोमवार को एसीबी सीज करेगी। गौरतलब है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्रिंसिपल डॉक्टर मनीष अग्रवाल को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। जिन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया हैं।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य ने प्लाट नं. 52, गोर्वधन जी की गली, प्रताप नगर मुरलीपुरा को क्रय करने का अनुबंध कर लिया है जिसकी रजिस्ट्री शीघ्र अनुबंध अनुसार औपचारिकता, विक्रेता रामगोपाल प्रजापत द्वारा पूरी करने पर करवायी जाएगी। यदि किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति है तो वह 7 दिवस में मय प्रमाण मिले, बाद में आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी सूचित रहे।
दिनांक-11.10.2025 संजय कुमार नाटाणी
जयपुर एडवोकेट, मो. 9928350546

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय पारिवारिक न्यायाधीश महोदय स्थान करौली हेतराम विरूद्ध श्रीमती निशा
वाद/प्रार्थना पत्र 13 HMA
प्रार्थना-पत्र संख्या 130/25 सन्
नाम श्रीमती निशा पत्नी हेतराम गुर्जर पुत्री शिम्भूदयाल शर्मा पता मरदई खुर्द खूंडा तह. मासलपुर हाल निवास वेरेर तहसील रैणी जिला अलवर (राज.) उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है। अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 04 माह 11 सन् 2025 को 10 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज ता. 08 माह 10 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
(मोहर) वरिष्ठ मुंसरिम
पारिवारिक न्यायालय करौली (राज.)

नाम परिवर्तन

मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड में मेरा नाम प्रद्युमन चौहान है जबकि मेरी 10वीं की मार्कशीट में मेरा नाम प्रद्युमन है। यह दोनों नाम मेरे स्वयं के है इसलिए भविष्य में मुझे प्रद्युमन चौहान के नाम से ही जाना जाए प्रद्युमन चौहान पुत्र जयवीर सिंह चौहान 25-ए, श्री विष्णु विहार कॉलोनी, आगरा रोड, जामडोली, जयपुर

मैंने मेरा नाम मनीष कुमार वर्मा से बदलकर मनीष कुमार रख लिया है, भविष्य में मुझे मनीष कुमार के नाम से जाना जाए। निवासी ई-73 नियर रिलायंस टावर, हसनपुरा-ए, जयपुर-302006

मैं ईशान्त स्वामी पुत्र ओमप्रकाश स्वामी, शिवाजी कॉलोनी, निवाई (टोंक) मेरा पूर्व में नाम विवेक स्वामी पुत्र ओमप्रकाश स्वामी था जिसको बदलकर ईशान्त स्वामी पुत्र ओमप्रकाश स्वामी रख लिया है। अन्य दस्तावेजों में ईशान्त स्वामी पुत्र ओमप्रकाश स्वामी है। अतः भविष्य में इसी नाम जाना जावें।

मैंने अपनी पुत्री का नाम नित्या (Nitya) से बदलकर नित्या देशवाल (Nitya Deshwal) पुत्री रोहित देशवाल रख लिया है भविष्य में इसे नित्या देशवाल के नाम से जाना जाए। निवासी-73 विवेक विहार, बजाज नगर, जयपुर, राजस्थान

मैंने अपना नाम संदीप कुमार हेनरी से बदलकर संदीप हेनरी रख लिया है। भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए मुझे संदीप हेनरी पुत्र श्री एस एच हेनरी निवासी 143, सुभाष कालोनी, शास्त्री नगर, जयपुर, राजस्थान के नाम से जाना जाए।

बारबाडोस में गूंजा 'वसुधैव कुटुंबकम्'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बारबाडोस में आयोजित 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। सम्मेलन के दौरान गवर्निंग काउंसिल की बैठक में उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन, बहुपक्षीय सहयोग और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की। देवनानी ने बताया कि सम्मेलन न केवल विचारों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच रहा, बल्कि विश्वभर की संसदीय परंपराओं से सीखने का एक दुर्लभ अवसर भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता और मजबूत संसदीय परंपराएं वैश्विक समुदाय के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

अपने प्रवास के दौरान देवनानी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ बारबाडोस स्थित भारतीय दूतावास में प्रवासी भारतीय समुदाय से संवाद किया। इस अवसर पर भारतीय मूल के नागरिकों ने देश के प्रति अपनी भावनाएं साझा की।

देवनानी ने कहा कि विदेशों में रहकर भी प्रवासी भारतीय भारतीय संस्कृति और मूल्यों से गहरे जुड़े हुए हैं, जो गर्व की बात है।

संत मुरलीधर सुनाएंगे संगीतमय ''नानी बाई को मायरो'' कथा

जयपुर। जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंददेवजी के सानिध्य में नानी बाई का मायरा श्री लक्ष्मी जगदीश मानस परिवार त्रिवेणी नगर जयपुर द्वारा दिनांक 13 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक सामुदायिक केंद्र त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बायपास जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। इस कथा में भक्त नरसी की भगवान श्री कृष्ण के प्रति अटूट आस्था का वर्णन किया गया है यह कथा बताती है कि कैसे भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं नानी बाई के मायरे भात को पूरा करके परिवार का सम्मान बचाया। इस प्रेरणादायक कथा का गायन और प्रवचन संत मुरलीधर महाराज कथा व्यास पीठ जोधपुर द्वारा किया जाएगा।

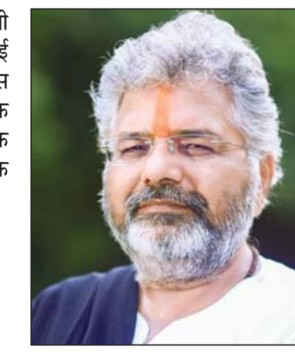

दिव्यांगों के साथ संगीत कार्यक्रम

जयपुर। लायंस क्लब सेवा सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को लाइंस क्लब जयपुर फ्रेंड्स के सौजन्य से लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान वीकेआई एरिया में दिव्यांग बच्चों एवं शिक्षकों के साथ संगीत कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

नए आपराधिक कानूनों की पहली वर्षगांठ पर 13 अक्टूबर होगी गुलाबी नगरी में भव्य प्रदर्शनी

राजस्थान में नए कानूनों के क्रियान्वयन से आए परिवर्तनों को प्रदर्शनी में दर्शाया जाएगा : मुख्य सचिव सुधांश पंत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली तीन नवीन आपराधिक संहिताओं को लागू हुए एक वर्ष पूरा हो चुका है। 1 जुलाई 2024 से लागू हुए इन ऐतिहासिक कानूनों की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार दंड के स्थान पर न्याय की अपनी अवधारणा को प्रदर्शित करने के लिए जयपुर में एक आयोजन करने जा रही है। नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष के सकारात्मक बदलाव के लिए जयपुर एग्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) सीतापुरा में 13 से 18 अक्टूबर 2025 तक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 अक्टूबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय संजीव प्रकाश शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

वहीं नए अपराधी कानून पर आयोजित होने जा रही प्रदर्शनी के शनिवार को पुलिस मुख्यालय के ऑडिटोरियम में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए.सावंत और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की मौजूदगी में कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य सचिव पंत ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार नए आपराधिक कानून जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए की भावना को मजबूत करते हैं, जो लोकतंत्र की नींव है।

उन्होंने कहा कि बरसों बाद औपनिवेशिक कानूनों में व्यापक बदलाव हुए हैं, जिसने देश को दंड की पुरानी अवधारणा से हटाकर न्याय की ओर प्रवृत्त किया है।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह प्रदर्शनी दिल्ली के बाद अब राजस्थान में नए कानूनों के क्रियान्वयन से आए परिवर्तनों को दर्शाएगी, जहां डेमो द्वारा विस्तृत जानकारी मुहैया कराई जाएगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए सावंत ने कहा कि कानून को पढ़ना और समझना कठिन कार्य है परंतु इस प्रकार की प्रदर्शनियों के माध्यम से कानून को सरल व प्रायोगिक तरीके से समझना आसान हो जाता है। उन्होंने इस कार्य में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर किया।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने नए कानूनों को नव विधान बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह से पारदर्शिता और त्वरित न्याय प्रदायगी पर केंद्रित है। उन्होंने उल्लेख किया कि न्याय के लिए विभिन्न स्तरों पर समय सीमाएं तय की गई है, जिससे महिला, बच्चों और समाज के हर वर्ग को बिना किसी देरी के सुगमता से न्याय मिल सके। उन्होंने सभी हितधारकों और आमजन से अपील की कि वे न्याय की इन महत्वपूर्ण जानकारियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं, ताकि कानूनी प्रक्रिया में आया यह सकारात्मक बदलाव जमीनी स्तर पर महसूस किया जा सके।

मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने जयपुर में आयोजित होने वाली ''नए अपराधी कानून प्रदर्शनी'' की जानकारी दी।

खोया पाया

मेरे आवास 40/133 स्वर्ण पथ, मानसरोवर के मूल आवंटन, कब्जा एवं अदेय प्रमाण पत्र कहीं खो गया है जो कि राज. आवासन मण्डल द्वारा अनिल कुमार खन्ना के नाम से जारी है मिलने पर सूचित करें-8890206699

मेरे आवास 40/134 स्वर्ण पथ, मानसरोवर के मूल आवंटन, कब्जा एवं अदेय प्रमाण पत्र कहीं खो गया है जो कि राज. आवासन मण्डल द्वारा अनिल कुमार खन्ना एवं ललिता खन्ना के नाम से जारी है मिलने पर सूचित करें-8890206699

मेरा मकान नं. 114/180 प्रताप नगर, सेक्टर-11 का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें- मुकेश वर्मा-9352866921

मेरे फ्लैट संख्या 5/ए/12 नीलकण्ठ अपार्टमेंट, इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर का मूल कब्जा पत्र क्रमांक 4070 दिनांक 06.12.2019 व मूल अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 4261/3872 दिनांक 29.11.2019 का इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर में खो गया है किसी को मिले तो सूचित करें। दीपक कुमार मीणा

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर

आवश्यक सूचना आवास संख्या 5/94 एन.ई.बी. 82 योजना अलवर जो कि मूलत श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री रामनिवास शर्मा को आवंटन पत्रांक 9646 दिनांक 20.01.1988 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा श्री सुरेन्द्र कुमार को आवास का कब्जा दिनांक 24.03.1988 को संभलवाया जा चुका था। इनके बेचान उपरान्त मण्डल द्वारा आवास का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 161/5046 दिनांक 04.02.2024 को श्री अशोक कुमार मल्होत्रा पुत्र श्री देशराज मल्होत्रा के पक्ष में जारी कर दिया गया था। श्री अशोक कुमार मल्होत्रा की मृत्यु दिनांक 23.04.2014 को हो जाने के उपरान्त उनके उत्तराधिकारी पुत्रों श्री नितेश मल्होत्रा व श्री रजत मल्होत्रा द्वारा प्रस्तुत नोटेरी द्वारा घोषणापत्र व अन्य शपथपत्रों एवं प्रपत्रों के आधार पर उक्त आवास का संयुक्त रूप से मृत्यु उपरान्त नाम हस्तान्तरण किये जाने हेतु शुल्क जमा कराकर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आग्रह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 5/94 एन.ई.बी. 82 योजना अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री नितेश मल्होत्रा व श्री रजत मल्होत्रा पुत्रान स्व. श्री अशोक कुमार मल्होत्रा के पक्ष में संयुक्त रूप से आवास का मृत्यु उपरान्त नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जावेगी।
उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त अलवर

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in

क्रमांकः एफ ( ) जविप्रा/उपा/ जोन-11/ 2025/डी 7152, दिनांक 10.10.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अम्बरीश दमानी पुत्र श्री श्याम सुन्दर दमानी द्वारा सेज पुनर्वास योजना ग्राम झांई के आवासीय भूखण्ड संख्या 192 क्षेत्रफल 1250 वर्गमीटर की लीजडीड हेतु आवेदन किया गया है। ग्राम झाई तहसील सांगानेर के खसरा नम्बर 237, 239/733, 240, 368/751, 370 अवाप्त क्षेत्रफल 10700 वर्गमीटर अवाप्त भूमि के बदले 25 प्रतिशत विकसित भूमि क्षेत्रफल 2675 वर्गमीटर (आवासीय 2140 वर्गमीटर एवं व्यावसायिक 535 वर्गमीटर) भूमि का आरक्षण पत्र क्रमांक डी-147 दिनांक 10.11.2006 के द्वारा भूमि मैसर्स पेलिकन कैप्स टेक्नोलोजीज प्रा.लि. जरिये प्रतिनिधि श्री नीरज अग्रवाल के पक्ष में जारी किया गया है। उक्त आरक्षण पत्र के आधार पर लॉटरी से आवंटित भूखण्डों का आवंटन पत्र क्रमांक 8841 दिनांक 20.11.2009 को जारी किया गया है। तत्पश्चात उक्त भूखण्ड का नाम प्रतिस्थापन पत्र क्रमांक 1604 दिनांक 21.5.2010 को गोवर्धनदास भंवरलाल एच.यू.एफ. कर्ता श्री श्यामसुन्दर दमानी पुत्र श्री भंवरलाल दमानी के पक्ष में जारी किया गया है। आवेदक द्वारा 500/- रूपये के स्टाम्प पर शपथ पत्र की प्रति अपलोड की गई है, जिसके अनुसार गोवर्धनदास भंवरलाल एचयूएफ परिवार का एचयूएफ कर्ता श्री अम्बरीश दमानी पुत्र श्री श्याम सुन्दर दमानी को नियुक्त किया गया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड के नाम हस्तांतरण/लीजडीड किये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति/फर्म/कम्पनी/संस्था एवं अन्य को आपत्ति हो तो यह सूचना जारी होने के 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें।
हस्ताक्षर/-
उपायुक्त जोन-11 जविप्रा, जयपुर ।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल पोकरण, जिला जैसलमेर (राज.)

क्रमांक /न.पा.पो./भूमि/25/3898 दिनांकः- 11.10.2025

-: लोकसूचना :- प्रारुप -10 (नियम 6(7) देखिये)

इस कार्यालय में भिन्न आवेदकों ने कृषि भूमि रुपान्तरण / नियमन एवं भु उपयोग परिवर्तन के अन्तर्गत नीचे उल्लेखित भूमि का गैर -कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु (मोटल) ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिये आवेदन प्रस्तुत किया है -

क्र. सं.	आवेदक का नाम मय पिता/ पति का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल	चाहे गये रुपान्तरण का प्रकार
1.	हरिसिंह बैरवा/गैदाराम व बतूलाल बैरवा/ गैदाराम	पोकरण/जैसलमेर	12115/31	42009 वर्गफीट	मोटल
2.	हरिसिंह बैरवा/गैदाराम व बतूलाल बैरवा/गैदाराम	पोकरण/जैसलमेर	12115/31	40236 वर्गफीट	मोटल
3.	हरिसिंह बैरवा/गैदाराम व बतूलाल बैरवा/गैदाराम	पोकरण/जैसलमेर	12115/31	39888 वर्गफीट	मोटल
4.	हरिसिंह बैरवा/गैदाराम व बतूलाल बैरवा/गैदाराम	पोकरण/जैसलमेर	12115/31	32470 वर्गफीट	मोटल

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू - राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90- क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर - भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा । उपर्युक्त नियम समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटार किया जायेगा । यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गई ।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका पोकरण

सीजन 1 जीतना तो बस शुरुआत थी। बेंगलुरु ओपन के साथ, हम पिकलबॉल को लोगों के और करीब लाना चाहते हैं। युवाओं, समुदायों और उन जुनूनी व्यक्तियों तक, जो इस खेल के साथ आगे बढ़ सकते हैं। - एटली

बेंगलुरू जवान्स टीम के मालिक, नई प्रतिभाओं को खोजने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ नॉनकुलुलेको म्लाबा

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका की बाएं हाथ की स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा को महिला विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच के दौरान आईसीसी की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई और एक डिमेरिट अंक दिया। आईसीसी ने गुरुवार को खेले गये इस मुकाबले में बाएं हाथ की स्पिनर ने 17वें ओवर में हरलीन देओल को आउट करने के बाद उन्हें मैदान से बाहर जाने का इशारा किया था। मैच अधिकारियों ने इस हरकत को भड़काउ माना। म्लाबा को अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय उपमहाद्वीप मेंची नही ऐसा देश है, जहां क्रिकेट का नामो-निशान नहीं है, जबकि भारत सहित पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान सभी क्रिकेट खेलते हैं।

पहली पेशेवर तीरंदाजी लीग ने अपने पहले सीजन के जश्न के साथ मील का पत्थर स्थापित किया

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। दुनिया की पहली पेशेवर तीरंदाजी लीग, आर्चरी प्रीमियर लीग ने अपने पहले सीजन की अपार सफलता का जश्न मनाया। इस आयोजन में लीग के हितधारकों, स्टार तीरंदाजों और गणमान्य व्यक्तियों ने भारतीय तीरंदाजी की वैश्विक छवि को ऊंचा उठाने में इसके अभूतपूर्व प्रभाव को स्वीकार किया। इस आयोजन में अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय तीरंदाजी के दिग्गजों ने भाग लिया, जिनमें 2024 ओलंपिक रिकर्व विश्व प्रतिभागी कैथरीन बाउर, ब्रैडी एलिसन (ओलंपियन और अमेरिका के सबसे सम्मानित रिकर्व तीरंदाजों में से एक), एला गिब्सन (विश्व नंबर 1, ब्रिटेन), मैथियास फुलर्टन (विश्व नंबर 2, डेनमार्क), भारत के सम्मानित तीरंदाज दीपिका कुमारी, धीरज बोम्मादेवरा (ओलंपिक 2024 रिकर्व प्रतिभागी), कंपाउंड विश्व चैंपियन ज्योति वेन्नम, एशियाई खेलों के पदक विजेता अभिषेक वर्मा और उभरते भारतीय स्टार चिकिथा तनिपर्थी शामिल थे, जिन्होंने वैश्विक और घरेलू प्रतिभाओं का एक शक्तिशाली मिश्रण प्रस्तुत किया।

केसीएल 2025 का रोमांचक फाइनल - पिंकसिटी पलटन और शेखावाटी स्पार्टन्स आमने-सामने

जयपुर, 11 अक्टूबर। जयपुर के सीतापुरा स्थित ज़ी स्टूडियोज़ में चल रही खेलो क्रिएटर्स लीग 2025 ने पूरे माहौल को जोश और उत्साह से भर दिया है। देशभर के मशहूर डिजिटल क्रिएटर्स इस अनोखी लीग में एक साथ मैदान पर उतरकर खेल भावना और मनोरंजन का शानदार संगम दिखा रहे हैं। इस सीज़न में पिंक सिटी पलटन ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सभी मैच जीतकर लीग चरण में अपना दबदबा बनाए रखा। टीम ने हर मुकाबले में शानदार तालमेल और रणनीति से जीत दर्ज की, जिससे वे सेमीफाइनल में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उतरे। वहीं शेखावाटी स्पार्टन्स ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए लीग में महत्वपूर्ण जीत हासिल कीं और अपनी लय बरकरार रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनकी मेहनत और टीमवर्क का नतीजा यह रहा कि उन्होंने बिकाना बुल्स को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। दूसरी ओर, पिंक सिटी पलटन ने सेमीफाइनल में जोधाणा वॉरियर्स को हराकर सीधे फाइनल का टिकट कटाया। अब फाइनल मुकाबला पिंक सिटी पलटन और शेखावाटी स्पार्टन्स के बीच खेला जाएगा, जो रोमांच और जोश से भरपूर होने वाला है। दोनों ही टीमें खिताब जीतने के लिए पूरी तैयारी में हैं। दर्शकों के लिए यह फाइनल मुकाबला सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि मनोरंजन, उत्साह और टीम भावना का एक शानदार जश्न होगा – जो खेलो क्रिएटर्स लीग 2025 की यादगार शाम बनेगा।

चेंजर, ब्लैक डायमंड और राजपूताना क्लब जीते

जयपुर, 11 अक्टूबर। एस.एम.एस. स्टेडियम के एस्ट्रोटर्फ पर खेले जा रहे गुरइकबाल सिंह भुल्लर स्मृति पुरुष सिक्स-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता में आज दो मैच खेले गए, जबकि नरिंदर कौर भुल्लर स्मृति महिला सिक्स-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता में एक मुकाबला आयोजित हुआ। महिला वर्ग के मुकाबले में सनसिटी क्लब और गेम चेंजर क्लब आमने-सामने हुए। इस मैच में गेम चेंजर क्लब ने सनसिटी क्लब को 3-1 से पराजित किया। गेम चेंजर की ओर से रीना बलावत ने दो गोल और मनीषा आर्य ने एक गोल किया। सनसिटी क्लब के लिए पायल ने एक गोल किया। पुरुष वर्ग के पहले मुकाबले में ब्लैक डायमंड क्लब ने भगत सिंह क्लब को 2-0 से हराया। ब्लैक डायमंड की ओर से रविंद्र और प्रवीण सिंह ने एक-एक गोल किया। दूसरे पुरुष मुकाबले में राजपूताना क्लब ने वारियर क्लब को 6-0 से परास्त किया। राजपूताना क्लब के विशाल ने चार गोल और बिलाल ने दो गोल किए।

रणजी ट्रॉफी में वापसी करेंगे सरफराज, सूर्यकुमार को जगह नहीं

मुंबई, 11 अक्टूबर। शार्दुल ठाकुर 15 अक्तूबर से शुरू हो रही रणजी ट्रॉफी 2025-26 में मुंबई की कप्तानी करेंगे। श्रीनगर में जम्मू और कश्मीर के ख़िलाफ़ पहले मैच के लिए 16 सदस्यीय टीम में शिवम दुबे और सरफ़राज़ ख़ान भी शामिल हैं। पिछले सीजन तक मुंबई की कप्तानी कर रहे अजिंक्य रहाणे टीम में मौजूद हैं, लेकिन सूर्यकुमार यादव टीम का हिस्सा नहीं हैं। ठाकुर भारत की इंग्लैंड दौरे वाली टेस्ट टीम का हिस्सा थे और पांच में से दो टेस्ट खेले थे, लेकिन मौजूदा वेस्टइंडीज दौरे के लिए उनका चयन नहीं हुआ। उनका पिछला प्रथम श्रेणी मैच दलीप ट्रॉफ़ी में सेंट्रल ज़ोन के ख़िलाफ़ था। सरफराज दलीप ट्रॉफ़ी से बाहर थे क्योंकि उन्हें बुची बाबू टूर्नामेंट के दौरान चोट लगी थी। दुबे ऑस्ट्रेलिया में टी20 सीरीज के लिए रवाना होने से पहले रणजी ट्रॉफ़ी का पहला राउंड खेलेंगे। रहाणे ने 2023-24 में मुंबई को उसकी 42वीं रणजी ट्रॉफ़ी दिलाकर नौ साल का सूखा खत्म किया था। उन्होंने अगस्त में कप्तानी छोड़ दी थी। पिछले घरेलू सीजन में जम्मू और कश्मीर ने मुंबई को हराया था, जब उन्होंने शरद पवार क्रिकेट अकादमी में 205 रन का लक्ष्य पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया था। जम्मू और कश्मीर के ख़िलाफ़ मुंबई की टीम शार्दुल ठाकुर (कप्तान), आयुष म्हात्रे, आकाश आनंद (विकेटकीपर), अजिंक्य रहाणे, सिद्धेश लाड, सरफ़राज़ ख़ान, शिवम दुबे, शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, तुषार देशपांडे, सिल्वेस्टर डिसूज़ा, हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर), इरफ़ान उमैर, मुशीर ख़ान, अखिल हेरवडकर, रोयस्टन डायस।

भारत दिल्ली टेस्ट में वेस्टइंडीज से 378 रन आगे

गिल के नाबाद शतक और जडेजा के तीन झटकों से भारत ने कसा शिकंजा

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) के बेहतरीन शतक से भारत ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को पांच विकेट पर 518 रन बनाकर अपनी पारी घोषित कर दी और लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा ने तीन विकेट झटककर वेस्ट इंडीज का पहली पारी में स्कोर चार विकेट पर 140 रन कर दिया। विंडीज अभी भारत के स्कोर से 378 रन पीछे है।

एक और दिन भारतीयों के नाम रहा। वेस्टइंडीज ने अहमदाबाद की तुलना में ज़्यादा धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाया, लेकिन फिर भी एकाग्रता में कुछ कमियाँ देखने को मिलीं, जिसका उन्हें इस सीरीज में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारत ने आज 5 विकेट पर 518 रन बनाकर पारी घोषित करने से पहले ठीक 200 रन और जोड़े – यशस्वी जायसवाल के 175 और शुभमन गिल के 129 रनों की बदौलत टीम ने बड़ा स्कोर बनाया।

जॉन कैंपबेल एक अजीबोगरीब तरीके से आउट हुए, लेकिन तेज नारायण चंद्रपॉल और एलिक ऐथनेज ने धैर्य बनाए रखा और दूसरे विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी की। लेकिन जैसा कि पहले अक्सर होता आया है, एक गलती के कारण चंद्रपॉल आउट हो गए और मेहमान टीम का स्कोर 87/1 से 107/4 हो गया। शाई होप काफी सकारात्मक दिखे और टेविन इमलाक ने आत्मविश्वास से बल्लेबाजी की। विकेट पर अभी भी रन बने हुए हैं और उन्हें कल अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद होगी। भारत के लिए, सब कुछ धैर्य बनाए रखने, सही क्षेत्रों में गेंदबाज़ी करने और अपरिहार्य गलती का इंतज़ार करने पर निर्भर करता है। भारत के पारी घोषित करने के बाद जब वेस्ट इंडीज ने खेलना शुरू किया तो उसे पहला झटका जल्द ही लगा। लेफ्ट आर्म स्पिनर जडेजा ने जॉन कैंपबेल को आउट कर दिया। कैंपबेल ने 10 रन बनाये और विंडीज का पहला विकेट 21 के स्कोर पर गिरा।

तेज नारायण चंद्रपाल और ऐलेक ऐथनेज ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। लेकिन जडेजा ने चंद्रपाल को केएल राहुल के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। चंद्रपाल ने 67 गेंदों में 34 रन बनाये। कुलदीप यादव ने कुछ देर बाद ऐलेक ऐथनेज को पवेलियन की राह दिखा दी। ऐथनेज ने 84 गेंदों पर 41 रन बनाये। जडेजा ने विंडीज के कप्तान रोस्टन चेज को खाता खोलने का मौका दिए बिना अपनी ही गेंद पर खुद कैच कर लिया। शाई होप ने इसके बाद सावधानी के साथ खेलते हुए नाबाद 31 रन बनाकर पारी को संभाल लिया। उनके साथ दूसरे छोर पर टेविन इमलाक 14 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत की तरफ से जडेजा ने 37 रन पर तीन विकेट और कुलदीप ने 45 रन पर एक विकेट लिया।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 के विशाल स्कोर पर घोषित कर दी। लंच के बाद शुभमन गिल ने शतक बनाकर तेजी के साथ रन बनाने शुरु किये। इसी दौरान 135 ओवर की दूसरी गेंद पर रॉस्टर चेज ने ध्रुव जुरेल को बोल्ड कर भारत को पांचवां झटका दिया और इसी के साथ भारत ने 518 रन के स्कोर पर पारी घोषित कर दी है। शुभमन गिल ने 196 गेंदों में 16 चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 129 रनों की पारी खेली।

इससे पहले भारत ने कल के दो विकेट पर 318 रन से आज आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र के दूसरे ही ओवर में यशस्वी जयसवाल रनआउट के रूप में भारत का तीसरा विकेट गिरा। यशस्वी ने 258 गेंदों में 22 चौकों की मदद से 175 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये नीतीश कुमार रेड्डी ने शुभमन गिल के साथ रनों की रफ्तार को बढ़ाने का कार्य किया। रेड्डी (43) को जोमेल वारिकन ने आउट किया। इसी दौरान शुभमन गिल ने अपना अर्धशतक पूरा किया।

इंग्लैंड की महिला टीम ने श्रीलंका को 89 रनों से हराया, नैट शिवर ब्रंट का शतक

कोलम्बो, 11 अक्टूबर। कप्तान नैट शिवर -ब्रंट (117रन/ दो विकेट) और सोफी एकल्सटन (चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने शनिवार को महिला विश्व कप मुकाबले में श्रीलंका को 26 गेंदे शेष रहते 89 रनों से हरा दिया। नैट शिवर -ब्रंट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

253 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसकी कप्तान चामरी अटापट्टू को चोटिल होने के कारण रिटायर्ड होना पड़ा। हालांकि बाद में बल्लेबाजी करने उतरी और उन्हें एकल्सटन ने 15 रन पर बोल्ड आउट किया। विष्मी गुणारत्ने (10), हसिनी परेरा (35), हर्षिता समाराविक्रमा (33), कविशा दिलहारी (चार), अनुष्का संजीवनी (10), देवमी विहंगा (तीन), नीलाक्षी डिसिल्वा (23) और सुगंधिका कुमारी चार रन बनाकर आउट हुई। 46वें ओवर की चौथी गेंद पर लिंसी स्मिथ ने उदेशिका प्रबोधनी (शून्य) को आउटकर 164 के स्कोर पर श्रीलंका की पारी का अंत कर दिया।

इंग्लैंड के लिए सोफी एकल्सटन ने चार 10 ओवरों में 17 रन देकर चार विकेट लिये।नैट शिवर -ब्रंट और शार्लेट डीन को दो-दो विकेट मिले। ऐलिस कैप्सी और उदेशिका प्रबोधनी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड ने नैट शिवर -ब्रंट 117 की शतकीय पारी के दम पर निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 253 रनों को स्कोर खड़ा किया। नैट शिवर-ब्रंट ने 117 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाए। बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद, उन्होंने पावरप्ले में तेज शुरुआत की, लेकिन दो विकेट गंवाने के बाद उनकी गति धीमी पड़ गई। श्रीलंका ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए, लेकिन वे शिवर-ब्रंट को आउट नहीं कर पाए, जिन्होंने इंग्लैंड की पारी को गति दी।

शिवर-ब्रंट ने शुरुआत में हीथर नाइट के साथ 60 रनों की साझेदारी की और फिर कुछ और 30 रनों की साझेदारियाँ कीं। वह इंग्लैंड की पूरी पारी में मौजूद रहीं और पारी के अंत में उन्होंने गति पकड़ी - अपना 5वां विश्व कप शतक और कुल मिलाकर 10वां शतक जड़ा। तीन रन पर प्रबोधनी द्वारा कैच छोड़ने के बाद उन्हें जीवनदान मिला और श्रीलंका को उस चूके हुए मौके का मलाल रहेगा। टैमी ब्यूमोंट(32), हीथर नाइट (29) और शार्लेट डीन (19) ने कुछ उपयोगी योगदान दिए, लेकिन शिवर-ब्रंट के शानदार 117 रनों के आसपास भी कुछ नहीं था।

नामीबिया ने द. अफ्रीका को चार विकेट से हराया

विंडहोक (नामीबिया) 11 अक्टूबर। रूबेन ट्रंपलमन (तीन विकेट/ नाबाद 11रन) और मैक्स हेइंगो (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद जेन ग्रीन (नाबाद 30) और कप्तान एरार्ड इरास्मस (21) की शानदार पारियों के दम पर नामीबिया ने शनिवार को खेले गये टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को चार विकेट से हरा दिया। रूबेन ट्रंपलमन को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

135 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने यान फ्रायलिंक (सात), लौरेन स्टीनकैंप (13) और निकोल लॉफ्टी-ईटन (सात) के विकेट जल्द ही गंवा दिये। इसके बाद कप्तान एरार्ड इरास्मस भी 21 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। जेजे स्मिट (13) और मलान क्रूगर (18) रन बनाकर आउट हुये। 101 के स्कोर पर छह विकेट गिरने के बाद जेन ग्रीन और रूबेन ट्रंपलमन ने संभल कर खेलते हुए अपनी टीम को निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट से जीत दिला दी। 20वें ओवर की पहली गेंद पर ग्रीन ने छक्का लगाया और आखिरी गेंद पर चौका लगाकर स्कोर छह विकेट पर 138 रन कर दिया। ग्रीन ने 23 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाकर नाबाद 30 रनों की पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

विशाखापत्तनम, 11 अक्टूबर। भारतीय महिला टीम रविवार को आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के 13वें मैच में डॉ. वाईएस राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम से भिड़ेगी, जहां उसे अपने चरित्र और कौशल की कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। कागज़ों पर, यह दो क्रिकेट खेलने वाले देशों के बीच मुकाबला है; लेकिन व्यवहार में, यह संयम की लड़ाई है, जहां भारत का शीर्ष और मध्य क्रम आज के महिला क्रिकेट के किसी भी गेंदबाज़ी आक्रमण की तरह अनुशासित और निर्मम गेंदबाजी आक्रमण का सामना कर रहा है। भारत का अब तक का अभियान विरोधाभासों से भरा रहा है। श्रीलंका और पाकिस्तान पर जीत ने टीम की चमक दिखाई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार ने चिंताजनक असंगति को उजागर किया, खासकर शीर्ष और मध्य क्रम में। शीर्ष क्रम की मुख्य खिलाड़ी स्मृति मंधाना अच्छी शुरुआत को सार्थक पारी में बदलने के लिए जूझ रही हैं, तीन मैचों में केवल 54 रन बना पाई हैं – जो उनके स्तर की खिलाड़ी से अपेक्षित से बहुत कम है। जेमिमा रोड्रिग्स और प्रतीका रावल का योगदान छिटपुट रहा है, और यहां तक कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी लगातार अपनी लय नहीं बना पाई हैं, जिससे भारत जल्दी ही बिखरने का शिकार हो गया है।

सबालेंका और गॉफ सेमीफाइनल में, स्वियाटेक उलटफेर की शिकार

वुहान, 11 अक्टूबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने वुहान ओपन में अपना अजेय क्रम 20 मैचों तक बढ़ाया, एलेना रिबाकिना को शुक्रवार को 6-3, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक को इटली की जैस्मीन पाओलिनी ने हराकर उलटफेर किया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ने आक्रामक बेसलाइन हिटिंग से अपनी कज़ाख प्रतिद्वंद्वी को परास्त किया, शुरुआती सेट के आठवें गेम में रिबाकिना की सर्विस तोड़ दी, और 6-3 से जीत हासिल की।

सबालेंका ने दूसरे सेट में भी अपनी लय जारी रखी और आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को एक घंटे 25 मिनट में 6-3 से हरा दिया। सबालेंका, जिन्होंने 2018 से मध्य चीनी शहर वुहान में अपने पदार्पण के बाद से एक भी मैच नहीं हारा है, अब फाइनल में जगह बनाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी।

छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने चेक खिलाड़ी कैटरीना सिनियाकोवा को 2-6, 6-0, 6-3 से हराया, जबकि कोको गॉफ ने जर्मनी की लौरा सीगेमंड पर 6-3, 6-0 की शानदार जीत के साथ अपनी हमवतन खिलाड़ी के साथ अंतिम चार में जगह बनाई। पाओलिनी ने दिन का सबसे बड़ा आश्चर्य दूसरी वरीयता प्राप्त स्वियाटेक को 6-1, 6-2 से हराकर पोलिश स्टार के खिलाफ पांच मैचों की हार का सिलसिला तोड़ दिया।

टीम मेयो ब्लू बनी मेयो पोलो कप 2025 की विजेता

जयपुर, 11 अक्टूबर। राजस्थान पोलो ग्राउंड पर शनिवार को मेयो पोलो कप 2025 एग्जीबिशन मैच के 7वें संस्करण का आयोजन किया गया। यह पोलो चैंपियनशिप इवेंट यूएस पोलो एसोसिएशन और मेयो एलुमनाई एसोसिएशन ऑफ सदर्न इंडिया (एमएएएसआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। यह रोमांचक मुकाबला टीम मेयो व्हाइट और टीम मेयो ब्लू के बीच खेला गया, जिसमें टीम मेयो ब्लू ने टीम मेयो व्हाइट को 4-3 के स्कोर से हराकर कप अपने नाम कर लिया।

इस अवसर पर मेयो के 1979 बैच से लेफ्टिनेंट जनरल आलोक क्लेर (सेवानिवृत्त) मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विजेता टीम मेयो ब्लू को ट्रॉफी प्रदान की। इसके अतिरिक्त, इस दौरान मेयो कॉलेज की वाईस प्रिंसिपल, प्रियंका भट्टाचार्य और यूएस पोलो एसोसिएशन से पुरुषोत्तम सुरेश भी उपस्थित रहे।

विजेता टीम मेयो ब्लू के लिए प्रताप सिंह कानोता ने 2 गोल किए। एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और अयान अली ने 1-1 गोल किया। टीम से विक्रमादित्य सिंह बरकाना भी खेले। वहीं, टीम मेयो व्हाइट की ओर से मेजर राघव राज ने 2 गोल किए। वीरम देव सिंह ने 1 गोल किया। टीम के अन्य खिलाड़ियों में शिवांश सिंह शक्तावत और रणशेर सिंह राठौड़ भी शामिल थे। गौरतलब है कि अयान अली और शिवांश सिंह शक्तावत वर्तमान में मेयो स्टूडेंट्स हैं, जबकि अन्य प्रतिष्ठित खिलाड़ी मेयो के पूर्व छात्र रहे हैं, जिससे मैच के दौरान युवा ऊर्जा और अनुभवी खिलाड़ियों का एक बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। यह मैच देखने के लिए मेयो कॉलेज, अजमेर से 30 से ज्यादा छात्र उपस्थित रहे।

महिला विश्व कप सेमीफाइनल के टिकटों की बिक्री शुरू

दुबई, 11 अक्टूबर। आईसीसी ने बताया है कि महिला वनडे विश्व कप 2025 के सेमीफ़ाइनल के टिकटों की बिक्री 11 अक्तूबर को भारतीय समयानुसार शाम 6 बजे से शुरू होगी। गूगल पे उपयोगकर्ताओं के लिए सामान्य बिक्री से पहले दो दिन की प्री-सेल की विशेष विंडो रहेगी और सामान्य बिक्री 13 अक्टूबर को शाम 7 बजे लाइव होगी। रिलीज में कहा गया है कि पहले सेमीफ़ाइनल के टिकट गुवाहाटी में 29 सितंबर के लिए उपलब्ध होंगे।

कप्तान गिल ने विराट के रिकॉर्ड की बराबरी की, सचिन को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आज नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपना 10वाँ टेस्ट शतक जड़ा। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान बनने के बाद से ही वह लगातार रन बना रहे हैं। उनका नवीनतम शतक रिकॉर्ड तोड़ साबित हुआ क्योंकि गिल ने टेस्ट कप्तान के रूप में कई उपलब्धियाँ हासिल कीं और साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में भारत के लिए एक नया रिकॉर्ड भी बनाया।

26 वर्षीय यह खिलाड़ी अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ( ) के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। दिल्ली में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ उनका शतक 10वाँ शतक बन गया, जिससे उन्होंने इस साल की शुरुआत में संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में नौ शतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस बीच, शुभमन गिल ने एक साल में कप्तान के तौर पर सबसे ज़्यादा शतक लगाकर भारत के लिए विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब वह 2025 में पाँच शतक लगाएँ, जबकि कोहली ने अपने करियर में यह अद्भुत उपलब्धि दो बार हासिल की है। उन्होंने 2017 और 2018 में टेस्ट कप्तान के तौर पर पाँच-पाँच शतक लगाए और 2016 में भी चार शतक बनाए। कोहली 2016 से 2018 तक अपने बेहतरीन बल्लेबाज़ी फॉर्म में थे।

गिल की बात करें तो उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1997 में भारत के टेस्ट कप्तान रहते हुए चार शतक लगाए थे। इस मामले में रिकी पोंटिंग सबसे ऊपर हैं, जिन्होंने 2006 में सात शतक लगाए थे। शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 10वें शतक के साथ कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 26 वर्षीय इस खिलाड़ी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में कप्तान के रूप में अपना पाँचवाँ शतक जड़ा और पाकिस्तान के बाबर आज़म को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने देश की कप्तानी करते हुए चार शतक बनाए थे। कुल मिलाकर, इंग्लैंड के कप्तान के रूप में 100 से अधिक के आठ स्कोर के साथ जो रूट इस सूची में शीर्ष पर हैं।

बीसीसीआई के गुस्से का शिकार नकवी

एशिया कप ट्रॉफी विवाद पर आईसीसी से हटाने की मांग तेज

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान पर भारत की जीत के बाद अपने व्यवहार से विवादों में घिर गए हैं और बीसीसीआई की नाराजगी का शिकार हुए हैं। भारतीय खिलाड़ियों द्वारा ट्रॉफी लेने से इनकार करने के बाद नकवी टूर्नामेंट की ट्रॉफी लेकर चले गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी ने निर्देश दिया है कि ट्रॉफी दुबई स्थित आईसीसी मुख्यालय में रखी जाए और उनकी अनुमति के बिना भारत को न सौंपी जाए। वह भारत की आपत्ति के बावजूद ट्रॉफी व्यक्तिगत रूप से भारत को सौंपने पर अड़े हैं। बीसीसीआई द्वारा नकवी की निंदा करने और उन्हें आईसीसी के निदेशक पद से हटाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। ''यह देखना बाकी है कि पीसीबी या नकवी के लिए इसके दीर्घकालिक परिणाम क्या होंगे, क्योंकि बीसीसीआई स्पष्ट है कि नकवी भारतीय टीम को ट्रॉफी सौंपने पर ज़ोर देने और बीसीसीआई को भेजने से इनकार करने का कोई अधिकार नहीं था, जो इस आयोजन का आधिकारिक मेजबान था।''

भारत द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों और अधिकारियों से बातचीत करने से इनकार करने के बाद कई घटनाएँ हुईं, जिनका असर क्षेत्रीय टूर्नामेंट पर पड़ा। पीसीबी ने आईसीसी मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को अपने मैचों से हटाने की कोशिश की, क्योंकि उनका आरोप था कि टूर्नामेंट के पहले मैच में टॉस के समय अधिकारी ने उनके कप्तान सलमान अली आगा को अपने भारतीय समकक्ष सूर्यकुमार यादव से हाथ न मिलाने के लिए कहकर उनकी मर्यादा का उल्लंघन किया था। पाकिस्तान ने कथित तौर पर यूएई के खिलाफ ग्रुप ए मैच का बहिष्कार करने पर विचार किया था, अगर उनकी मांग नहीं मानी गई। बाद में, सुपर 4 मुकाबले के दौरान, भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच मैदान पर कई बार बहस हुई। दोनों प्रतिद्वंदियों के खिलाड़ियों के हाव-भाव और बयानों के कारण बीसीसीआई और पीसीबी की शिकायतों के बाद आईसीसी ने उन्हें दंडित किया। दोनों प्रतिद्वंद्वी टीमें खिताबी मुकाबले में तीसरी बार आमने-सामने हुईं, जिसे भारत ने रोमांचक अंदाज में जीतकर चैंपियन बना।

आरसीए अंडर-23 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी आगामी कल से जयपुर में खेली जाएगी

जयपुर, 11 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की वीमेन अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में आगामी 13 अक्टूबर 2025 से वीमेन अंडर 23 चैलेंजर ट्रॉफी खेली जाएगी। चैलेंजर ट्रॉफी हेतु 4 टीमों का चयन राजस्थान वीमेन चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय वीमेन प्रतियोगिता में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया।

टीम ए- नंदिनी पालीवाल (कप्तान), ज्योति सैनी, अनया गर्ग, भाविनी भार्गव, नीतू कंवर, गोलू, पलक यादव, रुतबा चौधरी, भूमिका चौधरी, विद्या रावत, अदिति चौहान, निशा सैनी, संजना सोनी, सुमिरन धाड़ीच।

टीम बी- बबीता, श्रेया जोशी (कप्तान), प्रियंका चौधरी, कंचन हुडा, मुस्कान बिश्नोई, यशस्वी कट्टा, निकिता, अंजलि जाट, निधि सैनी, करिश्मा, शिवानी, दृष्टि खोड़ा, निकिता बिश्नोई, शिवानी चौधरी, हेमलता ढाका।

टीम सी- दीक्षा सैनी (कप्तान), पार्वती, रिज़ा शेख, शनाया सेन, अनन्या वर्मा, अल्पना रावत, सरोज, सोनम सैनी, ऋषिता यादव, चांदनी बैरागी, रितिका भाटी, धूडी, जेनम के., भव्या सिसौदिया।

टीम डी- नगमा, विजेता चौहान, वंशिका यादव, श्वेता जी, उषा पेरेरिया (कप्तान), एंजल चौधरी, यति पारीक, चहक बत्रा, साक्षी, ऋतु लोढ़ा, वृंदा शर्मा, कृष्णा पाटीदार, साक्षी पटेल, सिद्धि कुमावत, संजू चौधरी।

बीसीसीआई वीनू मांकड़ अंडर-19 ट्रॉफी में राजस्थान ने आसाम को 4 विकेट से हराया

राजस्थान के जीत में शिफॉन खान की शानदार शतकीय पारी

जयपुर, 11 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी रांची में खेली जा रहे वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान ने शिफॉन खान के शानदार शतक के सहायता से आसाम को 4 विकेट से हराया। वीनू मांकड़ अंडर 19 ट्रॉफी राजस्थान - असम मैच, बीसीसीआई वीनू मांकड़ अंडर 19 ट्रॉफी में राजस्थान ने आसाम को 4 विकेट से हराया, राजस्थान के जीत में शिफॉन खान की शानदार शतकीय पारी अंडर 16 टॉफी (आज खेल गए मैच)- आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी आगामी राष्ट्रिय अंडर 16 ट्रॉफी के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी के आज जयपुर में खेले गए मैचों का परिणाम :- जयपुर, चूरू, अलवर, भीलवाड़ा, जोधपुर, बारां, श्रीगंगानगर, उदयपुर, भरतपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, नागौर, सीकर जीती ।

बीपीएल के अगले संस्करण में केवल पांच टीमें होगी

ढाका, 11 अक्टूबर। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के सचिव इफ्तिखार रहमान मिठू ने शनिवार को बताया कि बांग्लादेश प्रीमियर लीग का अगला संस्करण दिसंबर के मध्य से जनवरी के मध्य तक पांच टीमों के बीच खेला जाएगा। इफ्तिखार ने शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पत्रकारों को बताया कि अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले समय की कमी के कारण यह फैसला लिया गया है। इफ्तिखार ने कहा, ''बोर्ड ने दिसंबर के मध्य से जनवरी के मध्य तक बीपीएल की मेजबानी करने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा, ''इस साल हमारे पास जो छोटी अवधि है, उसे देखते हुए हम पांच टीमों के साथ सहज हैं। इसका मतलब यह नहीं कि भविष्य में छह या सात टीमें नहीं हो सकतीं, लेकिन हमारी प्राथमिकता एक महीने की अवधि में पांच टीमों का बीपीएल आयोजित करना है।'' उन्होंने कहा, ''रुचि पत्र (ईओआई) की घोषणा कल की जाएगी।यह संभव है कि मौजूदा बीपीएल चैंपियन फॉर्च्यून बारिशल बीपीएल के अगले संस्करण में हिस्सा न ले।

नोबेल प्राइज़ विजेता युगल डुफलो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यू.ज़ैड.एच. में, डुफ़लो और बनर्जी मिलकर लेमन सेंटर फॉर डेवलपमेंट, एजुकेशन एंड पब्लिक पॉलिसी का नेतृत्व करेंगे। यह केन्द्र "ब्राज़ील की लेमन फाउंडेशन" की 2.6 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 3.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की मदद से स्थापित किया जा रहा है। इस केन्द्र का उद्देश्य नीति-उन्मुख अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और विशेष रुप से, स्विट्ज़रलैंड व ब्राज़ील सहित, दुनिया भर के शिक्षाविदों व नीति-निर्माताओं को जोड़ना है।

यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष माइकल शैपमैन ने बताया, "हमें गर्व है कि दुनिया के दो सबसे प्रभावशाली अर्थशास्त्री हमारे साथ जुड़ रहे हैं। वे वैज्ञानिक सिद्धांत को सामाजिक प्रभाव से जोड़ते हैं, जो हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी उपस्थिति हमारे मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय पहचान को मज़बूत करेगी।"

डुफ़लो ने कहा कि नया लेमन सेंटर उन्हें "ऐसा अवसर देगा, जिससे वे अपने उस कार्य को आगे बढ़ा सकें, जो अकादमिक शोध, छात्र मार्गदर्शन और वास्तविक नीति-निर्माण के बीच सेतु का काम करता है।"

बनर्जी ने भी यूज़ैडएच से कहा कि "हमें पूरा विश्वास है कि यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख हमारे लिए शोध और नीति-निर्माण का एक उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करेगी।"

हालांकि ये दोनों एमआईटी में पार्ट-टाइम सेवा देंगे और अपना रिसर्च नैटवर्क "अब्दुल लतीफ़ जमील पॉवर्टी एक्शन लैब (जे-पीएएल) जारी रखेंगे। एमआईटी, जहां वे लंबे समय से हैं, पहली युनिवर्सिटी है जिसने ट्रंप प्रशासन द्वारा तय की गई नई संघीय फंडिंग शर्तों को खारिज कर दिया है।

एमआईटी की अध्यक्ष सैली कॉर्नब्लथ ने अमेरिकी शिक्षा सचिव लिंडा मैकमैहन को लिखे पत्र में कहा कि वे वाइट हाउस के उस ज्ञापन का समर्थन नहीं कर सकतीं, जो शोध फंडिंग को उन नीतियों से जोड़ता है, जो अंतरराष्ट्रीय छात्रों के नामांकन, विविधता कार्यक्रमों (डायवर्सिटी मैज़र्स) और लैंगिक परिभाषाओं पर प्रतिबंध लगाती हैं।

वाइट हाउस द्वारा नौ शीर्ष विश्वविद्यालयों को ज्ञापन भेजे गये हैं। इन विश्वविद्यालयों में प्रमुख हैं, ब्राउन, वर्जीनिया, डार्टमाउथ और वैंडरबिल्ट।

ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से, ट्रंप प्रशासन ने उच्च शिक्षा को रुढ़िवादी शिक्षा मॉडल की ओर मोड़ने, विविधता कार्यक्रमों को सीमित करने और शैक्षिणक स्वायत्तता घटाने के प्रयास किए हैं। नवीनतम संघीय आँकड़ों के अनुसार, अगस्त में अमेरिका आने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या लगभग 20 प्रतिशत घट गई, जब विश्वविद्यालयों का नया शैक्षिणक वर्ष शुरू हुआ था, कुल 3,13,138 छात्र अध्ययन वीज़ा पर अमेरिका पहुंचे, जो 2024 के अगस्त माह की संख्या से कम हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट ट्रंप प्रशासन की कठोर वीज़ा संवीक्षा के कारण है। मई के अंत में विदेश विभाग ने विदेशी छात्रों के वीज़ा साक्षात्कार तीन सप्ताह के लिए रोक दिए थे और बाद में उन्हें सोशल मीडिया जाँच के साथ पुनः शुरू किया। जून में 19 अफ्रीकी, एशियाई और मध्य-पूर्वी देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने से स्थिति और अनिश्चित हो गई।

फेडरल डेटा के अनुसार, सबसे बड़ी गिरावट अफ्रीका (33 प्रतिशत), एशिया (24 प्रतिशत, जिसमें भारत से 45 प्रतिशत की गिरावट शामिल है) और मध्य पूर्व (17 प्रतिशत) से आई है।

'सभी बोइंग 787 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ग्राउंड रखा जाए, जब तक व्यापक विद्युत प्रणाली जांच पूरी नहीं हो जाती, एआई-117 और एआई-154 की स्वतंत्र जाँच कराई जाए, और एयर इंडिया की रखरखाव प्रक्रियाओं की डी.जी.सी.ए. द्वारा विशेष ऑडिट की जाए। संघ ने विशेष रूप से "मिनिमम इक्विपमेंट लिस्ट (एम.ई.एल.)" अनुमोदनों और बार-बार आने वाली तकनीकी खराबियों पर ध्यान केन्द्रित करने को कहा है।

कैप्टन रंधावा ने कहा, "हमारे विमान में सवार यात्री यह भरोसा करते हैं कि वे पूरी तरह सुरक्षित और अच्छी तरह से रखरखाव किए गए विमान में उड़ रहे हैं। एयरलाइन और नियामकों का कर्तव्य है कि इस भरोसे को टूटने न दें। किसी भी तरह का समझौता अस्वीकार्य है।" यह पत्र नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव, डी.जी.सी.ए. महानिदेशक और संयुक्त महानिदेशक (एयर सेफ्टी) को भी भेजा गया है, ताकि तुरंत कार्रवाई हो सके। विमानन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि रखरखाव में ढिलाई के ऐसे मामलों के बेहद खतरनाक परिणाम हो सकते हैं, खासकर लंबी दूरी की उड़ानों में, जहाँ विद्युत प्रणालियों की विश्वसनीयता और बैकअप बेहद जरूरी होते हैं।

पूर्व कॉमर्शियल पायलट और सुरक्षा सलाहकार ने कहा, "संचालन क्षमता कभी भी सुरक्षा से ऊपर नहीं होनी चाहिए। बोइंग 787 एक अत्याधुनिक विमान है, लेकिन इसकी जटिलता का मतलब यह है कि छोटी-सी रखरखाव की चूक भी जानलेवा साबित हो सकती है।"

अब एयर इंडिया के सामने एक अहम फैसला है, क्या वह जाँच के बीच उड़ानें जारी रखे या फिर गहन निरीक्षण करवाने के लिए 787 बेड़े को उड़ान भरने से रोकने का एहतियाती कदम उठाए। एफ.आई.पी. के लिए रूख बिल्कुल स्पष्ट है। कैप्टन रंधावा ने लिखा, "हर यात्री और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। विमानों को ग्राउंड करना, रखरखाव की जाँच करना और बार-बार होने वाली खराबियों की जाँच कराना आवश्यक कदम हैं। इससे कुछ भी कम, जिम्मेदारी से चूकना होगा।"

यात्रियों की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित होने के साथ-साथ, इस घटनाक्रम ने भारत में एयरलाइन रखरखाव की जवाबदेही और निगरानी पर नई बहस छेड़ दी है।

एयर इंडिया पर भरोसा करने वाले लाखों यात्रियों के लिए यह स्थिति एक सच्चाई को उजागर करती है। विमानन क्षेत्र में सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता।

बड़े पैमाने पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्षेत्रीय दलों या यहाँ तक कि एनडीए खेमे में शामिल हो रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि चुनाव से पहले दलबदल आम बात है, लेकिन इस बार का पैमाना चिंताजनक है। पटना स्थित एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, "बिहार में निष्ठा बदलना हमेशा से आम रहा है, लेकिन इस बार जिस स्तर पर नेता पार्टी बदल रहे हैं, वह इस बात का संकेत है कि राज्य की बदलती सत्ता-समीकरणों को लेकर नेताओं में गहरी अनिश्चितता है।"

भाजपा और जद (यू) के नेतृत्व वाला एनडीए एक ओर अपने अंदरूनी असंतोष को संभालने में जुटा है और स्थिरता की छवि बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, जबकि विपक्षी महागठबंधन का नेतृत्व विवादों और सीटों के बँटवारे पर मतभेदों से जूझ रहा है।

उम्मीदवारों की अंतिम सूची अगले 48 घंटों में जारी होने की संभावना है। दोनों खेमों के प्रमुख नेता और रणनीतिकार दलबदल से उत्पन्न हालात को संभालने के लिए दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। पार्टी सूत्रों का मानना है कि अंतिम समय पर हुए ये पलायन कई सीटों पर जातीय समीकरण और स्थानीय गठजोड़ को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे मुकाबला और अधिक अप्रत्याशित हो गया है।

जैसे-जैसे प्रचार अभियान रफ्तार पकड़ रहा है, एक बात साफ है, बिहार की राजनीति, जो अपनी अस्थिरता के लिए मशहूर है, एक बार फिर उसी पहचान को साबित कर रही है। दलबदल की यह लहर राज्य को हाल के वर्षों के सबसे अनिश्चित चुनावों में से एक की ओर ले जा रही है।

बिहार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करीब डेढ़ घंटे तक मीटिंग पर नतीजा नही दिया। शाम को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा भी नड्डा के आवास पर पहुंचे और डेढ़ घंटे तक चली बैठक का भी नतीजा नही निकला।

यूक्रेन युद्ध के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की है कि चीन से अमेरिका आने वाले सभी निर्यातों पर मौजूदा 30 प्रतिशत शुल्क के अलावा 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ़ लगाया जा सकता है। इस धमकी ने चीन को झकझोर दिया है, और उसने जवाबी कदमों की तैयारी शुरू कर दी है। धीरे-धीरे और लगभग अनिवार्य रूप से, अमेरिका और चीन के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। अब सवाल यह है कि क्या यह आर्थिक युद्ध किसी सैन्य टकराव में बदल जाएगा या दोनों देश किसी तरह इसे टाल लेंगे - यही आने वाले समय की सबसे अहम कड़ी होगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908